www.dainikjayantnews.com
देहरादून (गैरसैंण),
बुधवार : 20 मई 2026
वर्ष: 17
अंक: 28 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

आर्थिक तूफान आ रहा है, आम आदमी को लगेगा भारी शॉक

- **रायबरेली में राहुल गांधी ने चेताया, पीएम मोदी पर हमला**

रायबरेली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चेतावनी दी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बनाया गया आर्थिक ढांचा ढहने वाला है। इसका सबसे भारी नुकसान आम लोगों को उठाना पड़ेगा। पांच दिनों में दूसरी बार पेट्रोलियम की कीमतें बढ़ाए जाने के बाद केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों पर हमला बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि भारत एक अभूतपूर्व 'आर्थिक तूफान' के कगार पर खड़ा है। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में मंगलवार को राहुल गांधी ने

पत्रकारों से कहा कि मोदी सरकार ने जो आर्थिक ढांचा अरबपति उद्योगपतियों के पक्ष में खड़ा किया है उसका ढहना तय है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बनाया गया आर्थिक ढांचा ढह जाएगा और इसका सबसे बुरा असर आम लोगों पर पड़ेगा।

मोदी जी का इकानॉमी का स्ट्रक्चर खड़ा नहीं रहेगा– राहुल गांधी ने कहा, मोदी जी ने जो इकानॉमी का स्ट्रक्चर बदला है, अब आर्थिक तूफान आ रहा है। उन्होंने जो स्ट्रक्चर बनाया है, अदानी-अंबानी वाला, वह अब खड़ा नहीं रहेगा, पूरा का पूरा टूटेगा। दुख की बात है कि नुकसान आम जनता को होगा। मतलब वे अपने महलों में बैठे रहेंगे, और यूपी के जो युवा हैं, जनता है, उनको पूरा का पूरा शॉक लगेगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि, जो आर्थिक शॉक आ रहा है, वो खतरनाक है।

ट्रम्प-नेतन्याहू की हत्या करने वाले को 500 करोड़ देगा ईरान

- **संसद में बिल लाने की है तैयारी, ट्रम्प ने ईरान पर हमला टाला**

तेहरान (एजेंसी)। ईरान की संसद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की हत्या करने वालों को 500 करोड़ से ज्यादा इनाम देने वाला बिल ला सकती है। द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी संसद का राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग इस बिल की तैयारी कर रहा है। आयोग के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने कहा कि 'इस्लामिक रिपब्लिक की सैन्य और सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई' नाम से बिल तैयार किया जा रहा है। ईरानी सांसद महमूद नबावियन ने कहा कि संसद जल्द इस बिल पर वोटिंग कर सकती है, जो ट्रम्प और नेतन्याहू को जहन्नुम पहुंचाने वालों को इनाम देगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई समेत कई सैन्य और राजनीतिक नेताओं की मौत के बाद यह कदम उठाया जा रहा है।

अमेरिका-इजराइल की ईरान पर नए हमले की तैयारी– रिपोर्ट्स के मुताबिक, जर्मनी स्थित अमेरिकी ठिकानों से हथियार लेकर दर्जनों कार्गो विमान इजराइल पहुंचे हैं। वहीं नेतन्याहू और ट्रम्प ने संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर बातचीत की। ईरान तनाव और समुद्री नाकेबंदी के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में करीब 1,500 कारोबारी जहाज फंसे हुए हैं।

आसमान पर 'पारा' बरस रही आग

भीषण गर्मी से हाल बेहाल, जनता का जीना मुहाल

दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में सभी भारत के

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश और बिहार समेत पूरे उत्तर भारत में इस समय भीषण गर्मी का कहर जारी है। आसमान से आग बरस रही है और तापमान अब 46 के पार पहुंच गया है। हालात यह हैं कि मंगलवार को दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में सभी भारत के हैं। ग्लोबल टेम्परेचर रैंकिंग्स में यह जानकारी सामने आई है। इस रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के टॉप 100 सबसे गर्म शहरों की सूची में सभी के सभी शहर भारत के दर्ज किए गए हैं, यानी इस समय दुनिया में भारत से ज्यादा गर्म कोई और देश नहीं है। लिस्ट में देश के कई बड़े शहर शामिल हैं। दिल्ली, गुड़गांव, फरीदाबाद, चंडीगढ़, आगरा और वाराणसी जैसे बड़े शहरों में दोपहर होते ही पारा रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। वहीं सूची में सबसे ऊपर उत्तर प्रदेश के तीन जिलों ने जगह बनाई है। मंगलवार को औरैया, बांदा और इटावा दुनिया के सबसे गर्म स्थान रहे, जहां दोपहर में तापमान 46 के पार पहुंच गया।

पूरे देश में बरस रही आग

इसके अलावा देश के अन्य हिस्सों में भी पारा बेहद हाई रहा। अलीगढ़, मैनपुरी और हरियाणा के कुरुक्षेत्र, पानीपत व करनाल में तापमान 45 डिग्री दर्ज हुआ। वहीं पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश और ओडिशा के एक बड़े हिस्से में पारा 44 डिग्री रहा। प्रयागराज, हिसार, जालंधर, बठिंडा, सतना और बलांगीर जैसे शहरों में भी पारा 44 के पास रहा। चंडीगढ़, आगरा, ग्वालियर, जम्मू, पठानकोट और वाराणसी जैसे प्रमुख शहरों का भी यही हाल है।

अभी और बढ़ेगा पारा

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 19 मई को आने वाले दिनों में मौसम को लेकर बड़ी चेतावनी जारी है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले कुछ दिनों में उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री की और बढ़ोतरी हो सकती है। आईएमडी के मुताबिक राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश और विदर्भ में यह पूरा हफ्ता भीषण लू की चपेट में रहेगा। वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 19 से 24 मई तक और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 20 मई तक लू का कहर जारी रहेगा। इससे पहले आईएमडी ने सोमवार को कहा था कि इस सप्ताह उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के मैदानी इलाकों में लू से स्थिति भयावह है।

फलता से टीएमसी प्रत्याशी जहांगीर ने छोड़ा मैदान

मतदान से दो दिन पहले वापस लिया नाम

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा की फलता सीट पर होने वाले पुनर्मतदान से पहले एक बड़ा बदलाव हुआ है। तृणमूल कांग्रेस से उम्मीदवार जहांगीर खान ने मैदान छोड़ने का ऐलान कर दिया है। बाहुबली नेता ने मंगलवार को कहा कि वह अब आगे कोई भी चुनाव नहीं लड़ेंगे। बता दें, खान को टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी का करीबी माना जाता है। अभिषेक बनर्जी की डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली फालता विधानसभा सीट पर चुनावी धांधली के आरोप लगने के बाद आयोग ने यहां पर पुनः मतदान का ऐलान किया था। 21 मई को होने वाली वोटिंग से पहले वहां चुनावी अभियान जारी है, लेकिन इस प्रचार अभियान में किसी भी बड़े टीएमसी नेता की उपस्थिति नहीं देखी जा रही है। अभिषेक बनर्जी भी प्रचार में नहीं दिखे।

अब गुंडे भाग रहे हैं

इसके अलावा टीएमसी नेताओं द्वारा चुनाव प्रचार न करने को लेकर भाजपा नेता दिलीप घोष से पूछा गया, तो उन्होंने इसका तीखा जबाव दिया। उन्होंने कहा, पिछले चुनावों में भी तृणमूल के नेताओं ने यहां कभी प्रचार नहीं किया। उन्होंने केवल फलता के लोगों के मतदान के अधिकारों को दबाया है। अब परिणाम सभी को पता है। गुंडे भाग रहे हैं। गौरतलब है कि चुनाव के दौरान जहांगीर खान अजय पाल शर्मा के साथ संघर्ष में दिखे थे।

स्कूल-कॉलेज और अस्पतालों से हटेंगे आवारा कुत्ते

सुप्रीम कोर्ट का झटका, फैसला बदलने से किया इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्ट्रे डॉग्स को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अपने 7 नवंबर 2025 के आदेश में कोई भी बदलाव करने या फिर वापस लेने से साफ इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश को चुनौती देने वाली सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने स्कूल कॉलेजों, अस्पतालों, रेलवे स्टेशनों जैसे सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा पशुओं के संबंध में भारतीय पशु कल्याण बोर्ड द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रियाओं की वैधता को चुनौती देने संबंधी सभी याचिकाओं को खारिज किया। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने पुराने फैसले में कहा था कि आवारा कुत्तों के लिए शेल्टर होम बनाए जाएं। उन्हें खुली जगहों पर खाना ना खइलाया जाए और सरकारी संस्थानों और खुली जगहों से उन्हें हटाया जाए। कोर्ट ने कहा कि देशभर में कुत्ता काटने की घटनाएं बढ़ रही हैं और ऐसे में इस आदेश में कोई समझौता नहीं किया जा सकता है।

सुप्रीम आदेश, कुत्तों की नसबंदी जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 2001 में एबीसी रूल लागू किया गया था लेकिन आवारा कुत्तों की संख्या तेजी से बढ़ी और उस अनुपात में शेल्टर होम और अन्य सुविधाओं का विकास नहीं हो पाया। कोर्ट ने कहा कि आवारा कुत्तों की नसबंदी जरूरी है। नगर नगम आवारा कुत्तों को पकड़कर नसबंदी करे। सामान्य कुत्तों को वैक्सीनेशन और स्टरलाइजेन के बाद उसी इलाके में छोड़ दिया जाए, जहां से उसे पकड़ा गया था। सुप्रीम कोर्ट नेक हा कि रेबीज से संक्रमित कुत्तों को शेल्टल होम में रखा जाएगा। उन्हें वापस नहीं छोड़ा जा सकता है। इसके अलावा गली में या फिर खुले में कुत्तों को खाना नहीं खिलाया जा सकता है। इसके लिए कुत्तों का फीडिंग जोन बनाया जाए। इसके अलावा स्कूलों-कॉलेजों, अस्पतालो, रेलवे स्टेशन, बस अड्डों और अन्य सार्वजनिक स्थानों से कुत्तों को हटाया जाए। आवारा कुत्तों के लिए राष्ट्रीय नीति बनाई जाए।

रूस से कच्चा तेल खरीदता रहेगा भारत

● सरकार बोली-अमेरिकी प्रतिबंध बेअसर ● फंसे जहाजों से तेल खरीदने की है छूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की तरफ से मिलने वाली प्रतिबंधों की छूट खत्म होने के बाद भी भारत रूस से कच्चा तेल खरीदना जारी रखेगा। पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों से हमारे इम्पोर्ट प्लान पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इस बीच वैश्विक सप्लाई संकट को देखते हुए अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने समुद्र में फंसे रूसी तेल के जहाजों से तेल खरीदने के लिए 30 दिनों का अस्थायी लाइसेंस जारी कर दिया। अमेरिकी ट्रेजरी मंत्री स्कॉट बेसेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। बेसेंट के मुताबिक इससे अतिरिक्त लचीलापन मिलेगा। यह सामान्य लाइसेंस कच्चे तेल के बाजार को स्थिर करने और ऊर्जा की दृष्टि से संवेदनशील देशों तक तेल की पहुंच करने में सहायक होगा।

मई में रोजाना आया रिकॉर्ड 23 लाख बैरल क्रूड

सुजाता शर्मा ने कहा कहा कि भारत का रुख इस मामले में हमेशा से साफ रहा है। भारत अमेरिकी छूट मिलने से पहले भी रूस से तेल खरीद रहा था, छूट के दौरान भी खरीदा और आगे भी इसे जारी रखेगा। सरकार ने देश की जरूरत के मुताबिक पहले ही कच्चे तेल की पर्याप्त सप्लाई का इंतजाम कर लिया है, इसलिए देश में क्रूड ऑयल की कोई कमी नहीं है। आंकड़े बताते हैं कि भारत ने मई महीने में रूस से रिकॉर्ड 23 लाख बैरल तेल का आयात किया।

पेट्रोल-डीजल के दाम 90 पैसे बढ़े

- **4 दिन पहले 3-3 बढ़ाए थे, 15 राज्यों में पेट्रोल 100 लीटर पार**

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पेट्रोल और डीजल 19 मई से औसतन 90 पैसे प्रति लीटर और महंगा हो गया है। इससे पहले 15 मई, शुक्रवार को ही पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 3-3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। यानी पांच दिन के भीतर में यह दूसरी बढ़ोतरी है। देश के 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पेट्रोल 100 रुपए लीटर के ऊपर बिक रहा है। वहीं 17 में डीजल का दाम 90 रुपए लीटर से ज्यादा है।

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूड़ी का निधन, प्रदेश में शोक की लहर

देहरादून : उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मेजर जनरल (रिटायर) भुवन चंद्र खंडूरी का निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे और पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। खंडूरी अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में केंद्रीय मंत्री रहे। खंडूरी पिछले दो महीने से मैक्स अस्पताल में भर्ती थे जहां उनका इलाज चल रहा था। खंडूरी के निधन की खबर से राज्य में शोक की लहर है। उनके आवास पर लगातार पिछले कई दिनों राजनेताओं और परिजनों के आने का सिलसिला जारी था। मेजर जनरल खंडूरी अनुशासित कार्यशैली और कड़क छवि के लिए जाने जाते थे। वह दो बार राज्य के मुख्यमंत्री रहे। राजनीति में आने से पहले उन्होंने भारतीय सेना की कोर ऑफ इंजीनियर्स में सेवाएं दीं और 1982 में उन्हें अति विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया था। पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूड़ी के निधन पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने शोक जताया। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने एक्स पर लिखा, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) बीसी खंडूड़ी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जताया शोक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर लिखा, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी (सेवानिवृत्त) के निधन से अत्यंत दुःख हुआ है। सशस्त्र बलों से लेकर राजनीतिक जगत में उन्होंने बहुमूल्य योगदान दिया, जिसके लिए उन्हें सदैव याद किया जाएगा। उत्तराखंड के विकास के लिए वे हमेशा समर्पित रहे, जो मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में भी साफ तौर पर दिखा। केंद्रीय मंत्री के रूप में भी उनका कार्यकाल हर किसी को प्रेरित करने वाला है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जताया शोक

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ राजनेता मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी (सेवानिवृत्त) के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खंडूड़ी ने भारतीय सेना में रहते हुए राष्ट्र सेवा, अनुशासन एवं समर्पण का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। सार्वजनिक जीवन में भी उन्होंने उत्तराखंड के विकास, सुशासन, पारदर्शिता और ईमानदार कार्यशैली की मजबूत पहचान बनाई। उन्होंने प्रदेशहित में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लेकर विकास को नई दिशा प्रदान की। मुख्यमंत्री ने कहा कि खंडूड़ी की सादगी, स्पष्टवादिता एवं कार्यकुशलता सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगी।

उनका निधन उत्तराखंड ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान तथा शोक संतप्त परिजनों एवं समर्थकों को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

'वन नेशन, वन इलेक्शन' की टीम गुजरात पहुंची

प्रियंका गांधी समेत 39 सदस्य सभी पार्टियों के नेताओं से करेंगे मुलाकात

गांधीनगर (एजेंसी)। वन नेशन-वन इलेक्शन के मुद्दे पर गठित संयुक्त संसदीय समिति ने विभिन्न राज्यों का दौरा कर राजनीतिक दलों और अधिकारियों से परामर्श शुरू कर दिया है। प्रियंका गांधी, संबित पात्रा और बांसुरी स्वराज समेत समिति के 39 सदस्य आज से तीन दिनों के लिए गुजरात पहुंचे हैं। जेपीसी सदस्य मंगलवार की शाम गुजरात सीएम भूपेंद्र पटेल और राज्य के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात कर उनके विचार जानेंगे। समिति की पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस शाम 5.30 बजे गांधीनगर की गिफ्ट सिटी में होगी। वहीं, समिति ने समिति ने 20 मई 2026 को सभी राजनीतिक दलों को अपने विचार रखने के लिए गांधीनगर बुलाया है। इस मुद्दे पर भाजपा के मुख्य प्रवक्ता अनिल पटेल ने कहा- गुजरात भाजपा एक राष्ट्र-एक चुनाव का पूरी तरह से समर्थन करती है। वहीं कांग्रेस प्रवक्ता मनीष दोषी ने कहा- कांग्रेस इस मुद्दे पर अपने विचार रखेगी। यह मुद्दा जनता के अधिकारों से जुड़ा है और हमारी सभी चिंताओं को समिति के समक्ष रखा जाएगा। वन नेशन-वन इलेक्शन के लिए गठित संयुक्त संसदीय समिति की अध्यक्षता वकील पीपी चौधरी कर रहे हैं। इसमें कुल 39 सदस्य हैं, जिनमें 27 लोकसभा सांसद और 12 राज्यसभा सांसद शामिल हैं।

संपादकीय

मुनाफे का जानलेवा खेल

इंसानी जीवन मूल्यों में किस हद तक गिरावट आई है कि कुछ लालची लोग मुनाफे के लिये दूसरे लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी गुरेज नहीं करते। अब चाहे सुकोमल व बीमारियों के संक्रमण की दृष्टि से संवेदनशील छोटे बच्चे ही क्यों न हों। निस्संदेह, जीवनदायिनी दूध में मिलावट, इंजेक्शन लगे फल-सब्जी तथा नकली दवाइयों का कारोबार जैसे घातक कृत्य से मुनाफा कमाने में लगे लोगों की मानवीय संवेदनाएं मर चुकी हैं। कल्पना करें कोई बीमार व्यक्ति सेहत के लिये दूध का सेवन करे और उसे रासायनिक पदार्थों से मिला दूध मिले तो वह स्वस्थ होने के बजाय बीमार ही हो जाएगा। ऐसा ही नकली-मिलावटी दवाइयों के बाबत कहा जा सकता है कि कोई बीमारियों से मुक्त होने हेतु दवा खरीदे और उसे नकली दवाइयां बेच दी जाएं। लेकिन इससे भी घातक वह कुकृत्य है जिसमें पंजाब में बायोमेडिकल कचरे की अवैध रीसाइक्लिंग से जुड़े रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। दुखद ही है कि अस्पतालों और ब्लड बैंकों से एकत्र खतरनाक बायोमेडिकल कचरे को निर्धारित नियमों को ताक में रखकर रीसाइक्लिंग के लिये भेजा जा रहा था। जबकि सख्त नियमों के अंतर्गत प्रावधान है कि बायोमेडिकल कचरे को अनिवार्य रूप से नष्ट किया जाना चाहिए। खबरें तो ऐसी भी आई हैं कि बायोमेडिकल कचरे से रिसाइकल किया गया प्लास्टिक, मेडिकल उपकरण, यहां तक कि सस्ते खिलौने बनाने वालों तक पहुंच रहा है। उल्लेखनीय है कि बायोमेडिकल कचरे को उच्च गुणवत्ता वाले प्लास्टिक के रूप में पाया जाता है, जो सस्ती उपलब्धता के कारण उत्पादकों की लागत कम कर देता है। वहीं कुछ उत्पादों को साफ करके फिर से बाजार में उतारने की भी आशंका है। दरअसल,जानलेवा अवैध कारोबार का खुलासा तब हुआ, जब पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को मिली शिकायत के आधार पर पुलिस ने एक गोदाम से भारी मात्रा में बायोमेडिकल कचरा बरामद किया। निश्चित ही, इस घातक खेल में ऐसे लोग भी शामिल होंगे, जो मेडिकल कचरे को नष्ट करने के बजाय चंद रुपयों के लिये उसे बेचकर मुनाफा कमा रहे हैं। निस्संदेह, इस जानलेवा खेल के पीछे एक सुनियोजित सांठगांठ वाले गिरोह की भूमिका होगी। जिसके जरिये बायोमेडिकल कचरे को गोदामों से निकालकर स्क्रैप डीलरों के माध्यम से बेचा गया। पुलिस के छापे में गोदाम से खून से सने कॉटन पैड, प्रयोग की गई सिरिंज और खून के सैंपल वाली बोतलों समेत कई ऐसे मेडिकल वेस्ट मिले हैं जो घातक संक्रमण फैलाने का जरिया बन सकते हैं। कुछ लालची लोग मुनाफे के लिये यह जानलेवा काम कर रहे हैं, लेकिन सवाल यह कि नियामक तंत्र की मौजूदगी में ये खेल कैसे चल रहा था? उल्लेखनीय है कि पंजाब में अमृतसर, लुधियाना,मुक्तसर,मोहली, नकोदर और पठानकोट में छह बोयोमेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट की सुविधाएं मौजूद हैं।

चिंतन-मनन

अकर्मण्य न बनें

एक कहानी है। एक राजा था। उसे मंत्री की नियुक्ति करनी थी। वह नियुक्ति से पूर्व परीक्षा करना चाहता था। पांच-सात व्यक्ति आए। उसने सबको एक कमरे में बिठाकर कहा, आप सब यहां बैठें। मैं कमरे के बाहर ताला लगा देता हूं। जो भी ताले को खोलकर बाहर निकल आएगा, उसे मंत्री बनाऊंगा।

सबने सुना-सोचा- कितनी विचित्र परीक्षा। दरवाजा बंद। बाहर से ताला बंद और भीतर वालों से कहे कि बाहर आओ। यह असंभव है। छह व्यक्तियों ने सोचा, राजा पागल हो गया है। यह भी कोई परीक्षा होती है! दूसरे प्रकार से भी परीक्षा ली जा सकती थी। बाहर जाना कैसे संभव हो सकता है? वे हाथ पर हाथ रख बैठे रहे। कुछ पराप्रम नहीं किया। सातवां व्यक्ति अकर्मण्य नहीं था, पुरूषार्थी था।

उसने सोचा, जरूर इस शर्त में कोई रहस्य है। राजा ?सी शर्त क्यों रखता? मुझे अपना पुरूषार्थ करना है। वह उठा। दरवाजे के पास गया। उसे जोर से ढकेला, वह खुल गया। उसने बाहर आकर राजा का अभिवादन किया। दरवाजे पर कोई ताला लगाया ही नहीं था, केवल सबको भुलावे में रखा था। राजा जानना चाहता था कि कौन कर्मण्य है और कौन अकर्मण्य। उन्होंने सोचा, जब बाहर ताला है तब दरवाजा कैसे खुलेगा? इसी भ्रम ने उन्हें अकर्मण्य बना डाला। वे बाजी हार गए। जिसने पुरूषार्थ किया, कर्मण्यता का परिचय दिया, वह जीत गया। वह मंत्री बन गया। साधना का क्षेत्र निर्विघ्न नहीं है। उसमें अनेक भुलावे हैं। उन भुलावों से साधक यदि अकर्मण्य बन साधना को भुला देता है तो साधना से भटक जाता है।

कृषि आधारित उद्योग है मधुमक्खी पालन

संजय गोस्वामी

विश्व मधुमक्खी दिवस हर साल 20 मई को मनाया जाता है?इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण, खाद्य सुरक्षा और जैव विविधता को बनाए रखने में मधुमक्खियों और अन्य परागणकों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना हैमधुमक्खी एक सामाजिक कीट का सबसे अच्छा उदाहरण है जो शहद इकट्ठा करती है और अपने परिवार का भरण-पोषण करती है। यह कीट हाइमनोप्टेरा गण के एपिस परिवार के अंतर्गत आता है। भारत में मधुमक्खियों की तीन प्रजातियाँ पाई जाती हैं, भारतीय मधुमक्खी (एपिस इंडिका), रॉक शहद मधुमक्खी (एपिस डोरसोटा) और छोटी शहद मधुमक्खी (एपिस फ्लोरिया)। एक विदेशी शहद मधुमक्खी (एपिस मेलिफेरा) जिसे इटालियन या यूरोपीय शहद मधुमक्खी कहा जाता है, अब भारत में स्थापित हो गई है और इसका उपयोग व्यावसायिक मधुमक्खी पालन के लिए किया जा रहा है। मधुमक्खियों के प्रकार - मधुमक्खियों की उपरोक्त चार प्रजातियों के बारे में संक्षिप्त जानकारी इस प्रकार है - (1) भारतीय शहद मधुमक्खी (एपिस सेराना इंडिका) - यह शहद मधुमक्खी पूरे भारत में पाई जाती है। यह पीले भूरे रंग की होती है। यह पुरानी इमारतों, जंगलों, पेड़ों की खोखली दीवारों, गुफाओं आदि जैसे अंधेरे स्थानों में 6-8 समानांतर छत्ते बनाती है। ये मधुमक्खियां स्वभाव से कोमल और शांत होती हैं और इन्हें आसानी से पाला जा सकता है। मधुमक्खी पालक इन्हें प्राकृतिक घरों से पकड़ते हैं और मधुमक्खी के बक्सों में पालते हैं। यह एक उद्यमी मधुमक्खी है तथा अच्छी मात्रा में शहद एकत्रित करती है। औसतन प्रति वर्ष एक कॉलोनी से 2-3 किलोग्राम शहद प्राप्त होता है। (2) रॉक मधुमक्खी (एपिस डोरसाटा)- इस मधुमक्खी को भौंरा या भौंरा भी कहते हैं। यह सम्पूर्ण भारत में पाई जाती है। पहाड़ी क्षेत्रों में यह समुद्र तल से 1000 मीटर की ऊँचाई तक पाई जाती है। इसकी कॉलोनियाँ कम तापमान पर एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाती हैं। ये मधुमक्खियाँ एक ही छत्ता बनाती हैं जो लगभग 1.5 से 2.1 मीटर चौड़ा तथा 0.6 से 1.2 मीटर लंबा होता है। इनका छत्ता आमतौर पर चट्टानों पर लटका होता है। ये मधुमक्खियाँ बहुत आक्रामक स्वभाव की होती हैं तथा परेशान करने पर मनुष्यों का पीछा कर उन पर हमला कर देती हैं। ये बड़ी मात्रा में शहद एकत्रित करती हैं। ये अपना काम सुबह जल्दी शुरू कर देती हैं। प्रति वर्ष एक छत्ते से 40 किलोग्राम तक शहद प्राप्त होता है। शहद आमतौर पर छत्ते के अगले भाग में मिलता है। (3) छोटी मधुमक्खी -एपिस फ्लोरिया) - यह मधुमक्खी पूरे देश में पाई जाती है लेकिन समुद्र तल से 335 मीटर की ऊंचाई पर बहुत कम पाई जाती है। यह बार-बार अपना स्थान बदलती रहती है तथा इसकी कॉलोनी एक छत्ते पर 5 महीने से अधिक नहीं रहती। यह मधुमक्खी एक छत्ता बनाती है जिसका आकार हथेली के बराबर होता है। यह अपना छत्ता शाखाओं, बाड़ों, पेड़ों, गुफाओं, घरों की चिमनियों, खाली बक्सों, लकड़ियों के ढेर आदि पर बनाती है। इसकी रानी सुनहरे भूरे रंग की होती है। मधुमक्खी पालन एक कृषि आधारित उद्योग है, जिसकी जानकारी बहुत सरल है। इसमें लागत कम, आमदनी अधिक तथा कम समय में अधिक लाभ प्राप्त होता है। गांवों में आर्थिक विकास के लिए मधुमक्खी पालन से अच्छा कोई घरेलू रोजगार नहीं है। जानकारी की सहजता के कारण कम पढ़ा-लिखा व्यक्ति भी इस व्यवसाय को कुशलता से कर सकता है। गरीब, भूमिहीन भी 5 से 10 मधुमक्खी बक्सों की कम पूंजी से यह व्यवसाय शुरू कर 3 साल के भीतर 50-100 बक्सों का मालिक बन सकता है तथा मधुमक्खियां, मोम व शहद बेचकर सालाना लाखों रुपए कमा सकता है। चूंकि इस काम में ज्यादा शारीरिक मेहनत की जरूरत नहीं होती, इसलिए ग्रामीण महिलाएं और बच्चे अपने घरेलू कामों के साथ इसे आसानी से कर सकते हैं। चूंकि इसमें ज्यादा पूंजी की जरूरत नहीं होती, इसलिए बेरोजगार युवा भी इसे अपने रोजगार का जरिया बना सकते हैं। मधुमक्खी पालन से गांवों में मधुमक्खी के बक्से और अन्य उपकरण बनाने वाले छोटे उद्योगों को भी बढ़ावा मिलता है। स्वरोजगार और अतिरिक्त आय के लिए यह एक बेहतरीन घरेलू उद्योग है। मधुमक्खियां सामाजिक कीट हैं, जिनके परिवार में एक मां मधुमक्खी या रानी मधुमक्खी होती है जो सिर्फ अंडे देती है, दूसरा सदस्य नर मधुमक्खी होता है जो सिर्फ गभार्धान की प्रक्रिया करता है। ये आकार में बड़ी, डंक रहित और पेट के आखिरी हिस्से पर घने बाल वाली होती हैं और काले रंग की होती हैं। तीसरा सदस्य श्रमिक मधुमक्खी होती है, जो संख्या में सबसे ज्यादा होती है। एक अच्छी मधुमक्खी कॉलोनी में इनकी संख्या 30000-500000 तक हो सकती है। ज्यादातर काम श्रमिक मधुमक्खियां ही करती हैं। अंडे से रानी को वयस्क बनने में 15-16 दिन, श्रमिक मधुमक्खी को 20-21 दिन और नर मधुमक्खी को 23-24 दिन लगते हैं। वयस्क होने के लगभग तीन सप्ताह की आयु तक श्रमिक मधुमक्खी घर के अन्दर के कार्य जैसे सफाई, रानी और बच्चों को खिलाना और सुरक्षा देना, छत्ते बनाना, शहद तैयार करना आदि करती है। अपना घर बनाने के लिए मधुमक्खी अपने उदर ग्रन्थियों से मोम बनाती है और अपने भोजन के लिए फूलों से रस और रस एकत्रित करती है। मधुमक्खी के सेल में दो भाग होते हैं, ब्रूड सेक्शन और शहद सेक्शन। ब्रूड सेक्शन में मधुमक्खी वंश का प्रजनन चलता है और शहद सेक्शन में शहद एकत्रित किया जाता है। ब्रूड सेक्शन में मूल वंश को रखा जाता है और आवश्यकतानुसार उसे ब्रूड चैम्बर में रखा जाता है और फ्रेम में मोमी अटैचमेंट लगाकर सुपर किया जाता है। इससे मधुमक्खी अपने स्वभाव के अनुसार छत्ते बनाती है। जब मधुमक्खियां छत्तों में शहद जमा कर देती है और लगभग तीन चौथाई सेल पर कैप लगा देती है तो शहद निकालने वाली मशीन से छत्तों को घुमाकर शहद निकाला जाता है। इस प्रक्रिया में न तो मधुमक्खियों के बच्चे मरते हैं और न ही छत्ता नष्ट होता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

गर्मी में योग : स्वस्थ जीवन, शांत मन और सशक्त शरीर का आधार

कांतिलाल मांडोत

आज का मनुष्य समस्याओं, तनाव, भागदौड़ और मानसिक अशान्ति से घिरा हुआ है। जीवन की गति इतनी तेज हो चुकी है कि व्यक्ति स्वयं से ही दूर होता जा रहा है। कभी आर्थिक समस्या, कभी पारिवारिक तनाव, कभी शारीरिक रोग तो कभी मानसिक बेचैनी–मनुष्य हर क्षण किसी न किसी चिंता में उलझा रहता है। विशेषकर गर्मी के मौसम में यह स्थिति और अधिक कठिन हो जाती है। तीखी धूप, बढ़ता तापमान, शरीर में पानी की कमी, थकान, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा और मानसिक तनाव व्यक्ति को कमजोर बना देते हैं। ऐसे समय में यदि कोई उपाय शरीर और मन दोनों को संतुलित कर सकता है, तो वह है योग।

योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि यह सम्पूर्ण जीवन को संतुलित करने की एक वैज्ञानिक पद्धति है। यह शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। योग मनुष्य को केवल रोगमुक्त ही नहीं बनाता, बल्कि उसे भीतर से शक्तिशाली, शांत और प्रसन्न भी बनाता है। वर्तमान समय में योग की उपयोगिता पूरे विश्व में स्वीकार की जा रही है। भारत की यह प्राचीन धरोहर आज विदेशों तक पहुँच चुकी है और करोड़ों लोग इसे अपने जीवन का हिस्सा बना रहे हैं।

गर्मी के मौसम में योग का महत्व और भी बढ़ जाता है। इस मौसम में शरीर जल्दी थक जाता है, पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है और मन बेचैन रहने लगता है। लगातार पसीना निकलने से शरीर में ऊर्जा की कमी महसूस होती है। ऐसे में योग शरीर को नई ऊर्जा प्रदान करता है। प्राणायाम और ध्यान शरीर को ठंडक पहुँचाते हैं तथा मन को शांत बनाते हैं। योग करने से शरीर में रक्तसंचार ठीक रहता है और शरीर का तापमान संतुलित बना रहता है। इससे गर्मी का प्रभाव कम महसूस होता है।

गर्मी में योग करने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह शरीर को अंदर से शीतलता प्रदान करता है। शीतली प्राणायाम, शीतकारी प्राणायाम और अनुलोम-विलोम जैसे योगाभ्यास शरीर की गर्मी को कम करते हैं। ये मन को शांत करते हैं और तनाव दूर करते हैं। जो लोग गर्मी में बेचैनी, घबराहट और चिड़चिड़ापन महसूस करते हैं, उनके लिए योग किसी औषधि से कम नहीं है। योग करने से मानसिक स्थिरता बढ़ती है और व्यक्ति सकारात्मक सोचने लगता है।

आज अनेक बीमारियों का मूल कारण असंतुलित जीवनशैली और मानसिक तनाव है। गर्मी के दिनों में रक्तचाप, डिहाइड्रेशन, सिरदर्द, अनिद्रा, थकान और त्वचा संबंधी समस्याएँ अधिक बढ़ जाती हैं। योग इन सभी समस्याओं से बचाने में सहायक सिद्ध होता है। नियमित योगाभ्यास से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और व्यक्ति जल्दी बीमार नहीं पड़ता। योग शरीर को लचीला बनाता है तथा मांसपेशियों को मजबूत करता है। इससे शरीर में स्फूर्ति बनी रहती है।

स्वास्थ्य की दृष्टि से योग अत्यन्त आवश्यक बन गया है। आधुनिक जीवन में मनुष्य मशीनों पर निर्भर होता जा रहा है। शारीरिक श्रम कम हो गया है और मानसिक तनाव बढ़ गया है। ऐसे समय में योग ही वह साधन है जो शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रख सकता है। योग के माध्यम से व्यक्ति स्वयं को अनुशासित बनाना सीखता है। यह केवल रोगों का उपचार नहीं करता, बल्कि रोगों को होने से भी रोकता है।

योग का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि यह मनुष्य को मानसिक शांति प्रदान करता है। आज लोग धन और सुख-सुविधाएँ तो प्राप्त कर रहे हैं, परन्तु शांति उनसे दूर होती जा रही है। योग मन की चंचलता को नियंत्रित करता है और व्यक्ति को आत्मिक सुख का अनुभव कराता है। ध्यान और प्राणायाम के अभ्यास से मन एकाग्र होता है। इससे पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों की स्मरण शक्ति बढ़ती है और काम करने वाले लोगों की कार्यक्षमता में वृद्धि होती है।

गर्मी में सुबह के समय खुले वातावरण में योग करना अत्यंत लाभकारी माना जाता है। प्रातःकाल की शुद्ध हवा शरीर और मन को नई ताजगी देती है। सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन और शवासन जैसे योगासन शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक हैं। शवासन विशेष रूप से गर्मी में लाभदायक माना जाता है क्योंकि यह शरीर और मन को गहरा आराम देता है।

योग केवल शरीर को ही नहीं बदलता, बल्कि मनुष्य के व्यक्तित्व का भी विकास करता है। यह आत्मविश्वास बढ़ाता है और व्यक्ति को धैर्यवान बनाता है। योग करने वाला व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में भी संतुलित बना रहता है। उसमें सहनशीलता और सकारात्मकता बढ़ती है। यही कारण है कि आज डॉक्टर, वैज्ञानिक, शिक्षक और विद्यार्थी सभी योग को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा मानने लगे हैं।

विदेशों में भी योग के प्रति लोगों का आकर्षण तेजी से बढ़ रहा है। अमेरिका, जापान, रूस और यूरोप के अनेक देशों में योग केंद्र स्थापित किए गए हैं। वहाँ लोग मानसिक तनाव और अस्वस्थ जीवनशैली से परेशान होकर योग की ओर आकर्षित हो रहे हैं। वे समझ चुके हैं कि केवल भौतिक सुखों से जीवन में शांति नहीं मिल सकती। भारत की यह प्राचीन विद्या आज पूरे विश्व को स्वस्थ जीवन जीने की राह दिखा रही है।

दुर्भाग्य की बात यह है कि जहाँ विदेशी लोग योग को अपनाकर लाभ उठा रहे हैं, वहीं अनेक भारतीय इससे दूर होते जा रहे हैं। आधुनिकता की दौड़ में लोग अपनी संस्कृति और परंपराओं को भूलते जा रहे हैं। जबकि योग हमारी अमूल्य धरोहर है। यदि हम इसे अपने जीवन में अपनाएँ, तो अनेक शारीरिक और मानसिक समस्याओं से बच सकते हैं।

योग में अपार शक्ति छिपी हुई है। यह व्यक्ति के भीतर सोई हुई ऊर्जा को जागृत करता है। योग के माध्यम से मनुष्य अपने जीवन को संतुलित, स्वस्थ और सुखी बना सकता है। विशेष रूप से गर्मी के मौसम में योग का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। यह शरीर को शीतलता देता है, मन को शांति प्रदान करता है और स्वास्थ्य को मजबूत बनाता है।

अंततः कहा जा सकता है कि योग केवल एक अभ्यास नहीं, बल्कि स्वस्थ और सफल जीवन जीने की कला है। यह मनुष्य को रोगों, तनाव और अशांति से दूर ले जाकर सुख, शांति और आत्मविश्वास प्रदान करता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक व्यक्ति योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाए। यदि हम प्रतिदिन कुछ समय योग के लिए निकालें, तो हम न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे, बल्कि मानसिक रूप से भी प्रसन्न और संतुलित जीवन जी सकेंगे। यही योग का वास्तविक उद्देश्य और सबसे बड़ा लाभ है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सादगी संयमित उपयोग से निकलेगा संकट का समाधान

मनोज कुमार अग्रवाल

प्रधानमंत्री की अपील का प्रत्यक्ष परिणाम भी देखने को मिल रहा है एक ओर पैट्रोल डीजल की कम खपत और सोने की कम आयात से एक सप्ताह में ही विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा हुआ है पर अक्ल का अंधा विपक्ष अभी भी सिर्फ मोदी को घेरने में अपनी उर्जा खपा रहा है। बहरहाल एक दूरदृष्टि और सकारात्मकता से भरा नेतृत्व वैश्विक संकट के इस दौर में देश की आम जनता के लिए ढाल का काम करता रहेगा इसमें कोई संदेह नहीं है।

कैसा विरोधाभास है जिस समय विपक्ष को मौजूदा वैश्विक संकट के दौर में सरकार के कंधे से कंधा मिलाकर देशवासियों को संयम मितव्ययता और सहयोग की प्रेरणा देने का नैतिक दायित्व निर्वहन करना चाहिए उस समय समूचा विपक्ष पीएम मोदी और सरकार के खिलाफ बयानबाजी कर अपनी कुंठा निकाल रहा है। यही हमारे देश की औछी राजनीति और नेताओं की स्वार्थी और सिर्फ कुर्सी पाने की लिप्स तक सीमित सोच का नतीजा है। आपको बता दें कि दुनिया के बदलते हालात ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि कोई भी देश वैश्विक संकटों से पूरी तरह अलग रहकर सुरक्षित नहीं रह सकता। पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर अब केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव कच्चे तेल की आपूर्ति, गैस, उर्वरक, खाद्य तेल, विदेशी मुद्रा भंडार और घरेलू महंगाई तक दिखाई देने लगा है। भारत जैसे विशाल और ऊर्जा निर्भर देश के लिए यह स्थिति विशेष चिंता का विषय है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ईंधन बचाने, गैर-जरूरी खर्च घटाने और एक वर्ष तक सोना न खरीदने की अपील केवल सामान्य सलाह नहीं, बल्कि आने वाले आर्थिक दबावों के प्रति देश को तैयार करने का संकेत है। साथ ही यह समय की मांग भी है। इस अपील को और प्रभावी बनाने के लिए प्रधानमंत्री ने स्वयं अपने काफिले का आकार कम करने का निर्णय लिया है। यह कदम सिर्फ दिखावा नहीं है यह व्यवहारिक प्रतीकात्मक होने के साथ-साथ अनुकरणीय भी साबित हुआ है। जब देश का सर्वोच्च नेतृत्व मितव्ययिता को अपने आचरण में उतारता है, तो उसका संदेश नीचे तक जाता है। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री ने अपनी सुरक्षा में तैनात विशेष सुरक्षा दल को निर्देश दिया है कि सुरक्षा मानकों से कोई समझौता किए बिना काफिले में वाहनों की संख्या कम की जाए। साथ ही, जहां तक संभव हो, नई गाड़ियां खरीदे बिना इलेक्ट्रिक वाहनों को शामिल करने की दिशा में भी काम किया जाए। यह निर्णय बताता है कि संकट के समय केवल जनता से अपेक्षा करना पर्याप्त नहीं, बल्कि नेतृत्व को स्वयं उदाहरण बनना होता है। जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री के निर्देशों का पालन शुरू भी हो चुका है। हैदराबाद में उनके संबोधन के बाद गुजरात और असम में उनके काफिले में वाहनों की संख्या घटाई गई है।अधिकांश भाजपा और एनडीए नीत सरकारों वाले राज्यों में तमाम मंत्रियों अधिकारियों ने इस तरह के कदम उठाए। हालांकि पीएम सुरक्षा से जुड़े अनिवार्य नियमों का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। यह जरूरी भी है, क्योंकि प्रधानमंत्री की सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय है। लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि सुरक्षा व्यवस्था के भीतर भी विवेकपूर्ण खर्च और संसाधनों का संतुलित उपयोग हो। यही संतुलन आज देश के हर स्तर पर अपनाने की जरूरत है। पश्चिम

बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी इसी दिशा में पहल की है। विधायक पद की शपथ लेने के बाद उन्होंने कहा कि सुरक्षा कर्मियों को केवल आवश्यक वाहनों को ही काफिले में रखने को कहा गया है। उन्हें जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा और केंद्रीय सुरक्षा प्राप्त है, इसलिए उनके काफिले में स्वाभाविक रूप से अधिक वाहन रहते हैं। फिर भी प्रधानमंत्री की ईंधन बचत संबंधी अपील के बाद उन्होंने सुरक्षा प्रोटोकॉल बनाए रखते हुए काफिले को सीमित करने का निर्णय लिया। देश के अन्य मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों द्वारा भी इस तरह की पहल की जानी चाहिए। संकट के समय सरकार के बड़े पदों पर बैठे लोगों का व्यवहार जनता के मनोबल को प्रभावित करता है। आज आवश्यकता केवल सरकारी कटौती की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अनुशासन की है। वैश्विक स्तर पर चल रहे भू-राजनीतिक तनावों का असर अब भारतीय अर्थव्यवस्था पर स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर यह चिंता व्यक्त की है कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण कच्चे तेल की कीमतों में जो उछाल आया है, उसका बोझ अब तक सरकार उठा रही है। लेकिन यदि यह संकट लंबे समय तक जारी रहता है, तो आम उपभोक्ताओं को भी ईंधन की बढ़ी हुई कीमतों का सामना करना पड़ सकता है। यह बयान चेतावनी भी है और तैयारी का संकेत भी। भारत सरकार ने अब तक पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों को स्थिर रखने का प्रयास किया है। इसके लिए शुल्क में कमी, नियंत्रित कीमतों में सीमित समायोजन और राजकोपीय संतुलन जैसे उपाय किए गए हैं। लेकिन कोई भी सरकार अनिश्चित काल तक अंतरराष्ट्रीय बाजार की बड़ी हुई कीमतों का पूरा बोझ स्वयं नहीं उठा सकती। यदि संकट लंबा खिंचता है, तो उसका कुछ हिस्सा उपभोक्ताओं तक पहुंचना स्वाभाविक होगा। ऐसे में ईंधन की बचत केवल आर्थिक निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी बन जाती है। भारत की पश्चिम एशिया पर निर्भरता बहुत गहरी है। हमारे कुल आयात और निर्यात का बड़ा हिस्सा इस क्षेत्र से जुड़ा है। विदेशों में रहने वाले भारतीयों द्वारा भेजी जाने वाली राशि का बड़ा भाग भी इसी क्षेत्र से आता है। उर्वरक और गैस आपूर्ति में भी इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसका अर्थ है कि पश्चिम एशिया में अस्थिरता केवल पेट्रोल पंपों पर कीमत बढ़ने तक सीमित नहीं रहेगी। इसका असर खेती, उद्योग, रसोई, परिवहन, व्यापार और रोजगार तक दिखाई दे सकता है। इसलिए इस संकट को केवल तेल संकट मानना भूल होगी। यह व्यापक आर्थिक चुनौती है। आपूर्ति श्रृंखला में आने वाले झटकों का सबसे तीखा असर महंगाई पर पड़ता है। भारत में खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में अभी भी काफी अधिक है। यदि ईंधन महंगा होता है, तो माल ढुलाई महंगी होती है। माल दुलाई महंगी होती है तो सब्जी, अनाज, दाल, दूध, निर्माण सामग्री और रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतें बढ़ती हैं। इस तरह तेल की कीमत में वृद्धि धीरे-धीरे आम आदमी की थाली तक पहुंच जाती है। यही कारण है कि इस समय इंधन बचत को केवल पर्यावरण या परिवहन का मुद्दा नहीं समझना चाहिए। यह महंगाई नियंत्रण से भी सीधे जुड़ा हुआ है। सरकार और रिजर्व बैंक दोनों के सामने चुनौती यह है कि वैश्विक संकट का घरेलू असर सीमित रखा जाए। मौद्रिक नीति महंगाई को नियंत्रित करने का एक साधन हो सकती है, लेकिन आपूर्ति पक्ष के बड़े झटकों से केवल ब्याज दरों के सहारे नहीं निपटा जा सकता। इसके लिए सरकार, उद्योग, प्रशासन और जनता सभी को मिलकर काम करना होगा। जहां सरकार खर्च में अनुशासन लाए, वहीं नागरिक भी अपनी जीवनशैली में थोड़ी सावधानी बरतें। अनावश्यक यात्रा, दिखावटी खर्च, अत्यधिक ईंधन खपत और आयातित वस्तुओं पर निर्भरता कम करना समय की जरूरत है। प्रधानमंत्री द्वारा सोने की खरीद टालने की अपील भी इसी व्यापक आर्थिक सोच का हिस्सा है। भारत में सोना भावनात्मक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, लेकिन बड़े पैमाने पर सोना आयात करने से विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ता है। संकट के समय यदि लोग कुछ समय के लिए सोने की गैर-जरूरी खरीद को टालते हैं, तो इससे देश को राहत मिल सकती है। इसी तरह पेट्रोल और डीजल की बचत से आयात बिल कम करने में सहायता मिलेगी। छोटी-छोटी बचतें जब करोड़ों नागरिकों द्वारा की जाती हैं, तो उनका प्रभाव बहुत बड़ा हो जाता है। संकट के समय राष्ट्रों की असली शक्ति केवल सेना, मुद्रा भंडार या सरकारी नीतियों से नहीं मापी जाती। वह जनता के अनुशासन, नेतृत्व के आचरण और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी से भी तय होती है। आज भारत के सामने अवसर है कि वह संयम, मितव्ययिता और आत्मनियंत्रण के माध्यम से इस चुनौती को अवसर में बदले। प्रधानमंत्री द्वारा काफिले में कटौती का कदम इसी दिशा में एक संदेश है कि कठिन समय में शुरूआत ऊपर से होनी चाहिए। अब आवश्यकता है कि यह संदेश सरकार के हर विभाग, हर राज्य, हर संस्था और हर नागरिक तक पहुंचे। यह समय भय का नहीं, समझदारी का है। यह समय घबराहट का नहीं, तैयारी का है। यदि नेतृत्व उदाहरण प्रस्तुत करे और जनता सहयोग दे, तो वैश्विक संकटों का असर कम किया जा सकता है। मितव्ययिता कमजोरी नहीं, बल्कि परिपक्व राष्ट्र का गुण है। आज देश को यही समझना होगा कि बचाया गया ईंधन, टाली गई अनावश्यक खरीद और रोका गया फिजूल खर्च केवल व्यक्तिगत बचत नहीं, बल्कि राष्ट्रीय योगदान है। कठिन दौर में संयम ही सबसे बड़ा समाधान है।

प्रधानमंत्री की अपील का प्रत्यक्ष परिणाम भी देखने को मिल रहा है एक ओर पैट्रोल डीजल की कम खपत और सोने की कम आयात से एक सप्ताह में ही विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा हुआ है पर अक्ल का अंधा विपक्ष अभी भी सिर्फ मोदी को घेरने में अपनी उर्जा खपा रहा है। बहरहाल एक दूरदृष्टि और सकारात्मकता से भरा नेतृत्व वैश्विक संकट के इस दौर में देश की आम जनता के लिए ढाल का काम करता रहेगा इसमें कोई संदेह नहीं है।

गड्ढे में टूट रही कमर, धूल से घुट रहा राहगीरों का दम

नजीबाबाद-बुआखाल राष्ट्रीय राजमार्ग कोटद्वार-नजीबाबाद के मध्य बनी चुनौती

बुआखाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोटद्वार-नजीबाबाद के मध्य वाहनों के आवागमन के दौरान उड़ती धूल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नजीबाबाद-बुआखाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोटद्वार से नजीबाबाद के मध्य करीब पंद्रह किलोमीटर हिस्से में सड़क चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है। पिछले करीब दो वर्षों से चल रहा यह निर्माण कार्य आमजन के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। हालात यह हैं कि जहां एक ओर सड़क के गड्ढे आमजन को परेशान कर रहे हैं, वहीं सड़क से उड़ती धूल भी दम निकाल रही है।

वर्तमान में कोटद्वार से नजीबाबाद के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क चौड़ीकरण का कार्य जारी है। राष्ट्रीय राजमार्ग खंड नजीबाबाद ने जगह-जगह सड़क को खोदा हुआ है। नतीजा, सड़क में जहां जगह-जगह गड्ढे हैं, वहीं भारी वाहनों के मार्ग से गुजरते समय धूल का गुबार भी उठ रहा है। कई स्थानों पर धूल का गुबार इतना अधिक हो रहा है कि आगे चलने वाले वाहन दिखाई नहीं दे रहे। ऐसे में कब हादसा हो जाए, कहा नहीं जा सकता। हल्की वर्षा होने से मार्ग पूरी तरह कीचड़ में तब्दील हो जाता है। ऐसे में दोपहिया वाहन चालक रपट रहे है। रात के अंधेरे में मार्ग से आवागमन सबसे बड़ी चुनौती बन रहा है। दरअसल, राष्ट्रीय राजमार्ग पर कहीं भी लाइट नहीं है। नतीजा, धूल के कारण आगे कुछ भी नहीं दिखाई देता। पूर्व में लोगों ने कार्यदायी संस्था से व्यवस्था को बेहतर बनाने की भी मांग उठाई। लेकिन, अब तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। बताना जरूरी है कि कोटद्वार-नजीबाबाद के मध्य प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं।

फिर सक्रिय हुए टप्पेबाज, महिला के गले से चुरा ली चेन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में एक बार फिर टप्पेबाजी की घटना हुई है। टप्पेबाज महिला के गले से सोने की चेन चुराकर ले गए। इस संबंध में महिला ने पुलिस से शिकायत की है। पुलिस को दी गई तहरीर में घमंडपुर निवासी राखी देवी ने बताया कि बीते दिवस वह लालबत्ती चौक से एक आटो में सवार होकर अपने घर जा रही थी। आटो में करीब आठ सवारियां बैठी थीं। उनके पास ही चार महिलाएं बैठी हुई थीं, जिनकी गतिविधियां काफी संदिग्ध लग रही थीं। आरोप है कि वे महिलाएं बार-बार अपने थैले को उनके गले के पास तक ला रही थीं। उस समय उन्हें उनकी मंशा समझ नहीं आई, परंतु सिम्मलचौड़ पहुंचने से ठीक पहले वे चारों महिलाएं अपने गंतव्य से पूर्व ही अचानक आटो से उतर गई। उनके उतरने के कुछ देर बाद जब वह आटो से उतरी तो उन्होंने पाया कि उनके गले से सोने की एक तोले की चेन गायब थी। रेखा देवी का कहना है कि उन महिलाओं ने ही उनकी चेन चुरा ली। पुलिस ने दी गई तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

समूहिक गायक प्रतियोगिता में पीजी कॉलेज जयहरीखाल रहा अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार के गब्बर सिंह कैंप कौड़िया में 31 उत्तराखंड बटालियन एनसीसी हरिद्वार द्वारा आयोजित वार्षिक संयुक्त प्रशिक्षण शिविर का मंगलवार को समापन हो गया। 10 मई से शुरू हुए इस शिविर में विभिन्न कॉलेजों और विद्यालयों के एनसीसी कैडेटों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के दौरान कैडेटों के विकास के उद्देश्य से सांस्कृतिक, खेल एवं सैन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

सामूहिक गायन प्रतियोगिता में पीजी कॉलेज जयहरीखाल ने प्रथम तथा देव संस्कृति विश्वविद्यालय शांतिकुंज हरिद्वार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता में डीएवी कोटद्वार प्रथम और एसवीएम ऋषिकेश द्वितीय स्थान पर रहा। रस्सा-कस्सी प्रतियोगिता के सीनियर बालिका वर्ग में देव संस्कृति विश्वविद्यालय शांतिकुंज प्रथम एवं पीजी कॉलेज जयहरीखाल द्वितीय रहा। सीनियर बालक वर्ग में डीएवी कोटद्वार ने पहला और देव संस्कृति विश्वविद्यालय शांतिकुंज ने दूसरा स्थान हासिल किया। जूनियर बालक वर्ग में डीएसबी ऋषिकेश प्रथम तथा एसबीएम ऋषिकेश द्वितीय स्थान पर रहा, जबकि जूनियर बालिका वर्ग में डीएसबी ऋषिकेश ने प्रथम और राजीव गांधी नवोदय विद्यालय देवलधार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बास्केटबॉल प्रतियोगिता में पीजी कोटद्वार विजेता और डीएवी कोटद्वार उपविजेता रहा।

आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

वॉलीबॉल बालक वर्ग में पीजी कोटद्वार प्रथम तथा डीएवी कोटद्वार द्वितीय रहा। बालिका वर्ग में एसबीएम इंटर कॉलेज ऋषिकेश ने पहला और पीजी कोटद्वार ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में 800 मीटर दौड़ में गजेंद्र सिंह प्रथम एवं सागर रावत द्वितीय रहे। 400 मीटर दौड़ में हर्षिता प्रथम और तनुश्री भारद्वाज द्वितीय रहीं। 200 मीटर दौड़ में कैनरिच सैमुअल ने पहला तथा अखिलेश पवार ने दूसरा स्थान हासिल किया। फायरिंग प्रतियोगिता के सीनियर बालक वर्ग में रौनक एग्री प्रथम और भोला रघुवंशी द्वितीय रहे। सीनियर बालिका वर्ग में दिव्यांशी ममगांई प्रथम तथा शिवानी नेगी द्वितीय स्थान पर रहीं। जूनियर बालक वर्ग में कैनरिच सैमुअल प्रथम और कार्तिक कुमार द्वितीय रहे, जबकि जूनियर बालिका वर्ग में सलोनी चमोली प्रथम एवं उन्नति जोशी द्वितीय स्थान पर रहीं। ड्रिल प्रतियोगिता में पीजी कोटद्वार ने प्रथम और देव संस्कृति विश्वविद्यालय शांतिकुंज हरिद्वार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। समापन अवसर पर कैंप कमांडेंट कर्नल ललित पवार एवं एडम ऑफिसर गौरव नौगाई ने विजेता कैडेटों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। इस मौके पर एएनओ ले. (डॉ.) देवेंद्र सिंह चौहान, प्रो. विक्रम शाह, ले. चित्र नेगी, द्वितीय अधिकारी के.के. कोटनाला, अशोक सिंह, सूबेदार मेजर लक्ष्मण सिंह और सूबेदार सोहन सिंह सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

जन प्रतिनिधियों ने उठाई मूलभूत समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विकासखंड द्वारीखाल की क्षेत्र पंचायत बैठक में जनसमस्याएं छाई रही। जनप्रतिनिधियों ने लगातार शिकायत के बाद भी समस्याओं का निराकरण नहीं होने पर रोष व्यक्त किया। इस दौरान अधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों को जल्द समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया।

मंगलवार को ज्येष्ठ प्रमुख नीलम नैथानी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सबसे अधिक पेयजल समस्या छाई रही। जनप्रतिनिधियों का कहना था कि गर्मी के मौसम में प्राकृतिक स्रोत सूखने लगते हैं। जिससे क्षेत्र में पेयजल समस्या उत्पन्न होने लगती है। ऐसे में हर क्षेत्र में पानी के अन्य विकल्प भी बनाए जाने चाहिए। बैठक में वहीं, क्षेत्र में लंबे समय से सड़कें भी बदहाल पड़ी हुई है। सड़क मरम्मत के लिए लोक निर्माण विभाग को गंभीरता से कार्य करना चाहिए। बैठक में वन विभाग, विद्युत एवं पंचायत भवनों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। मुख्य विकास अधिकारी अशोक जोशी ने जनप्रतिनिधियों को जल्द समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को भी क्षेत्र का भ्रमण कर समस्याओं को सुनने के निर्देश दिए।

साथ ही जिस भी क्षेत्र में पेयजल समस्या है वहां जल संस्थान को पेयजल टैंक पहुंचाने के निर्देश दिए गए। इस मौके पर बैठक में कनिष्ठ उप प्रमुख कौशल्या देवी, जिला पंचायत सदस्य महेंद्र राणा, अर्जुन सिंह, पीडी डीआरडीए विवेक कुमार उपाध्याय, उपजिलाधिकारी लैंसडाउन शालिनी मौर्य, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. विशाल शर्मा, अधिशासी अभियंता विद्युत नंदिता अग्रवाल, जिला समाज कल्याण अधिकारी रोहित दुबड़िया, जिला क्रीड़ा अधिकारी जयबीर सिंह रावत, जिला युवा कल्याण अधिकारी रविंद्र फोनिया, खंड विकास अधिकारी जयकृत बिष्ट, एडीपीआरओ प्रदीप सुंदरियाल आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों ने परीक्षा शुल्क बढ़ाए जाने का किया विरोध

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार के बीएड के विद्यार्थियों ने परीक्षा शुल्क बढ़ाए जाने का विरोध किया है। कहा कि इस तरह की कार्यप्रणाली से विद्यार्थियों का शोषण किया जा रहा है। यदि जल्द समस्या का निराकरण नहीं हुआ तो छात्र आंदोलन को मजबूर होंगे।

मंगलवार को विद्यार्थी पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अंकुश घिल्डियाल के नेतृत्व में तहसील में पहुंचे। जहां उन्होंने श्री देव सुमन विश्व विश्वविद्यालय के खिलाफ प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने कहा कि वर्तमान में परीक्षा शुल्क को बढ़ा दिया गया है। जिससे विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कहा कि महाविद्यालय में अधिकांश विद्यार्थी आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के हैं। ऐसे में उनकी चुनौतियां बढ़ गई है। वर्तमान में प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा शुल्क 2960 कर दिया गया है। जबकि पूर्व में वर्षभर की फीस 2760 रूपए थी। कहा कि गढ़वाल विश्वविद्यालय में भी एक सेमेस्टर का शुल्क मात्र 1750 रूपए है और कुमाऊं विश्वविद्यालय में एक सेमेस्टर का शुल्क 1850 रूपए है। श्रीदेव सुमन विवि प्रशासन ने अलग ही नियम बनाकर बीएड के प्रथम सेमेस्टर के परीक्षा शुल्क बढ़ा दी है। कहा कि विवि प्रशासन के मनमाने निर्णय का विरोध किया जाएगा। जब तक विवि प्रशासन शुल्क कम करने का आदेश जारी नहीं करता, उनका आंदोलन जारी रहेगा। इस मौके पर हिमांशु रावत, अल्का, आंचल प्रजापति, भारती रावत, सुष्मिता, सुनिधि, निकिता, विनीता, प्रियांशु मौजूद रहे।

कोटद्वार तहसील परिसर में फीस बढ़ोत्तरी के खिलाफ धरना-प्रदर्शन करते बीएड छात्र-छात्राएं

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा 28, न्यू डिफेंस एन्क्लेव, डांडा नूरीवाला, सहस्रधारा रोड़, देहरादून उत्तराखण्ड से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जिला मुख्यालय देहरादून, उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. UTTHIN/2005/16338

कनुप्रिया प्रधानमंत्री व आदित्य शर्मा बनें सीनियर सेनापति

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जानकीनगर स्थित रितेश शर्मा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में सत्र 2026 के लिए छात्र संसद एवं कन्या भारती चुनाव संपन्न हो गए। विद्यालय में पिछले एक सप्ताह से चुनाव प्रक्रिया के अंतर्गत नामांकन, चुनाव चिन्ह वितरण और प्रचार-प्रसार जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान प्रधानमंत्री पद पर कनुप्रिया व आदित्य शर्मा को सीनियर सेनापति चुना गया।

विद्यालय के परीक्षा एवं मीडिया प्रभारी आचार्य रोहित बलोदी ने बताया कि प्रधानमंत्री पद के लिए कनुप्रिया, केशव, आदर्श जुयाल और बंटी सिंह ने नामांकन किया था। सेनापति पद हेतु आदित्य शर्मा, देव राणा, उमंग और प्रतीक मैदान में रहे। उपप्रधानमंत्री पद के लिए आशुतोष, आयुष रावत और कारण शर्मा ने दावेदारी पेश की। उप सेनापति पद पर श्रेया, अनमोल, आराध्या बिष्ट, आराध्या भदौरिया, निशांत और गौरव ने नामांकन कराया। कन्या भारती अध्यक्ष पद के लिए आरुषि चतुर्वेदी, सिया राणा, तृषा चौधरी और पलक तथा सचिव पद हेतु अंशिका रावत और आद्या खंतवाल प्रत्याशी रहीं। छात्र संसद प्रभारी राजन कुमार शर्मा की देखरेख में बैलेट पत्र के माध्यम से मतदान कराया गया। चुनाव परिणामों में कनुप्रिया प्रधानमंत्री, आयुष रावत उपप्रधानमंत्री, उमंग खांसुली जूनियर सेनापति, आदित्य शर्मा सीनियर सेनापति, आराध्या बिष्ट उप सेनापति, पलक कनोरिया कन्या भारती अध्यक्ष तथा अंशिका रावत सचिव निर्वाचित हुईं। विद्यालय प्रशासन के अनुसार विजयी प्रतिभागियों का शपथ ग्रहण समारोह बुधवार को प्रातः वंदना सत्र में आयोजित किया जाएगा। प्रधानाचार्य मनोज कुकरेती ने शिक्षकों को सेक्टर मजिस्ट्रेट, चुनाव अधिकारी और मतदान अधिकारी की जिम्मेदारियां सौंपी थीं। मतगणना के दौरान उपप्रधानाचार्य अनिल कोटनाला, परीक्षा प्रभारी रोहित बलोदी एवं राहुल भाटिया, कार्यालय प्रमुख राकेश चमोली सहित विद्यालय के कई शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

आयोजित चुनाव प्रक्रिया में भाग लेते विद्यार्थी

केक काटकर नवजात कन्याओं का मनाया जन्मदिन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : बाल विकास परियोजना जहरी में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में नवजात कन्याओं का जन्मदिन मनाया गया। इस दौरान अभिभावकों को कन्याओं के लिए चलाई जा रही सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

आयोजित कार्यक्रम में सुपरवाइजर विनीत सजवाण ने योजनाओं की जानकारी दी। कहा कि सरकार की ओर से कन्याओं के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं तथा 0-6 वर्ष तक के बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य एवं देखभाल से संबंधित योजनाओं के बारे में जागरुक करते हुए कहा कि बेटियों को शिक्षा, पोषण और सुरक्षा प्रदान करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान नवजात कन्याओं को उपहार स्वरूप बेबी किट भी प्रदान किए गए। महिलाओं एवं अभिभावकों ने इस पहल की सराहना करते हुए बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर राधेश्याम, आंगनवाड़ी कार्यकत्री मीना असवाल, आंगनवाड़ी सहायिका रिंकी देवी, ममता देवी मौजूद रही।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No Date	63-DRM-MB-26-27 dt. 19.05.2026
Name of Work	Construction of Pre-Stressed, Precast RCC S&T Buildings in C/W Interlocking of L.C. gates TUV>20000 in the section of ADSTE/MB of Moradabad Division
Tender Closing Date	15/06/2026
Advertised Value (Rs.)	1,99,68,199.31
Earnest Money (Rs.)	3,99,400.00
Tender Cost (Rs.)	00
Bidding Start Date	01/06/2026
Period of Completion	6 Months

न 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 19.05.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1674/26

अवकाश घोषित

देहरादून : पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चंद्र खंडूड़ी की अंतेष्टि बुधवार को पुलिस सम्मान के साथ सम्पन्न होगी। बुधवार को राज्य सरकार द्वारा सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर शासन ने इस बारे में आदेश जारी कर दिए हैं। आदेश के अनुसार पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी के आकस्मिक निधन के कारण, प्रदेश में 19 मई से 21 मई तक तीन दिन का राजकीय शोक घोषित किया गया है,

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम दीपा देवी तथा मेरे पति का नाम सूरजपाल सिंह है, जो कि मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड व बैंक खाते में दर्ज है। मेरे पति स्व0 सूरजपाल सिंह के नाम पर भारतीय जीवन बीमा निगम में चल रही पॉलिसी संख्या- 242340919 में मेरे पति का नाम सूरज पाल सिंह रावत तथा मेरा नाम नामिनी में रूप में दीपाली रावत भिन्न दर्ज हो गया है, उक्त दोनों नाम मेरे व मेरे पति के अलग-अलग नाम दर्ज हो गये है।

दीपा देवी पत्नी स्व0 सूरजपाल सिंह निवासी ग्राम ग्रास्टनगंज, पोस्ट कुम्भीचौड, पट्टी सनेह, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0520/21)

शिक्षक की आवश्यकता

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा संस्कृत सम्वर्धन योजना के अन्तर्गत श्री ज्वालपादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय में निम्न विषय में शिक्षक की आवश्यकता है।

विषय— संस्कृत (साहित्य) शिक्षक (पूर्ण कालिक)
शैक्षिक योग्यता- राज्य सरकार। यू.जी.सी. द्वारा निर्धारित-परम्परागत उपाधि धारक एवं प्रशिक्षित अभ्यर्थी को वरीयता

मानदेय रू0- 20,000/- प्रतिमाह (पूर्णकालिक शिक्षक के लिये)

नोट-अभ्यर्थी अपने जीवनवृत्त के साथ साधे कागज पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के साथ समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की छाया प्रति एवं पहचान-पत्र पंजीकृत डाक द्वारा अथवा स्वयं उपस्थित होकर निम्नलिखित पते पर महाविद्यालय कार्य दिवसों में दिनांक- 28-05-2026 सायं 5:00 बजे तक प्रेषित/प्रस्तुत कर कर सकते हैं। विलम्ब से प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा। साक्षात्कार की सूचना महाविद्यालय द्वारा अभ्यर्थी को पृथक से दी जपिगी।

**प्रबन्धक/प्राचार्य,
श्री ज्वाल्पादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
ज्वाल्पा धाम, पोस्ट पाटीसैंण
पौड़ी गढ़वाल, पिन-246167
सम्पर्क:- 6397643830, 8714191257, 9818407873**

(0521/21)

डीएम ने दिए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के क्रम में जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में कूड़ा निस्तारण व्यवस्था, डम्प साइट प्रबंधन, कॉम्पैक्टर संचालन एवं स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी व्यवस्थाओं को मजबूत किया जाए। उन्होंने परियोजना निदेशक को एक विशेष प्रकोष्ठ गठित करने के निर्देश दिए। यह प्रकोष्ठ नियमों के अनुपालन की नियमित निगरानी करेगा तथा बल्क वेस्ट जनरेटर्स द्वारा नियमों की अवहेलना किए जाने पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेगा। आवश्यकता पड़ने पर बड़े होटलों एवं संस्थानों के जल एवं विद्युत संयोजन काटने की कार्रवाई भी की जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि गठित प्रकोष्ठ जनपद की सभी डम्प साइट्स का पाक्षिक निरीक्षण करेगा तथा निरीक्षण रिपोर्ट फोटो सहित जिलाधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराएगा। उन्होंने जिला पंचायत को कूड़ा निस्तारण हेतु लगाए गए कॉम्पैक्टर मशीनों की विस्तृत जानकारी शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए तथा जनपद में स्थापित 09 कम्पैक्टरों को शीघ्र संचालित करने को कहा। बैठक में जिलाधिकारी ने वन विभाग के अधिकारियों से वन क्षेत्रों में कूड़ा निस्तारण की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। साथ ही वन विभाग के अधिकारियों समेत सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जहां भी कूड़ा निस्तारण हेतु अतिरिक्त वित्तीय आवश्यकता हो, वहां शीघ्र प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत किए जाएं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि नगरीय क्षेत्रों को ह्लडम्पसाइट शून्यह्व बनाया जाए तथा लीगेसी वेस्ट का पूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही प्रत्येक वार्ड में सुगम स्थानों पर (रीड्यूस-रीयूज-रिसायकल) केन्द्र स्थापित किए जाएं, जिससे अपशिष्ट प्रबंधन को प्रभावी बनाया जा सके।

बसुकेदार तहसील दिवस बना जनसमस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी मंच

25 शिकायतें दर्ज, 11 का मौके पर निस्तारण

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के निर्देशन में जनपद रुद्रप्रयाग में आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु प्रशासन लगातार सक्रियता से कार्य कर रहा है। इसी क्रम में बसुकेदार में आयोजित तहसील दिवस ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान का प्रभावी मंच बनकर उभरा। अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा की अध्यक्षता में आयोजित तहसील दिवस में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 25 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 11 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर ग्रामीणों को राहत प्रदान की गई। शेष शिकायतों को त्वरित कार्रवाई हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया। तहसील दिवस में ग्रामीणों ने क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न मूलभूत समस्याओं को प्रशासन के समक्ष प्रमुखता से रखा। ग्राम नैणी पौंडार की प्रधान नीतू देवी ने गांव में खुली विद्युत लाइनों से बने खतरे की समस्या उठाई। वहीं अरखुंड के ग्रामीणों ने वर्ष 2007-08 में निर्मित राजकीय प्राथमिक विद्यालय भवन की जर्जर स्थिति से प्रशासन को अवगत कराया। डालसिंगी क्षेत्र के ग्रामीणों ने डालसिंगी-झिरोका-सेमचारी मोटर मार्ग निर्माण कार्य में तेजी लाने की मांग की। कौशलपुर निवासी मुन्नी देवी ने बसुकेदार-डालसिंगी मोटर मार्ग निर्माण के कारण हो रहे भू-धंसाव से अपने आवासीय भवन को खतरा होने की शिकायत दर्ज कराई। इसके अतिरिक्त डुंगरा गांव के विक्रम लाल ने बस्ती मार्ग के क्षतिग्रस्त होने की समस्या रखी, जबकि डालसिंगी के भगवती प्रसाद भट्ट ने बसुकेदार चिकित्सालय में लंबे समय से चिकित्साधिकारी की तैनाती न होने का मामला उठाया। अरखुंड के ग्रामीणों ने गांव में आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण की मांग भी प्रशासन के समक्ष रखी। दानकोट निवासी पुष्कर दत्त ने पशुपालन हेतु पशुबाड़ा स्वीकृत करने का अनुरोध किया। वहीं कौशलपुर गांव के जसपाल सिंह ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय के नीचे निवासरत लगभग 30 परिवारों को नियमित पेयजल आपूर्ति न होने की समस्या से अवगत कराया।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आइडिन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा के अन्तर्गत निम्न वर्णित कार्यों के निष्पादन हेतु अनुभवी, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रदत्त विद्युत ठेकेदारी 'ए' श्रेणी लाईसेन्स प्राप्त (आयकर, जी0एस0टी0 व ई0पी0एफ0 व ई0एस0आई0 में पंजीकृत) ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदाएं दो भागों में (प्रथम भाग में धरोहर धनराशि तथा द्वितीय भाग में दरें जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 6 माह के लिए वैध हो) दिनांक 06.06.2026 को 13.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है जो कि उसी दिन 15.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अधोहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में विद्युत वितरण खण्ड–नैनीडांडा के कार्यालय से दिनांक 06.06.2026 को 13.00 बजे तक प्रति निविदा के नकद भुगतान करके प्राप्त किए जा सकते हैं। धरोहर धनराशि किसी भी बैंक/डाकघर की एफडीआर/सीडीआर/राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड– नैनीडांडा के पक्ष में बंधक होनी चाहिए। बिना धरोहर धनराशि के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताए समस्त अथवा किसी भी निविदा को निरस्त कर सकते हैं।

निविदा संख्या	निविदा प्रपत्र क्रय राशि (जी0एस0टी0 सहित)	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0)
06/2026–27	रू0 295/–	वि०वि० उपखण्ड– स्यूँसी के अन्तर्गत क्षतिग्रस्त परिवर्तक बदलने का कार्य।	20000.00
07/2026–27	रू0 295/–	वि०वि० उपखण्ड– रिखणीखाल के अन्तर्गत क्षतिग्रस्त परिवर्तक बदलने का कार्य।	12000.00
08/2026–27	रू0 295/–	वि०वि० उपखण्ड– थलीसैंण के अन्तर्गत क्षतिग्रस्त परिवर्तक बदलने का कार्य।	15000.00

पत्रांक : 217/वि0वि0ख0(नै0)/उपाकालि0/टी–6
दिनांक : 19.05.2026

अधिशासी अभियन्ता,
विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

दैनिक जयन्त-उत्तराखण्ड

गुंडागर्दी करने वाले बिल्डर को डीएम ने किया 6 माह के लिए जिला बदर

देहरादून : जिला प्रशासन ने कानून व्यवस्था एवं आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए एटीएस कॉलोनी में आतंक और भय का वातावरण पैदा करने वाले बिल्डर पुनीत अग्रवाल के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की है। जिला मजिस्ट्रेट सविन बंसल ने उत्तर प्रदेश/उत्तर-खण्ड गुण्डा नियंत्रण अधिनियम-1970 की धारा 3(3) के अंतर्गत पुनीत अग्रवाल को ह्लगुण्डाह्व घोषित करते हुए 06 माह के लिए जनपद देहरादून की सीमा से बाहर रहने के आदेश जारी किए हैं।

प्रकरण की शुरुआत एटीएस कॉलोनी निवासी एवं डीआरडीओ वैज्ञानिक हेम शिखा सहित अन्य निवासियों द्वारा 25 अप्रैल 2026 को जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत शिकायती प्रार्थना पत्र से हुई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि पुनीत अग्रवाल द्वारा 13 अप्रैल 2026 को डीआरडीओ में कार्यरत वैज्ञानिक के परिवार पर आक्रामक एवं जानलेवा हमला किया गया। मारपीट में पीड़ित का कान का पर्दा फट गया तथा महिलाओं एवं बुजुर्गों के साथ अभद्रता और गाली-गलौच की गई। शिकायतकर्ताओं ने आरोपी को महिलाओं, बच्चों एवं वरिष्ठ नागरिकों को डराने-धमकाने वाला असामाजिक तत्व बताते हुए गुण्डा एक्ट के तहत कार्रवाई की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला मजिस्ट्रेट ने उप जिलाधिकारी मसूरी से गोपनीय जांच कराई गई। जांच में क्षेत्रवासियों ने बताया कि पुनीत अग्रवाल का व्यवहार लगातार भय और असुरक्षा का वातावरण उत्पन्न कर रहा था तथा उसके विरुद्ध पहले से कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। थाना रायपुर में दर्ज एफआईआर, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो क्लिप्स तथा स्थानीय निवासियों की सामूहिक शिकायतों को न्यायालय ने गंभीरता से लिया। प्रकरण में डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं निदेशक मनोज कुमार ढाका द्वारा भी शिकायत प्रस्तुत कर कार्रवाई की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने तर्क दिया कि आरोपी का व्यवहार समाज में भय और असुरक्षा का कारण बन चुका है तथा यदि उस पर रोक नहीं लगाई गई तो कभी भी गंभीर अप्रिय घटना हो सकती है। वहीं विपक्षी पक्ष द्वारा इसे आपसी रंजिश एवं सिविल विवाद बताया गया, लेकिन उपलब्ध साक्ष्यों, दर्ज मुकदमों, वायरल वीडियो, शिकायतों तथा गोपनीय जांच रिपोर्ट के आधार पर जिलाधिकारी न्यायालय ने पाया कि पुनीत अग्रवाल अभ्यस्त आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है, जो लोगों को डराने-धमकाने और क्षेत्र में अशांति फैलाने का आदी है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि पुनीत अग्रवाल अगले 06 माह तक देहरादून जनपद की सीमा में बिना अनुमति प्रवेश नहीं कर सकेगा। यदि वह आदेश का उल्लंघन करता है तो उसके विरुद्ध कठोर कारावास एवं जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। थाना रायपुर पुलिस को आदेश की तत्काल तामील कराते हुए आरोपी को 24 घंटे के भीतर जनपद से बाहर भेजने के निर्देश दिए गए हैं। शहर के सहस्त्रधारा रोड स्थित एटीएस कालोनी में बिल्डर की गूंडागर्दी पर जिला मजिस्ट्रेट कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए गुंडा एक्ट में मामला दर्ज किया था। इससे पूर्व भी विवादित बिल्डर पर दीपावली में नाबालिग बच्चों पर पिस्टल लहराने तथा लाईसेंसी शस्त्र को प्रदर्शित करने पर डीएम ने शस्त्र लाईसेंसधारक पुनीत अग्रवाल की लापरवाही मानते हुए उनका शस्त्र जब्त करते हुए शस्त्र लाईसेंस निलम्बित कर दिया था। आरोपी बिल्डर पर डीआरडीओं वैज्ञानिक के साथ मारपीट एवं उत्पीड़न, नशे में धुत होकर एटीएस आरडब्ल्यूए अध्यक्ष के साथ मारपीट, बच्चों से गाली गलौच, दीपावली पर पिस्टल तानने, बच्चों से गाली गलौच एवं गाड़ी से टक्कर मारने का प्रयास, जनरल बाडी मीटिंग में धमकाने अभद्र भाषा का प्रयोग, आरोपी द्वारा निवासियों एवं आरडब्ल्यूए के सदस्यों को जानबूझकर झूठे मुकदमों एवं निराधार आरोपों में फंसाकर उत्पीड़न करने का प्रयास, विधवा महिला की भूमि को कूट रचित रजिस्ट्री एवं अनाधिकृत कब्जा मामलों विभिन्न धाराओं में 05 एफआईआर दर्ज हैं। (एजेंसी)

डीएम ने लिए है कड़े एक्शन

जिला मजिस्ट्रेट सविन बंसल ने जनमानस महिला, बुजुर्ग बच्चे, असहायों की सुरक्षा के दृष्टिगत समय-समय पर कड़े एक्शन लिए है। साथ ही अधिकारियों को सख्त निर्देश हैं कि कानून हाथ में लेकर ऐसा कृत्य करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। बिल्डर के विरूद्ध बीएनएस की धारा 115 (2), 351(2), 352, 74,126(2), 324(4), 447 में पांच मुकदमें दर्ज हैं। तथा बिल्डर द्वारा आए दिन कोई न कोई विवाद किए जा रहे हैं, जनमानस की सुरक्षा के दृष्टिगत जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय द्वारा स्वतः संज्ञान लेते हुए बिल्डर के विरूद्ध गुंडाएक्ट में बुक कर दिया था। शहर के सहस्त्रधारा रोड स्थित एटीएस कॉलोनी में बिल्डर की कथित दबंगई का मामला सामने आने जिला प्रशासन ने यह एक्शन लिया है। बिल्डर पुनीत अग्रवाल पर नगर निगम/एमडीडीए की जमीन पर अवैध निर्माण के विरोध में 01 डीआरडीओ मे तैनात वैज्ञानिक के साथ मारपीट का आरोप लगा है। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बिल्डर द्वारा कथित रूप से नगर निगम /एमडीडीए की जमीन पर दीवार निर्माण कराया जा रहा था, जिसका मलबा उनके घर की ओर गिर रहा था। इसका विरोध करने पर बिल्डर ने अभद्र भाषा का प्रयोग किया तथा विवाद बढ़ने पर बिल्डर ने कथित रूप से डीआरडीओ के सांईटिस्ट से मारपीट की।

संक्षिप्त समाचार

1.43 करोड़ से होगा कीर्तिनगर ब्लॉक के स्कूलों का कायाकल्प

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड कीर्तिनगर के राजकीय प्राथमिक और जूनियर विद्यालयों की दशा जल्द सुधर जाएगी। जिला योजना के तहत करीब 1.43 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली है जिससे विभिन्न विद्यालयों में भवन निर्माण, मरम्मत और शौचालय निर्माण के कार्य कराए जाएंगे। खंड शिक्षाधिकारी डॉ. यशवंत सिंह नेगी ने बताया कि राजकीय प्राथमिक विद्यालय सिरोला, जखंड और जूनियर हाईस्कूल कोटी ढुण्डसिर के भवन निर्माण के लिए 30-30 लाख रुपये स्वीकृत हुए हैं। वहीं प्राथमिक विद्यालय गवाणा में पुश्ता निर्माण के लिए 4 लाख रुपये, प्राथमिक विद्यालय कणोली के भवन की मरम्मत के लिए 16 लाख तथा प्राथमिक विद्यालय धौलियाणा के भवन मरम्मत के लिए 8 लाख मंजूर किए गए हैं। इसके अलावा राजकीय प्राथमिक विद्यालय जिवाला में एक बड़ा और एक छोटा कक्षा कक्ष बनाने के लिए 20 लाख रुपये, प्राथमिक विद्यालय पाब अकरी के भवन मरम्मत के लिए 5 लाख रुपये तथा प्राथमिक विद्यालय जाबर में शौचालय मरम्मत के लिए खनिज न्यास से डेढ़ लाख और नए शौचालय निर्माण के लिए जिला योजना से 3.7 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। खंड शिक्षाधिकारी डॉ. नेगी ने बताया कि जिन विद्यालयों के भवन जर्जर स्थिति में हैं उनके प्रस्ताव तैयार कर जिले को भेजे जा रहे हैं। (एजेंसी)

आज केमिस्ट की दुकानें रहेंगी बंद, जीवन रक्षक दवाएं होंगी उपलब्ध

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : ई-फार्मेसी की बिक्री के विरोध में बुधवार को कोटद्वार में केमिस्ट की दुकानें बंद रहेंगी। हालांकि, इस दौरान जीवन रक्षक दवाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी।

मंगलवार को उपजिलाधिकारी संदीप कुमार को दिए गए ज्ञापन में एसोसिएशन के अध्यक्ष विवेक अग्रवाल ने बताया कि आनलाइन दवा बिक्री के विरोध में केमिस्ट संगठनों ने एकजुट होकर संघर्ष करने का निर्णय लिया है। कहा कि यह मुद्दा केवल व्यापार का नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर मामला है। बिना चिकित्सकीय जांच, फार्मासिस्ट के सत्यापन के दवाएं बेचने से मरीजों की जान को खतरा पैदा हो रहा है। कहा कि अखिल भारतीय संस्था एआईओसीडी के आह्वान पर बंद का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि बंद के दौरान मरीजों को जीवन रक्षक दवाएं आसानी से उपलब्ध हो जाएं, इसके लिए क्षेत्र में तीन मेडिकल स्टोर जीवन रक्षक दवाएं उपलब्ध करवाएंगे। बताया कि बेस चिकित्सालय के समीप शिवम मेडिकल स्टोर, सुपर मेडिकल स्टोर और देवी रोड पर गौड़ मेडिकल स्टोर से आमजन जीवन रक्षक दवाएं ले सकता है। ज्ञापन देने वालो में महामंत्री विजयपाल नेगी, कोषाध्यक्ष पाणिनी बौंठियाल सहित अन्य भी मौजूद रहे।

वैज्ञानिक तरीके से होगा यूज्ड ब्लेड का निस्तारण

श्रीनगर गढ़वाल : स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 के तहत शहर को स्वच्छ और सुरक्षित बनाने के लिए नगर निगम ने नई व्यवस्था शुरू की है। इसके तहत बार्बर की दुकानों से निकलने वाली यूज्ड ब्लेड का सुरक्षित संग्रहण और वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जाएगा। मंगलवार को नगर निगम सभागार में आयोजित कार्यक्रम में बार्बर एसोसिएशन के सदस्यों को विशेष ब्लेड बिन वितरित किए। मेयर आरती भंडारी ने कहा कि यूज्ड ब्लेड कूड़े में फेंकने से स्वच्छता कर्मियों के हाथ कटने और बेसहारा पशुओं के पेट में जाने से उनकी मौत का खतरा रहता है।

मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक शशि पंवार ने बताया कि नगर निगम हर महीने के अंतिम दिन इन बिन से ब्लेड एकत्रित कर उनका वैज्ञानिक निस्तारण करेगा। उन्होंने बार्बरों को कटे हुए बाल इधर-उधर फेंकने के बजाय निगम के वाहन में डालने के निर्देश दिए। इस दौरान सहायक नगर आयुक्त गायत्री बिष्ट, पार्षद गुड्डी गैरोला सहित दीपक कुमार, दिनेश पटवाल, प्रवेश चमोली, हिमांशु बहुगुणा, सुरेंद्र कुमार, विजय चमोली, उज्जवल अग्रवाल, सुमित बिष्ट और शुभम प्रभाकर मौजूद थे। (एजेंसी)

कांग्रेसियों ने फूंका सरकार का पुतला

श्रीनगर गढ़वाल : पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दाम और नीट प्रवेश परीक्षा पेपर लीक मामले के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी देवप्रयाग ने भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर पुतला दहन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर युवाओं और आम जनता के हितों की अनदेखी का आरोप लगाया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष उत्तम सिंह असवाल ने कहा कि भाजपा सरकार चुनाव परिणाम आने के बाद लगातार पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाकर आम जनमानस की कमर तोड़ने का काम कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाओं के पेपर लीक होने से लाखों मेहनती युवाओं का भविष्य अंधकार में जा रहा है। आरोप लगाया कि पेपर लीक मामलों में पकड़े गए कई आरोपी भाजपा से जुड़े हैं। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला भी दहन किया। इस मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष रघुवीर सिंह भंडारी, अंकित सिंह, विपिन पंवार, भीम सिंह नेगी, नीति राज, उदय सिंह रावत, शूरवीर सिंह जयाड़ा, हर्षमणी कृतवाण, शंकर सिंह रावत व अमन सिंह आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों का निस्तारण जल्द करें

जिलाधिकारी ने सीएम हेल्पलाइन 1905 पर लंबित शिकायतों की समीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को सीएम हेल्पलाइन 1905 पर प्राप्त शिकायतों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों में लंबित शिकायतों की स्थिति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को शिकायतों के शीघ्र, गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निस्तारण के निर्देश दिए।

बैठक में जानकारी दी गई कि जनपद में विभागवार सर्वाधिक 38 शिकायतें लोक निर्माण विभाग, 28 शिकायतें राजस्व विभाग, 12 वन विभाग, 11 पुलिस विभाग तथा ग्राम्य विकास एवं सिंचाई विभाग की संयुक्त रूप से 10-10 शिकायतें सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज हैं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित शिकायतों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से उन मामलों पर अधिकारियों को गंभीरता से विचार करने को कहा जिन्हें डिमांड में कन्वर्ट अथवा फोर्स क्लोज किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने राजस्व विभाग से संबंधित शिकायतों पर उपजिलाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए, जबकि लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को सड़क एवं निर्माण कार्यों से जुड़ी शिकायतों के त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

जनपदों को जिला योजना के अंतर्गत 1018 .21 करोड़ की धनराशि हुई आवंटित

पौड़ी जनपद को सर्वाधिक 119.977 करोड़ आवंटित

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अनुमोदन के पश्चात इस वर्ष के लिये जिला योजना के अंतर्गत सभी जनपदों को विकास कार्यों हेतु कुल 1018.206 करोड़ की धनराशि आवंटित की गई है। यह धनराशि प्रदेश के सभी 13 जनपदों की आवश्यकतानुसार आवंटित की गई है, जिसमें अनुसूचित जाति उपयोजना के अन्तर्गत 200.221 करोड, अनुसूचित जनजाति उपयोजना हेतु 30.007 करोड के साथ ही सामान्य हेतु 787.978 करोड की धनराशि शामिल है। जनपदों को गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिला योजना हेतु 1010.23 करोड़ की धनराशि अवमुक्त की गई थी, जिसके सापेक्ष जनपदों द्वारा मार्च, 2026 तक 996.72 करोड़ व्यय किए गए तथा अवशेष धनराशि वित्त विभाग को समर्पित कर दी गई थी। जनपदवार आवंटन में पौड़ी जनपद को सर्वाधिक 119.977 करोड़ तथा देहरादून को 99.394 करोड़ की धनराशि आवंटित की गई है। इसके अतिरिक्त जनपद नैनीताल हेतु 70.189 करोड, ऊधमसिंह नगर हेतु 74.132 करोड, अल्मोडा हेतु 74.737 करोड, पिथौरागढ हेतु 71.737 करोड, बागेश्वर हेतु 59.618 करोड, चम्पावत हेतु 76.914 करोड, टिहरी हेतु 95.215 करोड, चमोली हेतु 74.237 करोड, उत्तरकाशी हेतु 76.542 करोड, रूद्रप्रयाग हेतु 58.158 करोड तथा हरिद्वार हेतु 67.356 करोड की धनराशि आवंटित की गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस धनराशि से जिला योजना के माध्यम से जनपदों में स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप आधारभूत संरचना, ग्रामीण विकास, पेयजल, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य जनोपयोगी योजनाओं को गति मिलेगी।

12 जून को होगें व्यापार मंडल के चुनाव

श्रीनगर गढ़वाल : व्यापार मंडल के वर्ष 2026 के चुनाव को लेकर चुनावी गतिविधियां तेज हो गई हैं। चुनाव संचालन समिति का गठन करते हुए चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए 21 सदस्यीय संचालन समिति बनाई गई है। समिति में दिनेश प्रसाद भट्ट को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है। मतदान 12 जून को होगा। चुनाव संचालन समिति में वासुदेव कंडारी, दिनेश पंवार, जगदीप रावत, आनंद भंडारी, खिलेंद्र चौधरी, हिमांशु अग्रवाल, बृजेश भट्ट, गोपाल डुडेजा सहित कई व्यापारियों को शामिल किया गया है। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार 30 और 31 मई को नामांकन पत्रों की बिक्री की जाएगी। 1 और 2 जून को प्रत्याशी नामांकन पत्र जमा करेंगे। 3 जून को नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, जबकि 4 जून को प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे। निर्वाचन समिति के अनुसार 12 जून को सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक मतदान कराया जाएगा। मतदान के बाद उसी दिन शाम 5 बजे चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे। चुनाव संचालन समिति ने बताया कि चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों को व्यापार सभा से नो ड्यूज प्रमाणपत्र, पॉल्यूशन संबंधित दस्तावेज, अधिवक्ता द्वारा सत्यापित एफिडेविट तथा आवेदनपत्र के साथ फोटो जमा करना अनिवार्य होगा।

यात्री ने मानवता और सेवा की मिशाल की पेश

श्रीनगर गढ़वाल : केदारनाथ की यात्रा पर महाराष्ट्र से आई महिला यात्री तोषी चौधरी ने मानवता और सेवा का उदाहरण पेश किया। यात्रा पूरी होने के बाद उन्होंने अपने पास बची तीन पोर्टेबल, हल्की और डिस्पोजेबल ऑक्सीजन कैन बेस अस्पताल में दे दीं। महिला यात्री ने बताया कि केदारनाथ जैसे उच्च हिमालयी क्षेत्र में ऑक्सीजन की कमी रहती है। इसी को देखते हुए वे अपने साथ पोर्टेबल ऑक्सीजन कैन लेकर आई थीं। मगर अब यह बच गईं तो श्रीनगर स्थित बेस अस्पताल पहुंचकर तीनों ऑक्सीजन कैन अस्पताल के सुरक्षा सुपरवाइजर को सौंप दिए। (एजेंसी)

कोटद्वार के अनय नेगी का चयन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस कैंप के लिए हुआ

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : डैफोडिल्स पब्लिक स्कूल, मोटाढांक के कक्षा 12 के छात्र अनय नेगी का चयन प्रतिष्ठित अंडर-16 एनसीए (नेशनल क्रिकेट अकादमी) सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एक माह के कैंप के लिए हुआ है, जो जयपुर, राजस्थान में आयोजित किया जाएगा। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विद्यालय परिवार द्वारा अनय का भव्य स्वागत किया गया। विद्यालय की प्राचार्य द्वारा उन्हें सम्मानित करते हुए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और समर्पण के लिए क्रिकेट बैट भेंट किया गया। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती नूतन बिष्ट ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यालय के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण है तथा अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है कि वे शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करें। खेल निदेशक नरेंद्र नेगी ने बताया कि अनय एक प्रतिभाशाली ऑलराउंडर हैं, जो ओपनिंग बल्लेबाज होने के साथ-साथ तेज गेंदबाज भी हैं। उन्होंने बताया कि अनय का चयन उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर हुआ, जो उन्होंने अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी 2026 में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करते हुए झारखंड में किया। अनय ने 5 मैचों में शानदार 380 रन बनाए, जिसमें कर्नाटक के खिलाफ शानदार 131 रन की पारी शामिल है। अपनी निरंतर उत्कृष्टता को दर्शाते हुए अनय ने इससे पूर्व वर्ष 2024 में अंडर-14 श्रेणी में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व किया था, जिसमें उन्होंने राजस्थान के खिलाफ शानदार 143 रन बनाए थे। विद्यालय के चेयरमैन अर्जुन सिंह बिष्ट एवं विद्यालय निदेशक उपाध्याय ने अनय को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं आगामी एनसीए कैंप के लिए शुभकामनाएं दीं।

भगवान श्री मद्महेश्वर की डोली ओंकारेश्वर मंदिर से हुई रवाना

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : भगवान श्री मद्महेश्वर की उत्सव डोली मंगलवार को विधि-विधान एवं धार्मिक परंपराओं के साथ श्री ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ से अपने धाम के लिए श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में रवाना हुई। डोली प्रस्थान के अवसर पर पूरा क्षेत्र ह्लहर-हर महादेवह्व और भगवान मद्महेश्वर के जयघोषों से गूंज उठा। डोली यात्रा के शुभारंभ से पूर्व श्री ओंकारेश्वर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए गए। बड़ी संख्या में श्रद्धालु, स्थानीय ग्रामीण एवं तीर्थयात्री इस पावन अवसर के साक्षी बने। पारंपरिक वाद्य यंत्रों और भक्तिमय वातावरण के बीच भगवान की डोली अपने प्रथम पड़ाव के लिए रवाना हुई। डोली यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा कर भगवान का स्वागत किया गया तथा सुख-समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की गई। भगवान श्री मद्महेश्वर की डोली यात्रा उत्तराखंड की समृद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक मानी जाती है, जिसमें हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर आस्था का परिचय देते हैं।

ओवरलोडेड डपंरों और ट्रकों की आवाजाही से लोग परेशान

चमोली। पिंडर नदी में चल रहे खनन पट्टों से ओवरलोडेड डंपरों और ट्रकों के लगातार संचालन से चेपड़ों से सुनला तक के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन वाहनों के कारण घंटों जाम और धूल की समस्या बनी हुई है। सुबह छह बजे से रात आठ बजे तक चलने वाले इन डंपरों से सड़क किनारे स्थित व्यापारिक प्रतिष्ठानों और आवासों में धूल घुस रही है। कई बार दुर्घटनाएं होते–होते बची हैं। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विनोद रावत सहित अन्य लोगों ने डंपरों के आवागमन का समय निर्धारित करने की मांग की। वहीं उपजिलाधिकारी यशवीर सिंह रावत ने बताया कि पट्टा मालिकों को बुलाकर डंपरों का समय तय करने और सड़क पर पानी का छिड़काव करने के निर्देश दिए हैं।

ग्रामीणों को पेयजल का इंतजार

नई टिहरी। जौनुपर ब्लॉक के ग्राम पंचायत परोगी के पनगढ़ नौ गांव और बलियाण कोटाई तोक के परिवार जल जीवन मिशन से नहीं जुड़ पाए हैं। हंस फाउंडेशन ने योजना का कार्य अधूरा में छोड़ा दिया है जिससे ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है।वर्ष 2023–24 में परोगी गांव के पनगढ़ नौ गांव और बलियाण कोटाई तोक को जल जीवन मिशन से जोड़ने का कार्य हंस फाउंडेशन को दिया गया था। फाउंडेशन ने जलघटी पेयजल स्रोत से करीब चार किलोमीटर लंबी पेयजल लाइन और पेयजल टैंक का निर्माण करवाया लेकिन पेयजल टैंक से आगे घरों तक पेयजल लाइन नहीं बिछाई गई। परोगी के पूर्व ग्राम प्रधान रमेश प्रसाद, वासुदेव लेखवार बताया गांव के दोनों तोक में करीब 20 परिवार रहते हैं लेकिन पेयजल व्यवस्था नहीं होने के कारण ग्रामीणों को करीब आधा किमी दूर पेयजल स्रोत से पानी लाना पड़ता है। गर्मी के दिनों में स्रोत में पानी की कमी हो जाती है जिससे ग्रामीणों को दो से तीन किलोमीटर दूर अलगाड़ और क्यारी गाड से पेयजल की व्यवस्था करनी पड़ती है। ग्रामीणों की ओर से प्रशासन से जल जीवन मिशन योजना के आधा–अधूरे कार्य को पूरा करने की गुहार लगाई है। देखरेख के अभाव में टैंक तक भी पानी की विधिवत सप्लाई नहीं हो पाती है। दो वर्ष का समय बीतने के बाद भी ग्रामीणों के घरों तक पानी नहीं पहुंच पाया।

उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए कार्य कर रही सरकार : धामी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : बस्तर, छत्तीसगढ़ में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित मध्य क्षेत्रीय परिषद् की 26वीं बैठक में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सहभागिता की। इस महत्वपूर्ण बैठक में विभिन्न राज्यों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने, आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने, आधारभूत संरचनाओं के विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा क्षेत्रीय विकास से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड राज्य से जुड़े विभिन्न विषयों को प्रमुखता से रखते हुए कहा कि राज्यों के बीच बेहतर संवाद, सहयोग और समन्वय से ही देश के समग्र एवं संतुलित विकास को नई गति प्रदान की जा सकती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में सहकारी एवं समन्वित संघीय व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम विभिन्न क्षेत्रों में देखने को मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान उत्तराखंड में वर्ष 2027 में आयोजित होने वाली विश्वप्रसिद्ध मां नंदा राजजात यात्रा एवं दिव्य और भव्य कुंभ मेले की तैयारियों से संबंधित विषयों को भी प्रमुखता से रखा। उन्होंने कहा कि ये दोनों आयोजन केवल उत्तराखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत से जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण आयोजन हैं। इन आयोजनों में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की सुविधा, सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार तथा विभिन्न व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए केंद्र एवं राज्यों के समन्वित सहयोग की आवश्यकता होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार उत्तराखंड की सांस्कृतिक परंपराओं, धार्मिक विरासत और आध्यात्मिक पहचान को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्यों के सहयोग से मां नंदा राजजात यात्रा और कुंभ मेले का आयोजन अत्यंत सुव्यवस्थित, सुरक्षित और ऐतिहासिक रूप से सफल होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार जनकल्याण, सुशासन, आधारभूत विकास, पर्यटन, धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण तथा युवाओं एवं महिलाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने हेतु पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

इंसाफ के लिए ब्रिटेन पहुंचा हर्षिता ब्रेला का परिवार ;

लंदन, एजेंसी। दिल्ली की हर्षिता ब्रेला (24) के परिवार ने ब्रिटेन पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई है। नवंबर 2024 में हर्षिता का शव इल्फर्ड में एक कार की डिक्की में मिला था। पति और मुख्य आरोपी पंकज लांबा हत्या के बाद से ही फरार है। हर्षिता के पिता सतबीर सिंह, मां सुदेश कुमारी और बहन सोनिया डबास कोर्बी उसके घर पहुंचे, जहां उसकी गला दबाकर हत्या की गई थी। सोनिया ने कहा, वे हर कीमत पर न्याय चाहते हैं ताकि फिर किसी और बेटी के साथ ऐसी त्रासदी न हो।

चीन, अमेरिका और यूएई ने दुबई से 276 ठगों को किया गिरफ्तार

दुबई, एजेंसी। चीन, अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की पुलिस ने एक संयुक्त अभियान चलाकर दुबई में टेलीकॉम धोखाधड़ी के 276 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। चीनी सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने रविवार को यह जानकारी दी। तीनों देशों के बीच इस तरह का यह पहला संयुक्त ऑपरेशन है। इस कार्रवाई में धोखाधड़ी के नौ अड्डों को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, ये गिरोह पीड़ितों को फर्जी क्रिप्टोकरेंसी निवेश के झांसे में रखकर ठगी करते थे।

श्रीलंकन एयरलाइंस के भारतीय कर्मी पर 2.2 करोड़ गबन का आरोप

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंकन एयरलाइंस ने अपने चेन्नई कार्यालय में तैनात कुछ भारतीय कर्मचारियों पर 2.2 करोड़ भारतीय रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। एयरलाइन ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि यह हेरफेर इनवॉइस, भुगतान विवरण और हस्ताक्षरों में जालसाजी के जरिये किया गया। विमानन कंपनी के अनुसार, वित्त विभाग में कार्यरत इन कर्मचारियों ने एक लंबी अवधि में इस घोटाले को अंजाम दिया।

ताइवान की आजादी का मतलब है कि वह चीन का हिस्सा नहीं : लाई

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने कहा कि ताइवान की आजादी का अर्थ है कि यह द्वीप न तो बीजिंग का है और न ही उसके अधीन है। केवल ताइवानी लोग ही अपने भविष्य का फैसला कर सकते हैं। लाई की ये टिप्पणियां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग के बीच बीजिंग में हुए शिखर सम्मेलन के कुछ दिनों बाद आई हैं। इस शिखर सम्मेलन ने ताइवान में द्वीप को अमेरिकी समर्थन को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

ट्रंप की बॉलरूम परियोजना के प्रस्ताव पर अमेरिकी सीनेट से लगी रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट में रिपब्लिकन पार्टी की व्हाइट हाउस की सुरक्षा बढ़ाने और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए बॉलरूम परियोजना के लिए एक अरब डॉलर खर्च करने के प्रस्ताव को तगड़ा झटका लगा है। सांसदों के फैसले के मुताबिक, सुरक्षा व्यवस्था के लिए फंडिंग का यह प्रस्ताव प्रक्रियागत नियमों पर खरा नहीं उतरा है। रिपब्लिकन इसे अगले तीन वर्षों के लिए आव्रजन प्रवर्तन एजेंसियों को वित्तपोषित करने वाले एक बजट विधेयक के हिस्से के तौर पर शामिल करना चाहते थे। फैसले में कहा गया कि राष्ट्रपति ट्रंप के ईस्ट विंग के नवीनीकरण जैसी बड़ी और जटिल परियोजना का दायरा बेहद व्यापक होने से इसे बजट विधेयक में शामिल नहीं किया जा सकता है। दरअसल, इसका इस्तेमाल रिपब्लिकन बगैर डेमोक्रेट्स के समर्थन के विधेयक पास करने के लिए कर रहे थे, क्योंकि इस विधेयक को पारित करने के लिए किसी भी डेमोक्रेटिक वोट की जरूरत नहीं होती।

अपने एफ-35 लड़ाकू विमानों को और उन्नत करेगा अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने अपने पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर एफ-35 लाइटनिंग 2 बेड़े के लिए लगभग एक अरब डॉलर का उन्नयन कार्यक्रम शुरू किया है। यह मुख्य रूप से इलेक्ट्रॉनिक युद्ध आधुनिकीकरण और संयुक्त स्ट्राइक फाइटर के अमेरिकी सेना और अन्य विदेशी ऑपरेटरों द्वारा संचालित सैकड़ों विमानों में उन्नत युद्ध क्षमता संवर्द्धन पर केंद्रित है। लॉकहीड मार्टिन को एफ-35 लड़ाकू विमानों के 432 संशोधन किटों के उत्पादन और वितरण के लिए 99.11 करोड़ डॉलर का ठेका दिया गया है।

अमेरिका में बड़ा हादसा: एयर शो के दौरान आसमान में टकराए दो लड़ाकू विमान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के इदाहो में बड़ा हादसा हो गया है। यहां 'माउंटेन होम एयर फोर्स बेस' पर चल रहे एक बड़े एयर शो के दौरान दो अमेरिकी लड़ाकू विमान आपस में टकरा गए। हवा में टकराते ही दोनों जेट्स क्रैश हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि विमानों के परखच्चे उड़ गए और आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया। हालांकि विमान में सवार पायलटों के सुरक्षित होने की जानकारी है। हादसे के बाद पूरे एयर बेस को तुरंत बंद कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक यह हादसा स्थानीय समयानुसार रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे हुआ। इस समय बेस पर 'गनफाइटर स्काइज एयर शो' चल रहा था। दुर्घटनाग्रस्त होने वाले दोनों विमान अमेरिकी नौसेना के एडवांस्ड श्व-18त्र ग्रोवलर फाइटर जेट थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों विमान एयर बेस से करीब दो मील दूर जाकर गिरे, जिससे अफरा-तफरी मच गई।

कैसे बचे पायलट : सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि हवा में टकराते ही दोनों विमान आग का गोला बन जाते हैं। लेकिन राहत की बात यह रही कि विमानों में मौजूद चारों क्रू मेंबर्स समय रहते सुरक्षित बाहर निकलने में कामयाब रहे। उन्हें आसमान से पैराशूट के जरिए सुरक्षित नीचे उतरते देखा गया। अमेरिकी नौसेना ने भी बाद में पुष्टि की कि चारों क्रू मेंबर्स पूरी तरह सुरक्षित हैं।

8 साल बाद हुआ था शो : रिपोर्ट्स की मानें तो इस भव्य एयर शो का आयोजन पूरे 8 साल बाद किया जा रहा था। इसे देखने के लिए हजारों की संख्या में भीड़ जुटी थी। आयोजकों ने करीब दो साल तक इस शो की तैयारी की थी, लेकिन इस खौफनाक हादसे के बाद रविवार को होने वाले सभी आगामी इवेंट्स को रद्द कर दिया गया। वहीं अमेरिकी वायुसेना और नौसेना के अधिकारियों ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं।

पहले भी हुए हैं हादसे : माउंटेन होम एयर बेस पर पहले भी कई हादसे हुए हैं और इस घटना से उनकी यादें ताजा कर दी हैं। 2018 में यहां एक हैंग ग्लाइडर रनवे पर क्रैश होने से पायलट की मौत हो गई थी। इससे पहले 2003 में यहां एक 'थंडरबर्ड्स जेट' भी क्रैश हो गया था। हालांकि तब पायलट की जान बच गई थी।

हादसे के तुरंत बाद सैन्य अड्डे पर क्या बड़े कदम उठाए गए : इस भयंकर हादसे के होते ही पूरे सैन्य अड्डे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। खतरे को भांपते हुए 'माउंटेन होम एयर फोर्स बेस' को तुरंत पूरी तरह से बंद (लॉक्ड डाउन) कर दिया गया, ताकि कोई भी अनजान व्यक्ति अंदर या बाहर न जा सके। घटना की सूचना मिलते ही आपातकालीन दल, दमकल गाड़ियां और बचाव कर्मी बिना एक भी पल गंवाए घटना वाली जगह पर पहुंच गए। सेना ने तुरंत अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक आधिकारिक बयान जारी करके बताया कि बचाव दल घटना स्थल पर मौजूद है। इसके साथ ही इस बात की बहुत ही बारीकी से जांच शुरू कर दी गई है कि आखिर इतनी बड़ी दुर्घटना कैसे और किसकी गलती से हुई।

विमानों के पायलट और क्रू मेंबर फिलहाल किस हाल में हैं : हवा में हुए इस खौफनाक मंजर को देखकर एयर शो में मौजूद हर एक इंसान बुरी तरह डर गया था। लेकिन सभी के लिए राहत की सबसे बड़ी बात यह है कि सभी पायलट पूरी तरह से ठीक हैं। एयर बेस पर तुरंत लाउडस्पीकर के जरिए यह आधिकारिक घोषणा करके डरे हुए लोगों को बताया गया कि हादसे में शामिल सभी सैनिक पैराशूट की मदद से सुरक्षित जमीन पर आ गए हैं हालांकि, सेना के अधिकारियों ने तुरंत इस बात की पूरी जानकारी मीडिया को नहीं दी कि पैराशूट से कूदने के दौरान किसी को कोई चोट लगी है या नहीं, या फिर दोनों अत्याधुनिक विमानों के आपस में टकराने की असली वजह क्या थी।

हादसे के बाद एयर शो और आम लोगों को लेकर पुलिस ने क्या आदेश दिया : इस डरावने और जानलेवा हादसे के बाद कार्यक्रम आयोजित करने वालों ने कोई भी खतरा न लेते हुए, बचे हुए पूरे एयर शो को तुरंत रद्द कर दिया। माउंटेन होम पुलिस ने भी आसपास रहने वाले सभी स्थानीय लोगों से यह सख्त अपील की है कि वे एयर बेस की तरफ बिल्कुल यात्रा न करें। पुलिस ने कहा कि जब तक सेना का बचाव और राहत का काम चल रहा है, तब तक आम लोगों को इस इलाके से दूर ही रहना चाहिए। आपको बता दें कि यह मिलिट्री एयर बेस इडाहो के बोइस शहर से लगभग 50 मील (80 किलोमीटर) दक्षिण-पूर्व की दिशा में स्थित है।

'ईरान को मदद नहीं देगा चीन, उन्होंने भरोसा दिया है', अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि का बड़ा दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर ने दावा किया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से यह आश्वासन लिया है कि वे ईरान की मदद नहीं करेंगे। एबीसी न्यूज को दिए इंटरव्यू में ग्रीर ने कहा कि अमेरिका ने चीन से होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए सीधे हस्तक्षेप की मांग नहीं की थी। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति का मुख्य फोकस इस बात पर था कि चीन ईरान को किसी तरह की मदद न दे। इस पर चीन की प्रतिबद्धता हमें मिली है और उन्होंने इसकी पुष्टि भी की है।'

'चीन भी होर्मुज जलडमरूमध्य खोलना चाहता है': ग्रीर ने कहा कि चीन की भी होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने में स्पष्ट रुचि है, लेकिन वे सीधे तौर पर इसमें शामिल नहीं होना चाहता। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति चीन की सैन्य मदद नहीं चाहते। अमेरिका बस ये सुनिश्चित करना चाहता है कि चीन, अमेरिका द्वारा उठाए जा रहे कदमों में बाधा न बने।

ट्रंप और जिनपिंग के बीच टैरिफ को लेकर नहीं हुई कोई बातचीत : पिछले साल अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध जारी रहा, लेकिन ट्रंप ने अमेरिका लौटते समय पत्रकारों से कहा कि उनकी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई बातचीत में टैरिफ का मुद्दा नहीं उठा। इस पर ग्रीर ने कहा कि व्यापार वार्ता जरूर हुई, लेकिन शीर्ष नेताओं के स्तर पर नहीं हुई। ग्रीर ने कहा 'अमेरिका की तरफ से मैंने और

वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और हमारी टीम ने चीनी अधिकारियों से टैरिफ के कई मुद्दों पर बातचीत की। इसलिए राष्ट्राध्यक्षों के बीच इसे लेकर कोई चर्चा नहीं हुई।'

बोर्ड ऑफ ट्रेड बनाने पर हो रहा विचार : ग्रीर ने बताया कि अमेरिका, चीन के साथ व्यापारिक नियम तय करने के लिए 'बोर्ड ऑफ ट्रेड' बनाने पर भी विचार कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि चीन ने कई अमेरिकी मीट निर्यात इकाइयों से आयात फिर शुरू करने, कुछ बायोटेक व्यापार मामलों की समीक्षा करने और 200 बोइंग विमान खरीदने पर सहमति जताई है। हालांकि चीन ने अभी इन समझौतों की पुष्टि नहीं की है। ग्रीर ने कहा, 'कई ठोस कदम पहले ही शुरू हो चुके हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि चीन के साथ हमारी रणनीतिक स्थिरता बनी हुई है।'

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना का बड़ा ऑपरेशन, 35 आतंकवादी ढेर, तीन सीनियर कमांडर गिरफ्तार

कराची, एजेंसी। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान में एक बड़े खुफिया अभियान को अंजाम दिया है। इस कार्रवाई में 35 आतंकवादियों को मार गिराया गया है और तीन हाई-प्रोफाइल वरिष्ठ कमांडरों को भी गिरफ्तार किया गया है। यह अभियान मंगला जरघून क्षेत्र में चलाया गया। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने रविवार रात क्वेटा में मीडिया को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि यह ऑपरेशन 13 मई को शुरू हुआ था। पिछले चार दिनों में 35 आतंकवादी मारे गए हैं। रिंद ने कहा, यह अभियान प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और बलूचिस्तान में उसके प्रॉक्सी समूहों के खिलाफ था। पकड़े गए तीनों कमांडर महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं। यह कार्रवाई पहले पकड़े गए आतंकवादियों से मिली खुफिया जानकारी पर आधारित थी। सुरक्षा बलों ने मंगला जरघून घर क्षेत्र में कई आतंकवादी बेस कैंप भी नष्ट कर दिए हैं। प्रवक्ता ने बताया कि प्रांत में अतिरिक्त अभियान भी चल रहे हैं। ये अभियान विश्वसनीय खुफिया जानकारी पर

आधारित हैं। इनका उद्देश्य इन आतंकवादी तत्वों के सूत्रधारों को पकड़ना है। साथ ही, उनके संचालकों और वित्तीय समर्थकों को भी गिरफ्तार किया जाएगा। पाकिस्तान सेना ने इस नवीनतम आतंकवाद विरोधी अभियान पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। 12 मई बुधवार को बलूचिस्तान के बरखान जिले में एक सफाई अभियान के दौरान पांच सैनिक मारे गए थे। इनमें एक मेजर भी शामिल था। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, उस अभियान में कम से कम सात आतंकवादी भी मारे गए थे।

चीन में आया 5.2 तीव्रता का भूकंप, कई इमारतें तबाह हुईं; दो की मौत, कई लापता

बीजिंग, एजेंसी। चीन के दक्षिणी इलाके में सोमवार सुबह भूकंप के झटके लगे। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.2 रही। भूकंप के चलते कई इमारतों को भारी नुकसान हुआ है। अब तक भूकंप के चलते दो लोगों की मौत हुई है और एक लापता है। कई इमारतों को खाली कराया गया है। भूकंप के चलते कई इमारतें गिर गई हैं। राहत और बचाव अभियान चलाया जा रहा है और तबाह इमारतों में लोगों की तलाश की जा रही है।

कई इमारतें तबाह, हजारों लोगों को सुरक्षित निकाला गया : भूकंप के झटके चीन के लिउझोउ शहर में के नजदीक महसूस हुए, जिससे लोगों में डर फैल गया। प्रशासन ने सात हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है और आपात सेवा के कर्मचारी लगातार राहत और बचाव अभियान चलाए हुए हैं। कई लोगों को तबाह इमारतों में फंसे होने की आशंका है। चीन के सरकारी मीडिया सीसीटीवी के अनुसार, भूकंप के झटकों से कम से कम 13 इमारतें तबाह हुई हैं। जिसमें कई लोग घायल हुए हैं, लेकिन किसी के भी गंभीर घायल होने की खबर नहीं है। घायलों में से चार लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भूकंप से हुई तबाही के चलते दो लोगों की मौत हुई है। भूकंप के झटकों को देखते हुए इलाके में सार्वजनिक यातायात प्रभावित हुआ है। खासकर रेल यातायात को जांच के बाद ही बहाल किया जाएगा।

भूकंप से गंभीर नुकसान की खबर नहीं : भूकंप से ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है और पावर लाइंस, पानी की सप्लाई, गैस सेवाएं और रोड ट्रैफिक सामान्य रूप से चल रहे हैं। स्थानीय प्रशासन ने लोगों को प्रभावित इमारतों से दूर रहने की सलाह दी है।

7,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया : चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक अब तक चार लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि तीन लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं. स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने करीब 7,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया. हालांकि राहत की बात यह रही कि इलाके में बिजली, पानी, गैस सप्लाई और परिवहन सेवाएं सामान्य बनी हुई हैं।

रात में शुरू हुआ रेस्क्यू ऑपरेशन : भूकंप के तुरंत बाद राहत और बचाव एजेंसियां सक्रिय हो गईं. रात करीब 2 बजे तक 51 फायर और रेस्क्यू वाहनों के साथ 315 से ज्यादा आपातकर्मी प्रभावित इलाके में पहुंच चुके थे. पुलिस, दमकल और मेडिकल टीमें लगातार मलबे में फंसे लोगों को निकालने में जुटी हैं. स्थानीय प्रशासन ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जल्द से जल्द नुकसान और हताहतों का सही आंकड़ा जुटाया जाए और प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जाए. साथ ही आफ्टरशॉक्स पर भी नजर रखी जा रही है।

ईरान के खिलाफ फिर छिड़ेगी जंग? नेतन्याहू और ट्रंप के बीच संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर चर्चा

यरूशलम, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर ईरान को लेकर बातचीत हुई। इजरायल के सरकारी टीवी चैनल कान टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों नेताओं ने ईरान के खिलाफ फिर से सैन्य कार्रवाई शुरू करने की संभावना पर चर्चा की। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट में एक वरिष्ठ इजरायली अधिकारी के हवाले से कहा गया कि अगर ईरान के खिलाफ युद्ध दोबारा शुरू होता है, तो अमेरिका और इजरायल मिलकर हमला कर सकते हैं। इसके बाद प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। इस बैठक में उन सभी

मोर्चों पर चर्चा हुई, जहां इजरायल इस समय संघर्ष कर रहा है। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब ट्रंप ने ईरान को लेकर सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि 'ईरान के लिए समय तेजी से निकल रहा है। उन्हें जल्द फैसला लेना होगा, नहीं तो उनके पास कुछ भी नहीं बचेगा। गौरतलब है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले किए थे, जिसके बाद करीब 40 दिनों तक संघर्ष चला। बाद में 8 अप्रैल को ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच युद्धविराम पर सहमति बनी थी। युद्धविराम के बाद 11 और 12 अप्रैल को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधियों के बीच शांति वार्ता भी हुई थी। हालांकि, इन बातचीतों से कोई ठोस समझौता नहीं निकल सका। पिछले कुछ हफ्तों में पाकिस्तान की मध्यस्थता के जरिए दोनों पक्षों ने संघर्ष खत्म करने के लिए कई प्रस्तावों का आदान-प्रदान भी किया है। इस बीच ट्रंप ने फिर चेतावनी देते हुए कहा कि अगर तेहरान अमेरिका के साथ शांति समझौता नहीं करता, तो उसे 'बहुत बुरे हालात' का सामना करना पड़ेगा। फ्रांसीसी मीडिया से बातचीत में ट्रंप ने कहा, 'अगर ईरान समझौता नहीं करता, तो उसके लिए बहुत मुश्किल समय आने वाला है। उन्हें जल्द कोई डील कर लेनी चाहिए।' ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक एआई से बनाई गई तस्वीर भी साझा की, जिसमें वह अमेरिकी नौसेना के एक एडमिरल के साथ तूफानी समुद्र के सामने खड़े दिखाई दे रहे थे। तस्वीर पर लिखा था, 'तूफान से पहले का सन्नाटा।' इजरायली मीडिया के अनुसार, रविवार को ट्रंप और नेतन्याहू के बीच ईरान को लेकर बातचीत हुई थी। उसी दौरान नेतन्याहू अपने मंत्रिमंडल के साथ सुरक्षा बैठक भी कर रहे थे।

कनाडा में मिला पहला हंता वायरस संक्रमित मरीज, यात्री आइसोलेशन में; अलर्ट पर स्वास्थ्य एजेंसियां

ओटावा, एजेंसी। कनाडा में हंता वायरस संक्रमण का पहला मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य एजेंसियों में चिंता बढ़ गई है। पब्लिक हेल्थ एजेंसी ऑफ कनाडा (पीएचएसी) ने पुष्टि की है कि ब्रिटिश कोलंबिया में आइसोलेशन में रखे गए एक क्रूज यात्री की रिपोर्ट हंता वायरस पॉजिटिव आई है। स्वास्थ्य एजेंसी के अनुसार, संक्रमित व्यक्ति के सैंपल को विनिपेग स्थित नेशनल माइक्रोबायोलॉजी लैबोरेटरी भेजा गया था, जहां जांच के बाद शनिवार को संक्रमण की पुष्टि हुई। वहीं संक्रमित यात्री के साथ यात्रा कर रहे दूसरे व्यक्ति की रिपोर्ट निगेटिव आई है। पीएचएसी ने कहा कि फिलहाल कनाडा में कोई दूसरा मामला सामने नहीं आया है।

हालांकि संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए हाई-रिस्क लोगों को आइसोलेशन में रखा गया है और स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं। एजेंसी ने यह भी स्पष्ट किया कि आम लोगों के लिए फिलहाल खतरा कम है। यह संक्रमण पोलर एक्सपीडिशन क्रूज शिप एमवी होंडियस पर फैला था। इस जहाज पर अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक हंता वायरस का इनक्यूबेशन पीरियड एक से आठ सप्ताह तक हो सकता है। ब्रिटिश कोलंबिया की प्रांतीय स्वास्थ्य अधिकारी बोनी हेनरी ने बताया कि संक्रमित यात्री में बुखार और सिरदर्द जैसे हल्के लक्षण

दिखाई दिए थे। दो दिन पहले तबीयत बिगड़ने पर उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। फिलहाल मरीज को आइसोलेशन में रखकर इलाज किया जा रहा है।

नीदरलैंड पहुंचेगा संक्रमित क्रूज शिप : इस बीच नीदरलैंड सरकार ने जानकारी दी है कि हंता वायरस से प्रभावित एमवी होंडियस अगले सोमवार को रॉटरडैम पोर्ट पहुंचेगा। जहाज के अधिकांश क्रू मेंबर्स को छह सप्ताह तक क्वारंटीन में रखा जाएगा। डच सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि रॉटरडैम को शिपिंग से जुड़े संक्रामक रोगों से निपटने के लिए विशेष पोर्ट के रूप में चुना गया है। क्रूज शिप ऑपरेटर ओशनवाइड एक्सपीडिशन के मुताबिक फिलहाल जहाज पर 27 लोग मौजूद हैं। इनमें 25 क्रू सदस्य और दो मेडिकल स्टाफ शामिल हैं। जहाज पर मौजूद लोगों में फिलीपींस, नीदरलैंड, यूक्रेन, रूस और पोलैंड के नागरिक शामिल हैं। हंता वायरस एक दुर्लभ लेकिन गंभीर वायरल संक्रमण है, जो आमतौर पर संक्रमित चूहों और कृन्तकों के संपर्क में आने से फैलता है। इसके शुरुआती लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, शरीर दर्द और सांस लेने में तकलीफ शामिल हो सकती है।

तेल-एलपीजी के बाद अब इंटरनेट पर संकट? होर्मुज में किस नए हथियार के इस्तेमाल की तैयारी में ईरान

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच हालिया युद्ध के बाद से भारत समेत दुनिया के कई देशों में ईंधन संकट पैदा हो गया है। सप्लाई चेन ठप होने की वजह से आयात पर निर्भर देशों में एलपीजी से लेकर पेट्रोल डीजल तक के लिए हाहाकार मचा हुआ है। युद्ध शुरू हुए 2 महीने से ज्यादा का समय बीत गया है लेकिन यूएस और ईरान पीछे हटने को तैयार नहीं है जिसकी वजह से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज अब भी बंद पड़ा है। इस बीच ईरान अब एक ऐसे हथियार का इस्तेमाल कर सकता है, जिससे कई देशों में इंटरनेट ठप पड़ सकता है। होर्मुज को ब्लॉक करने के बाद, ईरान ने हाल ही में समुद्र के नीचे बिछी इंटरनेट केबल्स को हथियार बनाने की धमकी दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के नीचे बिछी उन केबल्स को निशाना बना सकता है, जिनके जरिए खाड़ी देशों, एशिया और यूरोप के बीच डेटा ट्रांसफर होता है। वहीं ईरान दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनियों से इन केबल्स पर 'टोल टैक्स' वसूलने की तैयारी में है। ईरानी रेवलूशनरी गार्ड्स से जुड़े मीडिया और सैन्य प्रवक्ता इब्राहिम जोलफघारी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इसकी धमकी दी। उन्होंने कहा, 'हम इंटरनेट केबल्स पर शुल्क लगाएंगे।

क्या है ईरान का प्लान : इस प्लान के मुताबिक ईरान गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और अमेजन जैसी दिग्गज कंपनियों से इन केबल्स के इस्तेमाल के लिए भारी-भरकम फीस वसूलेगा। वहीं इन अंडरसी केबल्स की मरम्मत और रखरखाव का काम विशेष रूप से केवल ईरानी कंपनियों को ही दिया जाएगा। ईरान का कहना है कि अगर टेक कंपनियों ने ईरानी कानून को नहीं माना, तो इस रूट के इंटरनेट ट्रैफिक को ठप किया जा सकता है।

होर्मुज के नीचे इंटरनेट लाइफलाइन : जानकारी के मुताबिक इस समुद्री रास्ते के नीचे कई अहम केबल सिस्टम सक्रिय हैं।

एएई-1 (एशिया-अफ्रीका-यूरोप 1): यह नेटवर्क दक्षिण-पूर्व एशिया को मिस्र के रास्ते यूरोप से जोड़ता है।

फाल्कन नेटवर्क: यह भारत और श्रीलंका को खाड़ी देशों, सूडान और मिस्र से जोड़ता है।

गल्फ ब्रिज इंटरनेशनल: यह पूरे खाड़ी क्षेत्र को आपस में जोड़ता है।

क्यों इतने महत्वपूर्ण हैं ये सबसी केबल्स : संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी 'इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन' के अनुसार, दुनिया का 99 फीसदी इंटरनेशनल इंटरनेट ट्रैफिक इन्हीं सबसी फाइबर-ऑप्टिक केबल्स के जरिए चलता है। ये केबल्स यूएई, कतर, बहरीन, कुवैत और सऊदी अरब जैसे देशों की डिजिटल लाइफलाइन हैं, जिन्होंने हाल के सालों में द्व और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर में अरबों डॉलर का निवेश किया है। जियो पोलिटिकल विश्लेषक माशा कोटकिन के मुताबिक, अगर इन केबल्स को नुकसान पहुंचता है, तो इंटरनेट की स्पीड कम हो सकती है, ऑनलाइन बैंकिंग ठप हो जाएगी और वैश्विक स्तर पर अरबों डॉलर का आर्थिक नुकसान हो सकता है। विशेषज्ञों का साफ कहना है कि केबल्स का फिलहाल कोई व्यावहारिक विकल्प नहीं है। टेलीकॉम रिसर्च फर्म 'टेलीग्राफी' के अनुसार, सैटेलाइट्स कभी भी सबसी केबल्स जितना भारी डेटा लोड नहीं संभाल सकते। एलन मस्क के 'स्टारलिंक' जैसे नेटवर्क एक सीमित समाधान तो हो सकते हैं, लेकिन करोड़ों यूजर्स का ट्रैफिक संभालना इनके बस की बात नहीं है। 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमलों के बाद पश्चिम एशिया में भीषण जंग छिड़ गई थी। दोनों देशों के बीच 8 अप्रैल को सीजफायर जरूर हुआ लेकिन स्थिति अब भी नहीं संभली है।

ये हैं जेईई मेन परीक्षा क्रैक करने के लिए जरूरी टिप्स

जेईई मेन एग्जाम की डेट नजदीक आ रही है। इस परीक्षा का पहला सेशन फरवरी के अंतिम सप्ताह में आयोजित किया जाएगा, जिसमें लाखों उम्मीदवार अपनी काबिलियत को आजमाएंगे। देश के टॉप इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिले के लिए होने वाली इस परीक्षा को देश की सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक माना जाता है। अगर आप भी इस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो आपको यहां पर हम जेईई मेंस की प्रिपरेशन प्लानिंग के बारे में पूरी जानकारी और टिप्स देंगे।

सिलेबस को समझ कर बनाएं प्लान

जेईई मेन की तैयारी के लिए छात्रों को प्रभावी प्लान बनाने की जरूरत पड़ेगी और इसमें मदद करेंगा परीक्षा का सिलेबस। सबसे पहले सिलेबस को समझे और इसके आसान और कठिन विषयों को ध्यान में रखकर अपनी प्रिपरेशन प्लानिंग बनाएं। अपनी क्षमता और स्पीड के आधार पर, तीनों विषयों को शामिल करते हुए एक डेली प्रिपरेशन प्लान बनाएं। इसका नियमित रूप से पालन भी करें।

बेहतर टाइम टेबल बनाएं

इस परीक्षा की तैयारी के लिए सही टाइम टेबल होना बहुत जरूरी है। टाइम टेबल को अपने परीक्षा पैटर्न को ध्यान में रखकर बनाएं। इस परीक्षा में उम्मीदवारों को 90 प्रश्नों में से 75 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पेपर की अवधि 3 घंटे है। प्रत्येक विषय में 20 एमसीक्यू और 10 न्यूमेरिकल प्रश्न होंगे, जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। एमसीक्यू के लिए, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1 अंक काटा जाएगा। वहीं, न्यूमेरिकल प्रश्नों में सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और इस खंड में कोई निगेटिव मार्किंग नहीं है।

मौजूदा टॉपिक को पूरा करें

इस परीक्षा के पहले अटेम्ट के लिए अब दो माह से कम समय बचा है। इसलिए तैयारी में आपको पूरा जोर लगाना पड़ेगा। अब समय आ गया है कि इस परीक्षा के प्रमुख टॉपिक को आप पूरा कर लें। उसके बाद दूसरे टॉपिक को शुरू करें। यह तरीका आगे चलकर आपके लिए महत्वपूर्ण पहलू साबित होगा, क्योंकि जेईई मेन की तैयारी के अंतिम चरण के दौरान, उम्मीदवारों को अधिक जोर नहीं लगाना पड़ेगा।

फ्लैश कार्ड तैयार करें

इस परीक्षा की तैयारी के लिए शॉर्ट नोट्स बनाना बेहद महत्वपूर्ण है। फ्लैशकार्ड और शॉर्ट नोट्स तैयार करने का उद्देश्य मुख्य परीक्षा के आयोजन में जब एक सप्ताह का समय बचा हो, उस समय अधिक से अधिक समय को बचाकर इनसे तैयारी कर सकें। इनसे उम्मीदवार जल्दी से इन शॉर्ट नोट्स और फ्लैश नोट्स के माध्यम से पढ़ाई कर सकेंगे और अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं को दोहरा सकेंगे।

सैंपल पेपर्स की प्रैक्टिस करें

जेईई मेंस परीक्षा की तैयारी के लिए लगातार सैंपल पेपर और प्रश्न पत्रों को हल करें। जेईई मेन प्रश्न पत्र को हल करने का उद्देश्य उम्मीदवारों को उनकी तैयारी के स्तर को जानने में सक्षम बनाना है। इससे, उम्मीदवार यह पता लगाने में सक्षम होंगे कि वे हर विषय में प्रत्येक प्रश्न को हल करने में कितना समय ले रहे हैं। साथ ही क्या वे अपने समय का उचित प्रबंधन कर पा रहे हैं या नहीं, यह समझ भी उनमें आएगी। जितना अधिक वे प्रश्नों को हल करेंगे, उन्हें पता चल जाएगा कि वे कौन से क्षेत्र हैं जिनमें उन्हें अधिक काम करना होगा ताकि परीक्षा के दिन कोई कठिनाई न आए। वे अपनी कमियों को दूर कर अपनी प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं।

लगातार मॉक टेस्ट दें

अब सभी परीक्षा के लिए मॉक टेस्ट बेहद जरूरी हो गया है। यह हमें परीक्षा से पहले असपल परीक्षा का एहसास कराता है। अगर आप जेईई मेन की तैयारी कर रहे हैं, तो प्रतिदिन एक मॉक टेस्ट जरूर देने की कोशिश करें। इससे जेईई मेन प्रवेश परीक्षा के दिन उम्मीदवारों को किसी तरह के प्रेशर का सामना नहीं करना पड़ेगा।

रिवीजन जरूर करें

सभी परीक्षा के लिए रिवीजन बहुत ही जरूरी है। इसके बिना परीक्षा को क्रैक नहीं कर सकते। इसलिए, उम्मीदवारों को समय रहते जो कुछ पढ़ा है उसे अच्छी तरह से दोहरा लेना चाहिए। इससे टॉपिक को याद करने में काफी मदद मिलेगी। आप जो भी टॉपिक पढ़े उसका हर सप्ताह रिवीजन भी करें। इससे आपको याद करते में मदद मिलेगी।

डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर संवारें अपना कॅरियर

डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। शरीर के अन्य भागों की तरह ही दांत भी मनुष्य के शरीर का एक अहम हिस्सा हैं। आमतौर पर ओरल हेल्थ का ख्याल रखना बेहद ही जरूरी माना जाता है और लोग इसका ख्याल रखते भी हैं। हालांकि दांतों व ओरल हेल्थ से संबंधित कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है और ऐसे में एक पेशेवर की जरूरत पड़ती है। वैसे जब ओरल हेल्थ को लेकर डॉक्टर का ख्याल आता है तो हम सभी डेंटिस्ट के पास जाना पसंद करते हैं। लेकिन अब, दंत चिकित्सा तेजी से बदल रही है, कई अवसरों और चुनौतियों का निर्माण कर रही है। दंत चिकित्सकों के रूप में मुख्य कॅरियर के अलावा, दंत चिकित्सा सहायक, डेंटल हाइजीन के क्षेत्र में भी आप कॅरियर के अवसर तलाश सकते हैं। तो चलिए आज हम जानते हैं कि डेंटल हाईजीनिस्ट बनकर आप अपना कॅरियर कैसे संवार सकते हैं–

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। डेंटल हाइजिनिस्ट अमूमन डेंटिस्ट को मरीजों के दांतों की देखभाल करने और अच्छे मौखिक स्वास्थ्य को मेंटेन रखने में रोगियों को शिक्षित करने में सहायता करते हैं। डेंटल हाइजीनिस्ट के कुछ अधिक विशिष्ट कर्तव्यों में दांतों से टार्टर और प्लाक को हटाना, दांतों की सुरक्षा के लिए फ्लोराइड या सीलेंट लगाना, एक्स–रे लेना और उचित मौखिक स्वच्छता पर मरीजों को शिक्षित करना शामिल है। हाइजीनिस्ट मरीजों को अपने दांतों की देखभाल के बारे में बात करने में समय बिताते हैं। वे लोगों को उन प्रभावों के बारे में शिक्षित करते हैं जो उनके आहार और जीवन शैली का उनके दांतों पर प्रभाव डालते हैं। साथ ही वे दांतों को स्वस्थ रखने के लिए तकनीकों और आदतों के बारे में बताते हैं।

शैक्षिक योग्यता

डेंटल हाइजीनिस्ट कोर्स को कई डेंटल कॉलेजों में डिप्लोमा या सर्टिफिकिट कोर्स के रूप में पेश किया जाता है। जो छात्र डेंटल हाइजीनिस्ट का कोर्स करना चाहते हैं, उन्हें 12वीं की परीक्षा भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान विषय में पास करना अनिवार्य है।

व्यक्तिगत योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, डेंटल हाइजीनिस्ट की आंखों की रोशनी, सुनने और संचार कौशल अच्छा होना चाहिए। किसी भी अन्य चिकित्सा क्षेत्र के साथ, उन्हें दूसरों की मदद करने की तीव्र इच्छा होनी चाहिए, और दंत चिकित्सकों के निर्देशों का बारीकी से पालन करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, अच्छा पारस्परिक कौशल, धैर्य, परिश्रम और उच्च स्तर की सटीकता एक अच्छा हाइजीनिस्ट होने के लिए आवश्यक कौशल हैं। एक टीम के रूप में काम करने की क्षमता भी इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

संभावनाएं ही संभावनाएं

दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बतौर डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर भी आप एक अच्छा कॅरियर देख सकते हैं। एक डेंटल हाईजीनिस्ट अस्पताल से लेकर कम्युनिटी डेंटल सर्विस के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा वे पीरियोडोंटिक्स या बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा में भी काम कर सकते हैं। डेंटल हाईजीनिस्ट डेंटल हॉस्पिटल, आर्म्ड फोर्स, पब्लिक हेल्थ सेक्टर व प्राइवेट रूप से भी प्रैक्टिस कर सकते हैं।

आमदनी

डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी उनकी शिक्षा, अनुभव व स्थान के आधार पर भिन्न होती है। एक डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी घंटे, दिन, सैलरी या कमिशन बेस पर हो सकती है। हालांकि इस क्षेत्र में एक फ्रेशर प्रति माह आठ से दस हजार रूपए वेतन प्राप्त कर सकता है।

प्रमुख संस्थान

- भारत इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- भारत यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- जया पैरामेडिकल कॉलेज एंड एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, हरियाणा
- लक्ष्मी बाई इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल, पटियाला

कृषि का अध्ययन करने के बाद एक सफल उद्यमी कैसे बनें

उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी। उद्यमिता आजकल हर जगह पाई जा सकती है। हर पेशे में एक उद्यमी क्षेत्र होता है। उस विशेष क्षेत्र में कृषि निश्चित रूप से बहुत अहम भूमिका निभाता है। उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी।

उद्यमिता क्षेत्र के किसान आजकल अपने खेतों को व्यवसाय मानते हैं और वे उन्हें ऐसा ही मानेंगे। वे जोखिम लेने के लिए तैयार हैं, वे नई और इनोवेटिव तकनीकों का इस्तेमाल करेंगे और सामान्य तौर पर वे अपनी सामर्थ्य के हिसाब से सब कुछ करेंगे जो उन विचारों के साथ आएंगे जो उनके लाभ को अधिकतम करेंगे, उनके प्रयास को कम करेंगे और उनके व्यवसाय को बढ़ाएंगे। आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए उद्यमियों की भूमिका को मान्यता देते हुए विश्वविद्यालय और कॉलेज स्तर में कई पाठ्य कार्यक्रमों ने छात्रों के उद्यमिता कौशल को विकसित करने के लिए एक विषय के रूप में उद्यमिता को शामिल किया है। हालांकि, मौजूदा समय में नौकरियों को भरने के लिए कॉलेज में इस विषय का अध्ययन करने वाले पर्याप्त छात्र नहीं हैं। और इसके परिणामस्वरूप सफल कृषि व्यवसाय चलाने के अनुभव वाले कम लोग ही होंगे।

कृषि–उद्यमी बनने के लिए जरूरी कदम

प्रक्रिया का पहला चरण– यदि उद्यमिता की अवधारणा के साथ खुद को परिचित करना है तो आपको यह समझने की आवश्यकता है कि उद्यमशीलता क्या है और यह आपके खेत को कैसे लाभ पहुंचा सकती है।

दूसरा कदम– कृषि की दुनिया के सभी नए नए विचारों के बारे में सीखना है। नई सामग्रियों और उर्वरकों से लेकर नई मशीनों और प्रौद्योगिकियों तक। इससे आपको अपने खेत को एक वास्तविक बड़े व्यवसाय के रूप में कल्पना करने में और उन सभी छोटी छोटी चीजों को व्यवस्थित करने में, जो आपको याद आ रही हैं, काफी मदद मिलेगी।

तीसरा कदम– एक साझेदारी बनाना है। एक उद्यमी के रूप में सफल होने के लिए ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी और आपको उन चीजों को प्रदान करने के लिए किसी की आवश्यकता भी संभवत: हो सकती है। उन लोगों के साथ सही साझेदारी बनाएं, जो आपके सपने और सफलता की महत्वाकांक्षा को साझा करते हैं।

चौथा कदम– कृषि के क्षेत्र में 'धमाकेदार' के साथ अपना नया 'स्टार्ट–अप' व्यवसाय शुरू करना है। आपको एक बहुत मजबूत और ठोस व्यवसाय योजना की आवश्यकता है। आपको कुछ जोखिम भी उठाने पड़ सकते हैं। यह जानना कि आप किस उद्देश्य से काम कर रहे हैं, सही व्यवसाय योजना बनाना बहुत कठिन काम नहीं है।

आपके लिए यह याद रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि साझेदारी आपके कृषि व्यवसाय के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यदि आप वास्तव में सफल उद्यमी बनना चाहते हैं तो आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप जो भी सहायता प्राप्त कर सकते हैं, उसका ठीक से उपयोग करेंगे।

कैसे बनाएं अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर

प्रत्येक स्थान का इतिहास हजारों पांडुलिपियों, अभिलेखों, शिलालेखों, दस्तावेजों आदि में अंतर्निहित है, इन अद्वितीय अभिलेखों को वैज्ञानिक रूप से संरक्षित और अभिलेखीय अभिलेख या आर्काइवल रिकॉर्ड्स कहा जाता है, जो किसी विशेष क्षेत्र और समाज के इतिहास को समझने में मदद करते हैं। आमतौर पर लोग म्यूजियम, आर्काइव्स और लाइब्रेरी को लेकर भ्रमित हो जाते हैं, क्योंकि ये सभी सांस्कृतिक संस्थाएं हैं, जो सांस्कृतिक विरासत के संग्रह और संरक्षण से संबंधित हैं। यह तीनों ही इतिहास को संरक्षित रखने में मदद करते हैं, लेकिन फिर भी इनमें अंतर है। जहां, संग्रहालय ऐतिहासिक कलाकृतियों और वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, वहीं पुस्तकालय में प्रकाशित पुस्तकों, पत्रिकाओं आदि को रखा जाता है, जबकि आर्काइव्स अभिलेखों पर ध्यान केंद्रित करने में माहिर हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बताते हैं कि अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर कैसे बनाएं–

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं। वे उन अभिलेखों का मूल्यांकन, संग्रह, आयोजन, संरक्षण और रखरखाव करते हैं, जिनके पास अतीत की विश्वसनीय यादों के रूप में स्थायी मूल्य होते हैं। वे ऐसे लोग हैं जो राष्ट्रीय और स्थानीय अभिलेखागार, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, व्यवसायों, आदि में दस्तावेजीकरण के लिए जिम्मेदार हैं, वे कानूनी, वित्तीय और प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए रिकॉर्ड को संरक्षित और सुलभ बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, अधिकांश कॉलेज और विश्वविद्यालय सूचना विज्ञान के साथ एक सहायक विषय के रूप में अभिलेखीय विज्ञान पढ़ाते हैं। वहीं, भारत में कुछ संस्थान ऐसे भी हैं, जो अभिलेखीय विज्ञान में सर्टिफिकिट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जैसे कि अभिलेखागार में पीजी प्रमाणपत्र, अभिलेखागार अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और अभिलेखागार और प्रबंधन और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि।

व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक आर्काइविस्ट में बेहतर कम्युनिकेशन स्किन के अलावा एनालिटकल एंड रिसर्च स्किल्स, प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स और आर्गेनाइजेशनल एबिलिटी होना बेहद जरूरी है। उन्हें धैर्य रखने के अलावा सटीक, पूरी तरह से समझने और क्या जानकारी रखने के बारे में अच्छे निर्णय लेने में सक्षम होने की आवश्यकता है। उन्हें एक सुव्यवस्थित और व्यवस्थित तरीके से काम करना चाहिए, जानकारी को निजी रखने और दबाव में अच्छी तरह से काम करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, एक आर्काइविस्ट को कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का भी सही तरह से इस्तेमाल करना आना चाहिए।

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं।

संभावनाएं

आर्काइविस्ट विभिन्न संगठनों जैसे संग्रहालयों, सरकारी एजेंसियों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों, औद्योगिक और वाणिज्यिक फर्मों, ऐतिहासिक सोसाइटी, निगमों और अन्य कई संस्था में काम कर सकते हैं। वहीं, सरकारी क्षेत्रों में रोजगार की तलाश करने वालों को संघ लोक सेवा आयोग या कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं को पास करना होगा। भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार, संस्कृति मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय, जो राष्ट्र के सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों और अभिलेखागार का प्रबंधन करता है, अपनी विभिन्न इकाइयों में योग्य उम्मीदवारों को नौकरी के विभिन्न अवसर प्रदान करता है।

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर शुरुआती वेतन 10000 रुपये से लेकर 15000 रुपये प्रति माह तक कमा सकता है। अनुभवी और योग्य पेशेवर प्रति माह लगभग 20,000 रुपये का वेतन प्राप्त कर सकते हैं। वहीं अनुभव बढ़ने के साथ–साथ आपकी आमदनी भी बढ़ती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल आर्काइव्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
- पटना यूनिवर्सिटी, पटना
- महर्षि दयानंद सरस्वती यूनिवर्सिटी, अजमेर
- द गांधीग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, तमिलनाडु

संक्षिप्त डायरी

साइबर ठगी के आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

बागपत (एजेंसी)। जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार ने बड़ौत के कपड़ा व्यापारी मुकुल जैन से 16.19 लाख रुपये की साइबर ठगी के आरोपी नितिन बिश्नोई निवासी कावेरी सोहम शिलाज जिला अहमदाबाद की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। पुलिस ने गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर साइबर ठगी का खुलासा किया था। बड़ौत के कपड़ा व्यापारी मुकुल निवासी बड़ौत ने 23 फरवरी को साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनका मोबाइल नंबर एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़कर शेयर बाजार में निवेश कर अच्छी कमाई करने का अज्ञात व्यक्ति ने लालच दिया था। इसके बाद मोबाइल पर लिंक भेजकर फर्जी एप डाउनलोड कराया था। निवेश के नाम पर विभिन्न बैंक खातों में 16,19,000 रुपये ट्रांसफर कराए। साइबर पुलिस की जांच में मोहित अग्रवाल निवासी सुकांता सोरानी, वार्ड 26, अनुराग प्रसाद निवासी भगत सिंह रोड, संतोषनगर, सिलीगुड़ी बाजार, विवेक कुमार गुप्ता निवासी पट्टी चौधरान निकट लक्ष्मीबाई प्राइमरी विद्यालय दार्जिलिंग (पश्चिमी बंगाल) के नाम प्रकाश में आए, जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इसमें वांछित आरोपी नितिन बिश्नोई ने न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका दायर कराई, जिसे जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार ने खारिज कर दिया।

आगरा विवि में फिर पकड़ी गई सामूहिक नकल, प्रशासन को सौंपी गई रिपोर्ट; पर्यवेक्षक बैठाया गया

एटा (एजेंसी) आगरा के डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में एक बार फिर सामूहिक नकल पकड़े जाने से हड़कंप मच गया है। प्रशासन ने मामले की रिपोर्ट लेकर संबंधित कॉलेज में पर्यवेक्षक तैनात करते हुए सख्त कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। सचल दल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अपनी रिपोर्ट विश्वविद्यालय प्रशासन को सौंप दी है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. ओमप्रकाश ने बताया कि रिपोर्ट के आधार पर सख्त कदम उठाए जाएंगे। जब तक कार्रवाई पूरी नहीं होती, तब तक के लिए संबंधित महाविद्यालय में एक पर्यवेक्षक तैनात किया गया है। सोमवार की घटना से पहले शनिवार को हुए निरीक्षण में भी तीन महाविद्यालयों में गंभीर अनियमितता सामने आई थीं। बीजीएल गर्ल्स डिग्री कॉलेज और आचार्य ताराचंद शास्त्री डिग्री कॉलेज में सामूहिक नकल पाई गई थी। इसके अतिरिक्त, माता सूरजमुखी गर्ल्स डिग्री कॉलेज में परीक्षा के दौरान मुख्य गेट बंद मिला और कक्ष निरीक्षक अनुपस्थित थे। इन सभी मामलों में भी विश्वविद्यालय प्रशासन को कार्रवाई के लिए रिपोर्ट भेजी गई थी। इन कॉलेजों में भी पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक ने स्पष्ट किया कि नकल के मामलों में कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी। विश्वविद्यालय प्रशासन सभी रिपोर्ट की समीक्षा कर रहा है। पर्यवेक्षक की तैनाती यह सुनिश्चित करेगी कि परीक्षा प्रक्रिया में कोई और गड़बड़ी न हो।

अमरनाथ यात्रा पर जा सकेंगे जैतपुर के 47 श्रद्धालु, पंजीकरण की हुई पुष्टि; जानें पूरा मामला

एटा (एजेंसी) जैतपुर के 47 श्रद्धालुओं की अमरनाथ यात्रा में आ रही बाधा मेडिकल परीक्षण रिपोर्ट के समाधान के बाद दूर हो गई है। जिला अस्पताल द्वारा डॉक्टरों की सूची भेजे जाने के बाद श्राइन बोर्ड ने पंजीकरण की पुष्टि कर दी, जिससे यात्रियों को राहत मिली है। अमरनाथ यात्रा के लिए श्राइन बोर्ड में पंजीकरण कराने वाले जैतपुर के 47 श्रद्धालुओं का चिकित्सीय परीक्षण जिला अस्पताल आगरा में हुआ था। बोर्ड ने चिकित्सीय परीक्षण रिपोर्ट पर सवाल उठाए थे। जिला अस्पताल में सुनवाई न होने पर मुख्यमंत्री से गुहार लगाने वाले श्रद्धालुओं की पीड़ा को अमर उजाला ने रविवार के अंक में प्रमुखता से उजागर कर जिम्मेदारों का ध्यान खींचा था। सोमवार को जिला अस्पताल से श्राइन बोर्ड के लिए ई-मेल से चिकित्सीय परीक्षण करने वाले चिकित्सकों की सूची भेज दी। जैतपुर के राजू नौपुत्र ने जनसुनवाई पोर्टल पर दर्ज कराई शिकायत में मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र में कहा था कि उन्होंने एवं राजू सिंह, कृष्ण कुमार, बृजेश कुमार, राजीव कुमार, अनिल कुमार महेरा आदि ने जिला अस्पताल आगरा में चिकित्सीय परीक्षण कराया था। अमरनाथ यात्रा के लिए आरक्षण भी करा लिया है। उन्होंने बताया कि अमरनाथ श्राइनबोर्ड ने चिकित्सीय परीक्षण रिपोर्ट पर आपत्ति उठाकर फोन कॉल पर कहा था कि जिला अस्पताल की ई-मेल आईडी से चिकित्सकों की सूची मिलने पर ही पंजीकरण संभव होगा। जैतपुर से 90 किमी दूर जिला अस्पताल में शनिवार को दिनभर भटकने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो सका था। उन्होंने मुख्यमंत्री से अमरनाथ यात्रा में आड़े आ रही समस्या के समाधान की गुहार लगाई थी। सोमवार को राजू नौपुत्र, सर्वेश मिश्रा, गुड्डू बिधौलिया, केके यादव, ओमवीर भदौरिया, बच्चू सिंह आदि जिला अस्पताल पहुंचे। जिला अस्पताल में डॉ. अजय यादव ने बताया कि श्राइन बोर्ड को ई-मेल पर परीक्षण करने वाले चिकित्सकों की सूची भेज दी है। श्राइन बोर्ड के अधिकारी वसीमदार ने जैतपुर के राजू नौपुत्र आदि को फोन कॉल पर डॉक्टरों की सूची मिलने एवं पंजीकरण की पुष्टि कर दी। प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुनीता राठौर ने बताया कि अमरनाथ यात्रा के लिए डॉ. अजय यादव को नोडल अधिकारी बनाने के साथ और ईएनटी, नेत्र रोग, हड्डी रोग और फिजीशियन विशेषज्ञों के पैनल बनाए हैं। इन चारों के हस्ताक्षर से ही प्रमाणपत्र जारी हो रहे हैं। इसकी सूची डीजीएमई कार्यालय भी भेजी थी। यहां से नोडल अधिकारी का ही नाम श्राइन बोर्ड को भेजा, बोर्ड के सदस्यों की सूची नहीं भेजी। जैतपुर के 47 लोगों ने फिटनेस प्रमाणपत्र सीधे श्राइन बोर्ड को भेज दिए, जिसमें नोडल के हस्ताक्षर नहीं होने पर इनको संदिग्ध बताया। श्राइन बोर्ड को इसकी रिपोर्ट और पैनल के अन्य सदस्यों के नाम भी भेज दिए हैं।

एलएलबी और एलएलएम में प्रवेश के लिए आवेदन 20 मई से, जानिए अंतिम तिथि

बरेली (एजेंसी) रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने सत्र 2026-27 के लिए एलएलबी और एलएलएम प्रवेश परीक्षाओं के ऑनलाइन आवेदन 20 मई से शुरू करने की घोषणा की है। इच्छुक विद्यार्थी 15 जून तक आवेदन कर सकते हैं। बरेली के रुहेलखंड विश्वविद्यालय की ओर से सत्र 2026-27 में एलएलबी (अनुदानित महाविद्यालय) व एलएलएम (विश्वविद्यालय परिसर एवं समस्त महाविद्यालय) की प्रवेश परीक्षा 2026 के लिए 20 मई से ऑनलाइन आवेदन शुरू किए जा रहे हैं। इच्छुक विद्यार्थी 15 जून तक आवेदन कर सकते हैं। गिने-चुने कॉलेजों में ही एलएलएम रुहेलखंड विश्वविद्यालय के दायरे में पहले नौ जिले आते थे। तब कॉलेजों की संख्या भी ज्यादा थी। मुरादाबाद विश्वविद्यालय बनने के बाद मुरादाबाद मंडल के कॉलेज वहां से जुड़ गए। इस समय विश्वविद्यालय कैंपस और एशियन लॉ कॉलेज नवाबगंज में ही एलएलएम उपलब्ध है। एलएलबी के कॉलेजों की संख्या भी बेहद कम हो गई है। शाहजहांपुर विश्वविद्यालय बनने के बाद एसएस कॉलेज में एलएलबी विश्वविद्यालय के दायरे से बाहर है। वर्तमान में बरेली कॉलेज, एशियन लॉ कॉलेज, पीलीभीत का हाफिज रहमत लॉ कॉलेज, आंवला के मोहन लॉ कॉलेज, बहेड़ी के जेएंडए कॉलेज, क्लासिक लॉ कॉलेज, सिल्वर लॉ कॉलेज आदि महाविद्यालयों में एलएलबी उपलब्ध है

कर्तव्यनिष्ठा की शपथ लेकर UP पुलिस में शामिल हुए 47 दरोगा, पासिंग आउट परेड में दिखा

मुरादाबाद (एजेंसी) मुरादाबाद स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर पुलिस अकादमी में 12 माह का प्रशिक्षण पूरा करने के बाद 47 दरोगा यूपी पुलिस में शामिल हो गए। इनमें 44 मृतक आश्रित कोटे से नियुक्त हुए हैं। डीजी ट्रेनिंग राजीव सभरवाल ने परेड का निरीक्षण कर सभी को कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। डॉ. भीमराव आंबेडकर पुलिस अकादमी में पिछले 12 माह से प्रशिक्षण ले रहे 47 प्रशिक्षु दरोगाओं का मंगलवार को प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा हो गया। भव्य पासिंग आउट परेड के साथ सभी प्रशिक्षुओं ने कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और जनता की सेवा के संकल्प के साथ उत्तर प्रदेश पुलिस का हिस्सा बन गए। पासिंग आउट परेड में अनुशासन, उत्साह और गर्व का माहौल देखने को मिला। परेड में शामिल 47 प्रशिक्षु दरोगाओं में 44 मृतक आश्रित कोटे से नियुक्त हुए हैं, जबकि तीन दरोगा ऐसे रहे जो पिछली यूपी पुलिस दरोगा भर्ती के दौरान किसी कारणवश अपना प्रशिक्षण पूरा नहीं कर सके थे। अब प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद सभी को औपचारिक रूप से पुलिस विभाग में शामिल कर लिया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे डीजी ट्रेनिंग राजीव सभरवाल ने परेड का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रशिक्षु दरोगाओं की टुकड़ियों से सलामी ली और उनके अनुशासन व प्रशिक्षण की सराहना की। इसके बाद उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं को शपथ दिलाई। शपथ के दौरान दरोगाओं ने संविधान के प्रति निष्ठा रखते हुए निष्पक्षता और ईमानदारी से ड्यूटी निभाने का संकल्प लिया। डीजी ट्रेनिंग ने कहा कि पुलिस की वर्दी केवल अधिकार नहीं बल्कि बड़ी जिम्मेदारी भी है। जनता की सुरक्षा, कानून व्यवस्था बनाए रखना और पीड़ितों को न्याय दिलाना पुलिसकर्मियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान सीखी गई अनुशासन और कार्यशैली को सेवा काल में भी बनाए रखना जरूरी है। प्रशिक्षण के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं को सम्मानित भी किया गया। आउटडोर प्रशिक्षण में अंकित यादव ने टॉप किया, जबकि सर्वोच्च सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु का सम्मान अंकित हरमोहन यादव को मिला। दोनों को डीजी ट्रेनिंग ने प्रशस्ति चिह्न देकर सम्मानित किया। समारोह के दौरान प्रशिक्षु दरोगाओं के परिवार के लोग भी मौजूद रहे। अपने बेटों और बेटियों को पुलिस की वर्दी में परेड करते देख परिजनों की आंखों में गर्व और खुशी साफ नजर आई। परेड समाप्त होने के बाद प्रशिक्षुओं ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ फोटो खिंचवाए और खुशी साझा की। पूरे कार्यक्रम के दौरान अकादमी परिसर में सुरक्षा और व्यवस्थाओं के पुख्ता इंतजाम रहे। पुलिस अधिकारियों और प्रशिक्षकों ने भी सफल प्रशिक्षण पूर्ण करने पर सभी प्रशिक्षु दरोगाओं को शुभकामनाएं दीं।

वाटर पाक म दख कस डूब गया 8 वषाय मासूम

एटा (एजेंसी) गांव सकतपुर और पाली सदर के पास स्थित तेवतिया वाटर पार्क में डूबकर आठ वर्षीय बालक की मौत के मामले में पुलिस ने वाटर पार्क मालिक और स्टाफ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। मृतक के पिता ने प्रबंधन पर लापरवाही बरतने और तलाश के दौरान मदद नहीं करने का आरोप लगाया है। आगरा के थाना किरावली क्षेत्र के गांव सकतपुर और पाली सदर के पास स्थित तेवतिया वाटर पार्क में डूबकर आठ वर्षीय बालक की मौत के मामले में पुलिस ने वाटर पार्क मालिक और स्टाफ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। मृतक के पिता ने प्रबंधन पर लापरवाही बरतने और तलाश के दौरान मदद नहीं करने का आरोप लगाया है। थाना शाहगंज के अजीत नगर, खेरिया मोड़ निवासी रोबिन सिंह ने प्राथमिकी दर्ज कराते हुए बताया कि वह रविवार (17 मई) को अपनी पत्नी नीलम, दो बच्चों और रिश्तेदारी के तीन बच्चों के साथ तेवतिया वाटर पार्क घूमने आए थे। वह छोटे बच्चे को शौचालय ले गया। रोबिन सिंह के अनुसार जब वह वापस लौटा तो मनित वहां नहीं मिला। परिजन ने काफी देर तक उसकी तलाश की और वाटर पार्क स्टाफ से मदद मांगी, लेकिन किसी ने गंभीरता से सहयोग नहीं किया। आरोप है कि कर्मचारियों ने यह कहकर टाल दिया कि बच्चा बाहर निकल गया होगा। बाद में मनित पानी में डूबा मिला। पीड़ित पिता ने आरोप लगाया कि वाटर पार्क मालिक और कर्मचारियों की लापरवाही के कारण उनके बेटे की जान गई है। वहीं, नायब तहसीलदार किरावली राजपाल सिंह ने सोमवार शाम को वाटर पार्क पहुंच कर घटना की जानकारी ली। थाना किरावली के प्रभारी निरीक्षक सत्यवीर सिंह ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। लॉकर से नकदी और मोबाइल हुआ चोरी 15 दिन पूर्व पांच मई को एत्माद्दौला के रामबाग निवासी सनी अपने मित्रों के साथ वाटर पार्क घूमने पहुंचे थे। आरोप है कि उन्होंने 28 हजार रुपये, मोबाइल और अन्य सामान लॉकर में रखा था, लेकिन लौटने पर सामान गायब मिला। शिकायत पर सीसीटीवी फुटेज खंगाली गई, जिसमें एक संदिग्ध व्यक्ति लॉकर से सामान निकालता दिखाई दिया था।

जानें पुलिस कमिश्नर को क्यों करनी पड़ी सराफा कारोबारियों संग बैठक

एटा (एजेंसी) आगरा में सराफा कारोबारियों के साथ बैठक में पुलिस कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि सोना खरीद पर कोई रोक नहीं है, लेकिन वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए संयम बरतने की अपील की गई है। कारोबारियों ने टर्नओवर और जीएसटी को लेकर चिंता जताई, जिस पर प्रशासन ने सहयोग का आश्वासन दिया है। सोना खरीद पर कोई पाबंदी नहीं है। वैश्विक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर पीएम ने सोना खरीद में धैर्य रखने की अपील की है। इसलिए पुराने सोने से नए आभूषण बनवाने के लिए सराफ ग्राहकों को प्रेरित करें। ये बात सोमवार को पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार ने कार्यालय पर आयोजित बैठक में सराफा कारोबारियों से कही। सराफा कारोबारियों ने भी पीएम की अपील का समर्थन किया। श्रीसराफा कमेटी के अध्यक्ष धन कुमार जैन ने मुद्दा उठाया कि यदि सोना व चांदी की बिक्री घटने से टर्नओवर प्रभावित होगा तो कारोबारियों के पास आयकर और जीएसटी के नोटिस पहुंचेंगे। एडिशनल कमिश्नर ग्रेड-1 जीएसटी पंकज गांधी ने सेल कम दिखाने पर कोई कार्रवाई नहीं किए जाने का आश्वासन दिया। पवन दौनेरिया ने कहा पीएम की अपील के बाद कारोबारियों के साथ मजदूर भी प्रभावित होंगे।आर्थिक असमानता बढ़ेगी। सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष नितेश अग्रवाल ने कारीगरों के माल हड़पे जाने और पुलिस का सहयोग नहीं मिलने की बात कही। इस संबंध में पुलिस आयुक्त ने सराफा कारोबारियों के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने सराफा कारोबारियों की समस्याओं और चिंताओं को शासन तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। बैठक में डीसीपी ट्रैफिक सोनम कुमार, व्यापार मंडल अध्यक्ष टीएन अग्रवाल, संजय अरोरा, डीपी गोयल, विजय सामा, बृजमोहन

सुबह से झुलसाने लगी धूप, पारा चढ़ने की चेतावनी, 44 डिग्री तक पहुंच सकता है तापमान

मेरठ (एजेंसी) सुबह होते ही तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान 44 डिग्री तक पहुंच सकता है और लू की स्थिति और गंभीर हो सकती है। मंगलवार को दिन निकलते ही भीषण गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए। सुबह के समय से ही तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया, जिससे जनजीवन प्रभावित नजर आया। सूरज निकलते ही तापमान में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की गई और दोपहर तक हालात और गंभीर होने के आसार जताए जा रहे हैं। सड़कों पर सुबह से ही गर्मी का असर दिखाई देने लगा। लोग तेज धूप से बचने के लिए सिर ढककर और पानी की बोतल साथ लेकर घर से निकलते नजर आए। 44 डिग्री तक पहुंच सकता है तापमान कृषि विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. यूपी शाही के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। उनका कहना है कि अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है, जबकि न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक बना रह सकता है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार पश्चिमी उत्तर प्रदेश में फिलहाल वर्षा के कोई संकेत नहीं हैं। ऐसे में तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण गर्मी का असर और अधिक बढ़ने की आशंका है। दोपहर के समय सड़कों पर आवाजाही कम हो रही है और बाजारों में भी सन्नाटा देखने को मिल रहा है। लोगों को सावधानी बरतने की सलाह डॉक्टरों ने भीषण गर्मी को देखते हुए लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि बिना आवश्यकता के घर से बाहर न निकलें और अधिक से अधिक पानी का सेवन करें। इसके साथ ही हल्के और सूती कपड़े पहनने की सलाह भी दी गई है। विशेषज्ञों के अनुसार बच्चों और बुजुर्गों को गर्मी से बचाने के लिए खास ध्यान देने की आवश्यकता है। खेती पर भी पड़ सकता है असर तेज गर्मी का असर कृषि क्षेत्र पर भी दिखाई देने लगा है। बढ़ते तापमान का फसलों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को समय पर सिंचाई करने और फसलों की देखभाल पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि यदि तापमान इसी तरह बढ़ता रहा तो आने वाले दिनों में लू की स्थिति और गंभीर हो सकती है। ऐसे में प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग भी सतर्क नजर आ रहे हैं ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके।

वाराणसी शहर में चलेंगी 250 नई सिटी बसें, स्मार्ट बस शेल्टर बनाएगा वीडीए; जानें- क्या है पूरा प्लान

वाराणसी (एजेंसी) इलेक्ट्रिक बसों के लिए बनने वाले चार्जिंग स्टेशन सारनाथ और परेड कोठी के संबंध में भी निर्देश दिए गए। मंडलायुक्त ने सभी विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर जनहित में प्रभावी परिवहन व्यवस्था विकसित करने को कहा। मंडलायुक्त एस. राजलिंगम की अध्यक्षता में सोमवार को सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड बोर्ड की बैठक हुई। इसमें बताया गया कि 250 नई सिटी बकें चलाई जाएंगी। इसमें से 175 बसों के संचालन के लिए भूमि उपलब्ध कराने हेतु नगर आयुक्त को अधिकृत किया गया है। स्मार्ट बस शेल्टर बनाए जाने के लिए वीडीए उपाध्यक्ष ने एक माह के भीतर निर्माण कार्य पूरा कराने का आश्वासन दिया। आने वाली 250 नई सिटी बसों के मार्गों का निर्धारण करने हेतु एडीसीपी (यातायात) को अधिकृत किया गया है। बैठक में बताया गया कि यूपीआई पेमेंट के माध्यम से छह लाख रुपये प्राप्त हुए हैं। यूपीआई के जरिये लगभग 14 हजार लोग प्रतिमाह भुगतान कर रहे हैं। बैठक में मिजार्मुराद से बाबतपुर, मार्कंडेय महादेव और डीडीयू तक चलाई जा रही सिटी बसों का अनुमोदन किया गया। काशी दर्शन बस सेवा को आईआरसीटीसी से जोड़ने का भी निर्णय लिया गया। इलेक्ट्रिक बसों के लिए बनने वाले चार्जिंग स्टेशन सारनाथ और परेड कोठी के संबंध में भी निर्देश दिए गए। मंडलायुक्त ने सभी विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर जनहित में प्रभावी परिवहन व्यवस्था विकसित करने को कहा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन को बेहतर परिवहन सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु सभी योजनाओं का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में वीडीए वीसी पूर्ण बोरा, नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल, एडीसीपी ट्रैफिक अंशुमान समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

45 डिग्री तापंमान के साथ देश के 10 सबसे गर्म शहरों में काशी, लू ने बढ़ा दिए धूप के तेवर

वाराणसी (एजेंसी) वाराणसी में चिलचिलाती गर्मी और धूप ने लोगों को बेहाल कर दिया है। सोमवार को देश के शीर्ष 10 गर्म शहरों में भी काशी शुमार रही, वहीं प्रदेश का चौथा सबसे गर्म शहर बन गया। काशी में सोमवार को झुलसाने वाली धूप का कहर बरपा। वर्ष 2016 के बाद पांचवीं बार मई में काशी इतनी ज्यादा तपी। सीजन में पहली बार इतनी तीखी धूप पड़ी। दोपहर में नावों का संचालन ठप हो गया। सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक शहर की सड़कों से आंच निकलती रही। सोमवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 4.4 डिग्री अधिक 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली लू ने धूप के तेवर और बढ़ा दिए। न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। देश के शीर्ष 10 गर्म शहरों में भी काशी शुमार रही, वहीं प्रदेश का चौथा सबसे गर्म शहर बन गया। बीते 10 वर्षों में पांचवीं बार मई में काशी का तापमान 45 डिग्री तक पहुंचा है। अब अगले चार से पांच दिन काशीवासियों के लिए बेहद गर्म रहने वाले हैं। 19 से 21 मई तक भीषण लू का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने लोगों के मोबाइल फोन पर भी चेतावनी संदेश जारी किया है। यूपी आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अतुल कुमार सिंह के अनुसार, पूर्वी उत्तर प्रदेश में चक्रवाती हवा की स्थिति बनी हुई है। वहीं ईरान के उत्तर के आसपास पश्चिमी विक्षोभ चक्रवाती परिसंचरण के रूप में सक्रिय हो गया है। इस सीजन में अब सबसे ज्यादा गर्म दिन पड़ने वाले हैं। लू की गति और तेज होने के आसार हैं। काशी विश्वनाथ के दर्शन पथ पर बिछा जूट मैट गर्मी के बीच सोमवार को श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और उन्हें घंटों लाइन में लगना पड़ा। हालांकि मंदिर प्रशासन की ओर से भक्तों की सहूलियत के लिए दर्शन पथ पर जूट मैट बिछाई गई, जिससे उनके पांव न जलें। श्रद्धालुओं को ठंडा वातावरण उपलब्ध कराने के लिए फुहारे युक्त पंखे भी लगाए गए हैं। मंदिर की ओर जाने वाले रास्तों पर भी फुहारों वाले वाहन चलाए गए।

ममता पर भारी पड़ा रुपये-जेवर का लालच, जंगल में बेटे ने दबा दिया मां का गला

कानपुर (एजेंसी) शीतलखेड़ा गांव में छोटे बेटे ने रुपये और चांदी के जेवर के लालच में अपनी वृद्ध मां की जंगल में गला दबाकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई हैं। उन्नाव जिले के नवाबगंज में जंगल में लकड़ी लेने गई वृद्ध महिला की रविवार को छोटे बेटे ने रुपये और जेवर के लालच में गला दबाकर हत्या कर दी। दूसरे दिन जंगल से शव बरामद होने के बाद वह घर से भाग गया। बड़े बेटे ने छोटे भाई के खिलाफ मां की हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई है। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के शीतलखेड़ा गांव निवासी रामेशन ने पुलिस को बताया कि मां रामदुलारी (67) घर में अकेले रहती थीं। चार बेटों में रामकेशन, हरिश्चंद्र, राकेश और बिंदा प्रसाद हैं। सभी गांव में ही अलग-अलग घर बनाकर रहते हैं। रविवार की दोपहर मां खाना बनाने के लिए लकड़ियां तोड़ने गांव के बाहर जंगल में गई थीं।जंगल में पड़ा मिला मां का शव उनके साथ भाई बिंदा प्रसाद भी गया था। बिंदा प्रसाद करीब एक घंटे बाद जंगल से अकेला घर आ गया। मां नहीं आईं। देर रात तक जब मां घर नहीं लौटीं, तो उनकी तलाश शुरू की गई। रातभर तलाश करने के बाद भी सुराग नहीं मिला। सोमवार सुबह गांव से करीब एक किलोमीटर दूर जंगल में मां का शव पड़ा मिला। शरीर पर चोट के निशान के साथ गले में भी निशान मौके पर पहुंचे, तो देखा मां के शरीर पर चोट के निशान के साथ गले में भी निशान था। बिंदा प्रसाद शव मिलने के बाद से लापता है। घटना की सूचना पर पुलिस ने फील्ड यूनिट टीम के साथ जांच की और शव का पोस्टमार्टम कराया। उसमें गला दबाकर हत्या करने के साथ मारपीट के चोटों के निशान मिले हैं। जेवर और रुपयों को लेकर हत्या रामकेशन ने बताया कि आरोपी भाई बिंदा प्रसाद की शादी हो चुकी है। उसकी पत्नी संगीता, बेटा कृष्णा और बेटी जाह्नवी है। कोतवाल सुरेश सिंह ने बताया कि जेवर और रुपयों को लेकर हत्या करने की बात सामने आई है। मृतका के बेटे रामकेशन की तहरीर पर आरोपी बिंदा प्रसाद के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। चार बेटे होने के बाद भी दुश्वारियों भरा जीवन जी रही थीं रामदुलारी चार बेटे होने के बाद भी रामदुलारी अकेली रहती थीं। पड़ोस में ही चारों बेटे अपने-अपने परिवार के साथ रहते हैं लेकिन वृद्ध मां को कोई भी खाना नहीं देता था। वह खुद ही खाना बनाकर खाती थीं। बेटे रामकेशन के मुताबिक मां के पास बहुत कुछ नहीं था। चांदी के कुछ जेवर और बमुश्किल दो से चार हजार रुपये होंगे। बच्चों और बहुओं की बातें न सुननी पड़ें। इस कारण वह खुद अपना सब काम करती थीं। उसके बाद भी बेटे बिंदा प्रसाद ने उन्हें नहीं छोड़ा। खुद कमाने के बजाय मां के पास जो था उसे हड़पने के लिए मां को मौत के घाट उतार दिया।

मुम्बई को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी केकेआर

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम बुधवार को यहां अपने घरेलू मैदान इडन गार्डन में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज कर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी। इस मैच में अगर केकेआर हारती है तो वह टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। आजिंक्य रहाणे की कप्तान में उतरी केकेआर की राह आसान नहीं होगी क्योंकि मुम्बई की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है और अब वह बिना किसी दबाव के निडर होकर खेलेगी। मुम्बई इस मैच को जीतकर टूर्नामेंट का अपना सफर सम्मानजनक तरीके से समाप्त करना चाहेगी। उसके पास खोने को कुछ नहीं है, ऐसे में इस मैच में पूरा दबाव केकेआर पर रहेगा।

अगर इस मैच में केकेआर हार जाती है, तो रहाणे के नेतृत्व में लगातार दूसरे सत्र में वह प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायेगी हालांकि मुंबई के खिलाफ जीत भी केकेआर के लिए पर्याप्त नहीं होगी। प्लेऑफ के लिए उसे लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब किंग्स के बीच होने वाले मैच के परिणाम पर भी नजर रखनी होगी। अगर पंजाब वह मैच जीत जाता है तो केकेआर प्लेऑफ से बाहर हो जाएगी। ऐसे में वह चाहेगी कि सुपर जायंट्स ये मैच जीते।

केकेआर की बल्लेबाजी कप्तान रहाणे, फिन एलन अंगकृष रघुवंशी और कैमरन पर निर्भर है। एलन ने अपनी पिछली तीन पारियों में एक शतक और 93 रन की तूफानी पारी खेली है। अंगकृष और ग्रीन ने भी अच्छा खेला है। रिंकू सिंह ने अब तक मध्यक्रम को अच्छे तरीके से संभाला है। गेंदबाजी की जिम्मेदारी मथीशा पथिराना और वरुण चक्रवर्ती पर रहेगी। टीम के लिए हालांकि चिन्ता की बात वरुण की फिटनेस रहेगी। वरुण अगर इस मैच में नहीं खेलते तो ये टीम के लिए झटका होगा।

वहीं दूसरी ओर कप्तान हार्दिक पंड्या लीग के इस अंतिम मैच में जीत के साथ ही अपना मनोबल बढ़ना चाहेंगी। वह चोट के कारण पिछले तीन मैच नहीं खेल पाए थे पर उनके इस मैच में खेलने की पूरी संभावना है। हार्दिक का प्रदर्शन हालांकि अबतक गेंद और बल्ले से अच्छा नहीं रहा है। वह आठ पारियों में केवल 146 रन बना पाये हैं। गेंदबाज में केवल चार विकेट ले पाये हैं। बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भी अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और उनकी भी लक्ष्य इस मैच में बड़ी पारी खेलना होगा। टीम की गेंदबाजी ट्रेंट बोल्ट, कॉर्बिन बॉश के पास रहेगी।

आंकड़ों पर नजर डाले तो अब तक दोनो के बीच 36 मैच हुए हैं। जिसमें से 25 मुम्बई और 11 केकेआर ने जीते हैं। कोलकाता ने पांच जीत और एक मैच का परिणाम नहीं निकलने के कारण 11 अंक हासिल किये हैं और वह अंकतालिका में आठवें नंबर पर है। वहीं मुम्बई ने चार मैच जीतकर आठ अंक हासिल किये हैं और वह नौवें स्थान पर है।

टीम इस प्रकार है

कोलकाता नाइट राइडर्स : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), कैमरून ग्रीन, मनीष पांडे, रिंकू सिंह, सुनील नरेन, अनुकूल रॉय, वरुण चक्रवर्ती, सौरभ दुबे, कार्तिक त्यागी, इम्पैक्ट प्लेयर- मथीशा पथिराना

मुंबई इंडियंस : हार्दिक पंड्या (कप्तान), रायन रिकेल्टन (विकेटकीपर), नमन धीर, तिलक वर्मा, शेरफेन रदरफोर्ड, विल जैक्स, कॉर्बिन बॉश, दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, रघु शर्मा, इम्पैक्ट प्लेयर- रोहित शर्मा

रैना को अगले साल भी धोनी के आईपीएल खेलने की उम्मीदें

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पांच बार खिताब जिताने वाले महेन्द्र सिंह धोनी आईपीएल के 19 वें सत्र में आखिरकार पहली बार 18 मई को चेपॉक स्टेडियम में नजर आये। धोनी का आना प्रशंसकों और और टीम के लिए एक भावुक पल रहा। धोनी इस सत्र में फिट नहीं होने से कारण अब तक बाहर थे। यह सीएसके का अपने घरेलू मैदान पर अंतिम मैच था, इसलिए ये भी कहा जाने लगा कि अब धोनी अगले सत्र में नहीं दिखेंगे। जिस प्रकार से धोनी ने टीम के अन्य खिलाड़ियों के साथ मैदान का चक्कर लगाकर अपने प्रशंसकों का अभिवादन किया। उससे भी इस बात को बल मिला कि उनकी आईपीएल से विदायी हो गयी है हालांकि सीएसके में उनके साथी रहे सुरेश रैना को ऐसा नहीं लगता। रैना के भरोसे की वजह ये है कि धोनी ने आधिकारिक तौर पर संन्यास की घोषणा नहीं की है। रैना अभी आईपीएल में कमेंट्री पैनल का हिस्सा हैं। उनकी और धोनी की एक साथ मौजूदगी ने सीएसके फैंस में जबरदस्त जोश भर दिया था। इसी दौरान , रैना ने धोनी के रिटायरमेंट को लेकर किए गए अपने संवाद का खुलासा किया। उन्होंने बताया, मैंने उनसे कहा कि आईपीएल 2024 केवल एक मिस्ड कॉल था, जिसे मैं नहीं गिनता। आपको अगले साल फिर से वापस आना होगा। रैना के अनुसार, धोनी ने जवाब में कहा, मेरा शरीर अब थोड़ा कमजोर पड़ रहा है। इस पर रैना ने कहा, हम सब इसमें विश्वास नहीं रखते हैं। आपको अगले साल खेलना ही होगा। रैना ने इस बातचीत को सकारात्मक बताया और कहा कि उन्हें लगा कि धोनी की तरफ से यह एक अच्छा संकेत था। उन्होंने आगे कहा कि पूरी टीम भी यही चाहती है कि वह अगले साल मैदान पर उतरें। रैना के इस खुलासे ने करोड़ों सीएसके प्रशंसको में नई उम्मीद जगा दी है, जो अपने चहेते कप्तान को एक और सत्र के लिए खेलते हुए देखना चाहते हैं। हालांकि धोनी ने खुद इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है

सीएसके के खिलाफ जीत के बाद आरसीबी, गुजरात के बाद सनराइजर्स भी प्लेऑफ में पहुंची

चेन्नई (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद ने यहां हुए आईपीएल 2026 के मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को हराकर प्लेऑफ में जगह बना ली है। इस मैच में

सनराइजर्स हैदराबाद की जीत के साथ ही अंक तालिका में काफी बदलाव आया है। आरसीबी की टीम 18 अंकों के साथ पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने में सफल रही है। वहीं गुजरात टाइटंस 16 अंकों के साथ क्वालीफाई कर लिया है और सनराइजर्स हैदराबाद भी 16 अंकों के साथ क्वालीफाई कर चुकी है। पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है और राजस्थान रॉयल्स 12 अंकों के साथ पांचवें नंबर पर है। वहीं, सीएसके की टीम के भी 12 अंक हैं और वह छठवें स्थान पर बनी हुई है। दिल्ली कैपिटल्स के भी अब 12 अंक हैं और वह सातवें स्थान पर है। वहीं केकेआर 11 अंकों के साथ आठवें नंबर पर है। अंक तालिका में पहले ही मुंबई इंडियंस बाहर हो गयी है और वह आठ अंकों के साथ नवे स्थान पर है, वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स भी 8 अंकों के साथ ही कम रन रेट के कारण दसवें स्थान पर है।

हेनरिक क्लासेन ऑरेंज कैप की रेस में नंबर वन बने

सीएसके के खिलाफ 47 रनों की पारी के साथ ही हेनरी क्लासेस कुल 555 रन बनाकर ऑरेंज कैप की रेस में नंबर ए पर पहुंच गये हैं। वहीं पर्पल कैप की रेस में अभी भी भुवनेश्वर कुमार शीर्ष पर बने हुए हैं।

शुभमन की कप्तानी में अफगानिस्तान के खिलाफ उतरेगी भारतीय क्रिकेट टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाली आगामी बहु-प्रारूपीय श्रृंखला के लिए भारतीय टीम के खिलाड़ियों की घोषणा कर दी है। रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या, दोनों ही वनडे अंतरराष्ट्रीय (ओडीआई) टीम का हिस्सा हैं, लेकिन उनकी उपलब्धता सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से फिटनेस क्लीयरेंस मिलने पर निर्भर करेगी। केएल राहुल को टेस्ट टीम का नया उप-कप्तान बनाया गया है, जबकि ऋषभ पंत को विकेटकीपर की विशेष भूमिका सौंपी गई है।

हर्ष दुबे (विदर्भ) और गुरनूर बराड़ (पंजाब) को पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है और दोनों ही पूरी श्रृंखला में खेलेंगे। मानव सुथार को भी टेस्ट टीम में जगह मिली है। वहीं, रवींद्र जडेजा को दोनों टीमों ने नजरअंदाज कर दिया है।

मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने जडेजा की अनुपस्थिति पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि अनुभवी ऑलराउंडर को सिर्फ आराम दिया गया है, क्योंकि दुबे और सुथार जैसे युवा खिलाड़ियों को सीरीज में मौका मिलने की संभावना है।

यह सीरीज 6 जून से शुरू होगी, जो आईपीएल 2026 के समापन के एक सप्ताह से भी कम समय बाद है। अक्षर पटेल भी दोनों प्रारूपों की टीमों से बाहर हैं। अगरकर ने आगे कहा कि शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम युवाओं को मौका देना चाहती है, क्योंकि 2027 वनडे विश्व कप में अभी 15-16 महीने बाकी हैं। अगरकर ने चयन समिति की बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि बुमराह इंग्लैंड दौरे पर वापसी करेंगे। वह अपने कार्यभार प्रबंधन पर काम कर रहे हैं। स्पिन गेंदबाज मानव सुतार और तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को पहली बार टेस्ट टीम में चुना गया है। दोनों आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिये खेलते हैं। वनडे टीम में प्रिंस यादव को जगह मिली है।

टेस्ट टीम : शुभमन गिल (कप्तान),यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साइ सुदर्शन, ऋषभ पंत, देवदत्त पडिक्कल, नीतिश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुतार, गुरनूर बरार, ध्रुव जुरेल और हर्ष दुबे।

वनडे टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, ईशान किशन, हार्दिक पंड्या, नीतिश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बरार और हर्ष दुबे।

कोच फ्लेमिंग ने सीएसके की हार के लिए कप्तान रुतुराज को जिम्मेदार बताया

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ लीग मैच में मिली हार पर निराशा जतायी है। इस हार से सीएसके के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। सीएसके को अब केवल एक मैच खेलना है। फ्लेमिंग ने हार के लिए कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के खराब प्रदर्शन को जिम्मेदार बताया है और कहा है कि वह उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये। बल्लेबाजी के दौरान वह रन नहीं बना पाये। उनकी कप्तानी भी अच्छी नहीं रही। सनराइजर्स के खिलाफ इस मैच में गायकवाड़ ने 21 गेंदों में केवल 15 रन बनाए। हैरानी की बात ये रही कि वह पारी शुरु करने के बाद भी एक भी चौका नहीं लगा पाये। किसी भी सलाकी बल्लेबाज से ऐसे प्रदर्शन की अपेक्षा नहीं की जाती। वहीं उनके जोड़ीदार संजू सैमसन ने 13 गेंदों में तेजी से 27 रन बनाये। इस पूरे सत्र में गायकवाड़ का प्रदर्शन लगभग ऐसा ही रहा है, जिसमें निरंतरता और आक्रामक रवैये की कमी साफ दिख रही है। मैच के बाद फ्लेमिंग से जब रुतुराज ने कहा कि कप्तान से इस प्रकार के खेल की उम्मीद नहीं की जाती। फ्लेमिंग ने कहा, मैं पावरप्ले से शुरुआत करूंगा। असल में, विकेट लेना सबसे जरूरी है। हां, मुझे लगता है कि रुतुराज और बेहतर कर सकते हैं। उन्होंने पहले भी इससे ज्यादा अच्छा प्रदर्शन किया है। वह शीर्ष क्रम पर एक बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने साथ ही जोड़ा, उन्होंने इस सत्र में अपने करियर में जितनी तेजी से रन बनाए हैं, उतने रन इस सत्र में नहीं बनाए हैं। इस पर उन्हें ध्यान देना होगा। वहीं कोच ने माना है कि इस पिच पर बल्लेबाजी कठिन थी। फ्लेमिंग ने यह भी माना है कि 180 रनों का स्कोर ठीक था, क्योंकि पिच से गेंदबाजों को सहायता मिल रही थी। उन्होंने कहा, 180 का स्कोर बनाना बहुत कठिन था। स्पिन गेंदबाजी को लेकर उन्होंने कहा, मैंने उसे समझने में ज्यादा समय नहीं लगाया। उसमें ज्यादा टर्न नहीं था।

वैभव को भारतीय टीम में जगह के लिए अपनी फील्डिंग सुधारनी होगी : कैफ

मुम्बई। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे वैभव सूर्यवंशी ने इस आईपीएल सत्र में 400 से अधिक रन बनाकर अपने को एक बार फिर साबित किया है। आईपीएल के पहले भी अंडर-19 विश्व कप में वैभव ने धमाकेदार बल्लेबाजी की थी। ऐसे में वैभव को भारतीय टीम की शामिल करने की मांग जोर पकड़ती जा रही है। ये भी कहा जा रहा है कि वह अब पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार हैं। बड़े-बड़े छक्के लगाने में माहिर वैभव गेंदबाज का दबदबा नहीं देखते, बल्कि सिर्फ गेंद को देखकर अपने शॉट्स खेलते हैं। वहीं इसके बाद भी पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि वैभव अभी भारतीय टीम में जगह नहीं बना सकते। कैफ ने इसके पीछे का कारण भी बताया है। कैफ का मानना है कि भारतीय टीम के लिए लिए खेलने से पहले वैभव को अपनी फील्डिंग ठीक करनी होगी। कैफ का मानना है कि वैभव की फील्डिंगे कमजोर है हालांकि इसपर अधिक लोगों का ध्यान नहीं गया है। कैफ के अनुसार आईपीएल के इस सत्र के मैचों को देखा जाये तो वैभव फील्डिंग में सतर्क नहीं दिखे। इस युवा खिलाड़ी ने इस सत्र में एक भी कैच नहीं लिया है जबकि भारत के लिए खेलते हुए उसे मैदान पर अधिक तेज होना होगा।

आउट दिये जाने के बाद सैमसन को जश्न मनाता देख भड़के क्लासेन

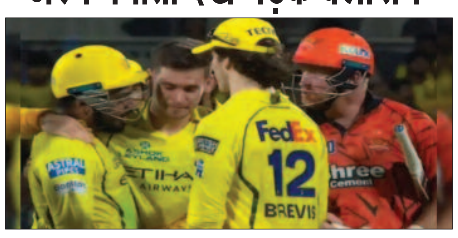

चेन्नई। सनराइजर्स हैदराबाद ने यहां हुए आईपीएल के 63 वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को हराकर प्लेऑफ की ओर कदम बढ़ाया। इस रोमांचक मुकाबले में सनराइजर्स की जीत में ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन की अहम भूमिका रही। इन दोनो की शानदार पारियों से टीम ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मैच में आकर्षण का केन्द्र हेनरिक क्लासेन का विकेट रहा। क्लासेन आउट दिये जाने पर सीएसके के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को जश्न मनाता हुए देखकर नाराज हो गेय और उनकी सैमसन से तीखी बहस भी हुई। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके ने 20 ओवरों में 180 रन बनाये। इससे के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों ने एक ओवर पहले ही लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मैच के 15वें ओवर में सनराइजर्स के आक्रामक बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन नूर अहमद की गेंद पर शॉट खेलने में असफल रहे। ऐसे में विकेटकीपर संजू सैमसन ने उन्हें स्टंप करने में कोई गलती नहीं की पर रीप्ले में दिखा कि क्लासेन का पैर पॉपिंग क्रीज के अंदर था पर जिस क्षण सैमसन ने बेल्स गिराईं, उनका पैर हवा में था, जिसके कारण तीसरे अंपायर ने उन्हें आउट दे दिया। सैमसन ने क्लासेन को स्टंप करते ही जश्न मनाना शुरू कर दिया, जिससे क्लासेन भड़क गये। थर्ड अंपायर के फैसले के बाद जब क्लासेन पवेलियन लौट रहे थे, तो उन्होंने सैमसन की ओर कुछ कहा, जिस पर सैमसन ने भी उन्हें उसी अंदाज में जवाब दिया। यह देख मैदान पर माहौल तनावपूर्ण हो गया और अन्य खिलाड़ियों को मामले में हस्तक्षेप करना पड़ा। इसके बाद क्लासेन पवेलियन लौट गये।

फीफा विश्वकप के लिए ब्राजील की 26 सदस्यीय टीम घोषित, नेमार भी शामिल

रियो डि जेनेरो (एजेंसी)। ब्राजील ने अगले माह होने वाले फीफा विश्वकप फुटबॉल के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। टीम में स्टार खिलाड़ी नेमार की वापसी हो गयी है। नेमार चोटिल होने के कारण पिछ्ले काफी समय से टीम से बाहर थे, अब उनकी वापसी से प्रशंसकों को राहत मिली है। टीम के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने विश्वकप के लिए 26 सदस्यीय टीम की घोषणा करते हुए कहा कि नेमार की वापसी से टीम में उत्साह है।

नेमार के विश्वकप खेलने को लेकर अबतक संदेह जताया जा रहा था। नेमार ने आखिरी बार अक्टूबर 2023 में ब्राजील के लिए मुकाबला खेला था। उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर में उन्हें गंभीर चोट लगी थी। जिसके बाद से ही वह खेल से बाहर थे। इस चोट से उबरने के बाद यह पहली बार है जब वह राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बने हैं। फिलहाल वह अपने क्लब सैंटोस एफसी के लिए खेल रहे हैं।

इस साल की शुरुआत में क्लब में वापसी के बाद उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं में 38 मैचों में 17 गोल किए हैं, हालांकि चोटों के कारण उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ है।

टीम चयन के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कार्लो एंसेलोटी ने नेमार को टीम में शामिल करने के अपने फैसले को स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि नेमार को बैकअप खिलाड़ी के तौर पर नहीं चुना गया है, बल्कि टीम को उनकी गुणवत्ता और अनुभव की सख्त जरूरत है। एंसेलोटी ने जोर देकर कहा, नेमार चाहे 1 मिनट खेलें या 90 मिनट, सबसे जरूरी है कि वह टीम को क्या योगदान देते हैं। वह तभी खेलेंगे जब ट्रेनिंग और फिटनेस के आधार पर इसके अधिकारी होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि पूरे साल नेमार की फिटनेस पर बारीकी से नजर रखी गई और अब वह धीरे-धीरे बेहतर स्थिति में पहुंच रहे हैं।

जहां नेमार की वापसी ने प्रशंसकों को उत्साहित किया, वहीं कई बड़े खिलाड़ियों का टीम में जगह नहीं मिली है। अनुभवी डिफेंडर थियागो सिल्वा के साथ-साथ जोआओ पेड्रो और एंड्रे सैंटोस भी टीम से बाहर हैं। रॉड्रीगो और एस्टेवाओ चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं, ब्राजील की टीम विश्वकप में अपना पहला मुकाबला 13 जून को न्यू जर्सी में मोरक्को के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद टीम ग्रुप ष्ट में हैती और स्कॉटलैंड का सामना करेगी। नेमार की वापसी से उत्साहित टीम को लक्ष्य अब खिताब जीतना रहेगा।

महिला प्रीमियर लीग में टीम खरीदना चाहती है पंजाब किंग्स फ्रैंचाइजी

नई दिल्ली । आईपीएल टीम पंजाब किंग्स के सह-मालिक मोहित बर्मन अब महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में भी एक टीम खरीदना चाहते हैं। बर्मन का मानना है कि महिला क्रिकेट का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल है और उनका समूह इसमें निवेश करना चाहता है। बर्मन की यह उम्मीद अभी शायद ही पूरी हो क्योंकि भारतीय बोर्ड अभी डब्ल्यूपीएल में टीमों की संख्या नहीं बढ़ा रहा है। पंजाब किंग्स में 48 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाले बर्मन ने कहा कि महिला प्रीमियर लीग ने बहुत ही कम समय में महिला क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में अपनी पहचान बनायी है। उन्होंने माना है कि शुरुआत में महिला क्रिकेट में निवेश नहीं किया गया था पर अब वह इस लीग में हुए विकास से प्रभावित हैं। उनके अनुसार, महिला क्रिकेट की प्रगति असाधारण रही है और यह सिर्फ एक खेल नहीं बल्कि एक आंदोलन बन गया है। बर्मन ने कहा, व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि महिला क्रिकेट का भविष्य बेहद उज्ज्वल है और हम निश्चित रूप से एक महिला आईपीएल टीम खरीदना चाहेंगे। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पिछले साल पहली बार महिला एकदिवसीय विश्व कप जीता था जिसके बाद से ही महिला क्रिकेटरों को भी कई कंपनियों ने विज्ञापन दिये और ब्रांड एंबेसडर बनाया। अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप में भी भारतीय टीम को प्रबल दावेदार माना जा रहा है। ये उपलब्धियाँ न केवल खेल में कई कंपनियों की रुचि बढ़ा रही हैं, बल्कि युवा लड़कियों के लिए महिला क्रिकेटरों को प्रमुख खेल हस्तियों और सक्षम पेशेवर खिलाड़ियों के रूप में देखने का अवसर भी प्रदान कर रही हैं। इससे खेल का भविष्य पूरी तरह बदल जाता है। वर्तमान में, डब्ल्यूपीएल में पाँच टीमें हैं, जिनमें से तीन मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स पहले से ही आईपीएल फ्रेंचाइजी के स्वामित्व में हैं। पंजाब किंग्स जैसे बड़े ब्रांड का इसमें दिलचस्पी दिखाना भविष्य में लीग के संभावित विस्तार और महिला क्रिकेट के वैश्विक विकास के लिए शुभ संकेत माना जा सकता है। यह दर्शाता है कि महिला क्रिकेट सिर्फ खेल नहीं बल्कि एक आकर्षक निवेश अवसर भी बन गया है।

चेल्सी के नए कोच बने पूर्व स्पेनिश फुटबॉलर ज़ाबी अलोंसो

लंदन । इंग्लैंड के चेल्सी एफसी क्लब ने स्पेन के पूर्व फुटबॉलर ज़ाबी अलोंसो को अपनी टीम का नया मुख्य कोच बनाया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 44 साल के मिडफील्डर अलोंसो के साथ क्लब ने चार साल का करार किया है इसकी आधिकारिक घोषणा अभी होनी है। जर्मनी के क्लब बायर लेवरकुसेन के कोच रहते अलोंसो तेजी से चर्चाओं में आये हैं। इसके बाद से ही वह यूरोप के शीर्ष युवा कोचों में शामिल किए जाते हैं, अब उनके सामने चेल्सी की प्रदर्शन को सुधारना एक नई चुनौती है। पिछले सप्ताह ही अलोंसो ने लंदन में चेल्सी के शीर्ष अधिकारियों के साथ अंतिम दौर की बातचीत की। इस दौरे के बाद ही दोनों पक्षों के बीच चार साल के अनुबंध पर सहमति बन पाई। गौरतलब है कि चेल्सी भी लंबे समय से एक स्थायी और प्रभावशाली कोच की तलाश में था, और अलोंसो को शुरू से ही उनकी पहली पसंद माना जा रहा था। गौरतल है कि अलोंसो कोच के तौर पर तेजी से ऊपर आये हैं। उन्होंने जर्मनी के क्लब बायर लेवरकुसेन को 2023-24 सीज़न में बुंडेसलीगा खिताब दिलाकर अपनी रणनीतिक क्षमता और नेतृत्व कौशल का प्रदर्शन किया था। इस ऐतिहासिक जीत ने उन्हें विश्व फुटबॉल में एक ऐसे कोच के रूप में स्थापित किया, जो युवा प्रतिभाओं को निखारने और टीम को एकजुट करने में माहिर है। लेवरकुसेन की सफलता के बाद, अलोंसो स्पेन के दिग्गज क्लब रियल मैड्रिड के साथ भी रहे। हालांकि, उनका यह रियल के साथ प्रदर्शन कार्यकाल अच्छा नहीं रहा। उन्हें रियल मैड्रिड के ड्रेसिंग रूम में अनुशासन और खिलाड़ियों के रवैये को लेकर कई समस्याएँ थीं। वहीं ये भी कहा जाता है कि अलोंसो की सख्त रणनीति और अनुशासन-केंद्रित दृष्टिकोण कुछ खिलाड़ियों को पसंद नहीं आया, जिसके कारण कुछ ही महीनों में दोनों पक्ष अलग हो गए।

सिंधु बीडब्ल्यूएफ के 15-अंक के नये प्रारुप को लेकर खुश नहीं

नई दिल्ली । भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु अगले साल से लागू होने वाले विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) बैडमिंटन के नए 15-अंक के प्रारुप को लेकर उत्साहित नहीं हैं। सिंधु का मानना है कि ये थकानभरा और चुनौतीपूर्ण साबित होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु के अनुसार ये नया प्रारुप आक्रामक खिलाड़ियों के लिए ही लाभदायक रहेगा पर इससे खेल में शारीरिक और मानसिक थकान बढ़ जाएगी। गौरतलब है कि बीडब्ल्यूएफ ने हाल ही में 15 अंक वाले तीन गेम की स्कोरिंग प्रणाली को मंजूरी दी है, इसे 4 जनवरी 2027 से लागू किया जाना है। इस घोषणा के बाद से ही खिलाड़ियों के ने इस नए प्रारूप को लेकर अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं। सिंधु हाल ही में बीडब्ल्यूएफ 'एथलीट्स आयोग' की अध्यक्ष बनी हैं। उन्होंने पहले भी बताया है कि अधिकतर खिलाड़ी अब भी 21-अंक प्रणाली को बैडमिंटन के आकर्षण, लय और रणनीतिक गहराई के लिहाज से कही बेहतर मानते हैं। सिंधु ने ने नए स्कोरिंग प्रणाली पर विस्तार को लेकर कहा, 'हां, मुझे लगता है कि यह आक्रामक खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद है, लेकिन आपको शुरुआत से ही तेज होना होगा। आप शुरुआत में खुद को सेट नहीं कर सकते, तुरंत आक्रामक और तेज रहना होगा।' उन्होंने कहा, 'यह बहुत थकाऊ होगा और आपको हर समय सतर्क रहना पड़ेगा। यह मानसिक और शारीरिक रूप से बहुत थका देने वाला होगा क्योंकि आपको लगातार हर तरफ सक्रिय रहना होगा।' उनकी यह टिप्पणी इस बात पर जोर देती है कि खेल की गति और तीव्रता काफी बढ़ जाएगी, जिससे खिलाड़ियों पर लगातार दबाव बना रहेगा। हालांकि, सिंधु का मानना है कि नया प्रारूप अनुभवी खिलाड़ियों के लिए कुछ हद तक लाभदायक हो सकता है क्योंकि मैच छोटे हो जाएंगे।

द्रविड़ और राठौर इतने मददगार थे कि कप्तानी के बाद मैं फिर से अपने क्रिकेट का आनंद ले सका : कोहली

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु -भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने स्वीकार किया है कि भारत की कप्तानी छोड़ने के बाद वह मानसिक रूप से कठिन और परेशान करने वाले दौर से गुजर रहे थे, लेकिन उन्होंने पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर का आभार व्यक्त किया, जिनकी मदद से उन्हें फिर से क्रिकेट का आनंद लेने में सहायता मिली।

कोहली ने 2022 में कप्तानी छोड़ी थी और उसी वर्ष टेस्ट क्रिकेट में उनका प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा था। उन्होंने छह टेस्ट मैच में सिर्फ एक अर्धशतक की मदद से 265 रन बनाए थे। इस दौरान उनका औसत 26.5 रहा था। द्रविड़ ने नवंबर 2021 में मुख्य कोच और विक्रम राठौर ने बल्लेबाजी कोच के रूप में भारतीय टीम की जिम्मेदारी संभाली थी। उन्होंने कोहली में फिर से जोश जगाया और संघर्ष कर रहे इस बल्लेबाज को खराब दौर से निकलने में मदद की।

उन्होंने कहा, 'कप्तानी छोड़ने के बाद ही मैंने राहुल भाई और विक्रम राठौर जैसे लोगों से खुलकर बातचीत की और बहुत कुछ साझा किया। 2023 में टेस्ट क्रिकेट में मेरा प्रदर्शन शानदार रहा और जब भी मैं उनसे मिलता हूं, मैं दिल से उनका शुक्रिया अदा करता हूं।' उन्होंने RCB इनोवेशन लैब' के 'इंडियन स्पोर्ट्स समिट' के तीसरे सत्र के दौरान कहा, 'उन्होंने (द्रविड़ और राठौर) मेरा इस तरह ख्याल रखा कि मुझे लगा कि मैं उनके लिए खेलना चाहता हूं। मैं प्रदर्शन करना चाहता हूं। मैं मैदान पर उतरकर जी-जान से मेहनत करना चाहता हूं। वे बहुत ही मददगार थे। उन्होंने मुझे एहसास दिलाया कि मैंने अब तक क्या हासिल किया है।'

भारत के इस पूर्व कप्तान ने कहा कि द्रविड़ और राठौर उनके मन की अंदरूनी परेशानियों को समझते थे और उन्हें उनसे उबरने का रास्ता दिखाया। उन्होंने कहा, 'राहुल भाई ने टेस्ट क्रिकेट में कई लोगों से कहीं बेहतर तरीके से यह काम किया है। विक्रम कई सालों से मेरे साथ हैं, इसलिए वे मेरी भावनाओं को समझते थे और मेरी स्थिति का एहसास था। उन्होंने मानसिक रूप से मेरा बहुत ख्याल रखा।'

उन्होंने कहा, 'इससे मुझे ऐसी स्थिति मिली जहां मैं फिर से क्रिकेट का आनंद ले सका। लेकिन जब मैं पूरी तरह से व्यस्त था, तब मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मैं चाहता हूं कि कोई मुझसे पूछे। मैं सब कुछ संभालने में काफी सक्षम था।' द्रविड़ की कोचिंग में कोहली ने 2023 में शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ टेस्ट मैचों में 671 रन बनाए, जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल रहे। उनका औसत 56 रहा, जो उनकी वापसी का स्पष्ट संकेत था। कोहली ने यह भी माना कि कप्तानी के दौरान वे धीरे-धीरे अपने भीतर की ऊर्जा खोते चले गए, जिसका उन्हें तब एहसास

नहीं हुआ। उन्होंने कहा, 'मैं ऐसी स्थिति में पहुंच गया जहां मैं हमारी बल्लेबाजी इकाई और कप्तानी का केंद्र बिंदु बन गया। मुझे इस बात का एहसास नहीं था कि ये दोनों चीजें मेरे दैनिक जीवन में कितना भार डालेंगी, क्योंकि मैं भारतीय क्रिकेट को शीर्ष पर बनाए रखने के लिए इतना दृढ़ संकल्पित और प्रेरित था।' कोहली ने स्वीकार किया, 'जब मैंने कप्तानी छोड़ी, तब तक मैं पूरी तरह थक चुका था। यह जिम्मेदारी मुझे भीतर तक खा गई थी। यह बेहद कठिन और थकाने वाला अनुभव था, और अपेक्षाओं का बोझ संभालना लगातार मुश्किल होता गया।'